ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 5 जून 2024
वर्ष 2, अंक 285, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

www.amritvichar.com

अमृत विचार

कानपुर नगर

एक सम्पूर्ण अखबार

291 सीटों पर आगे राजग

235 सीटों पर इंडिया गठबंधन आगे

272 सीटें चाहिए पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए

41 एनडीए और इंडिया गठबंधन में 37 दल

फिर से... एनडीए

- कई राज्यों में बदले आंकड़े, सीटें घटीं पर सरकार बची
- तीसरी बार बनी एनडीए की सरकार, मिला पूर्ण बहुमत

लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव लोकसभा चुनाव के नतीजों ने यह साफ कर दिया कि जनता क्या चाहती है देश को विकास की दहलीज तक ले जाने वाले एनडीए को एक बार फिर जनता ने अपना सरताज चुना है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार वाराणासी से जीत दर्ज की है। भाजपा भले ही 400 का आंकड़ा पार न कर पाई हो लेकिन देश की बागडोर उतनी ही मजबूती से थामे रखने की क्षमता और आमजन को आगे बढ़ाने की उम्मीद व उत्साह से ओत-प्रोत नजर आ रही है। वैसे उत्तर प्रदेश में विपक्ष गठबंधन ने इस चुनाव में उलटफेर की हवा को तेज जरूर किया है लेकिन सफलता हासिल नहीं कर पाई। कई राज्यों में भाजपा ने जीत का ध्वज लहराया तो कई राज्यों में भारी नुकसान का सामना भी करना पड़ा। कई दिग्गज प्रत्याशियों को एक लाख वोटों से अधिक की जीत मिली तो कई को अपनी सीट से हाथ धोना पड़ा। कुल मिलाकर एनडीए के हिस्से में सरकार तो आ गई पर सीटों का आंकड़ा मनचाहा न हो सका।

प्रदेश में सपा-कांग्रेस मजबूती से उभरी

नई दिल्ली, ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में तीसरी बार राजग की सरकार बनने जा रही है। मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। भाजपा भले ही 2019 की तरह प्रदर्शन न कर पाई हो, लेकिन इस बार भी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। मतगणना के बाद शाम 10 बजे तक सामने आए रुझानों से तय है कि भाजपा को स्पष्ट बहुमत न मिला हो, लेकिन बहुमत राजग के साथ ही है। आठ बजे तक के परिणामों में एनडीए 291 सीटों पर आगे थी, वहीं इंडिया गठबंधन 235 सीटों पर आगे थी। एनडीए में इस बार 41 तो इंडिया गठबंधन में 37 दलों ने चुनाव लड़ा था। समाचार लिखे जाने तक भाजपा 140, कांग्रेस 55, सपा 21, टीएमसी-14, डीएमके-5, जेडी(यू)- 4 टीडीपी- 3, शिवसेना- 2, एनसीपी शरद पवार की पार्टी 1 सीट जीत चुकी थी।

यह आम चुनाव कांग्रेस और सपा के लिए पिछले लोकसभा चुनाव से बेहतर रहा। रुझानों में 99 सीट हासिल कर रही कांग्रेस पार्टी 55 सीटें जीत चुकी है, जबकि पिछली बार 2019 में सिर्फ 52 सीटें ही जीत पाई थी। वहीं सपा रुझानों में 37 सीटों में से 16 सीटें जीत चुकी है। पिछली बार सपा सिर्फ 5 सीटों तक ही सिमट गई थी।

उप्रः केंद्र के इन मंत्रियों के हिस्से में हार

प्रत्याशी : अजय मिश्र टेनी
केंद्रीय गृह राज्य मंत्री
सीट : लखीमपुर खीरी
मतों से हारे
34,329

प्रत्याशी : स्मृति ईरानी
मंत्री
सीट : अमेठी
मतों से हारे
1,67,196

प्रत्याशी : महेंद्र नाथ पांडेय
मंत्री
सीट : चंदौली
मतों से हारे
21,565

प्रत्याशी : कौशल किशोर
मंत्री
सीट : मोहनलालगंज
मतों से हारे
70,292

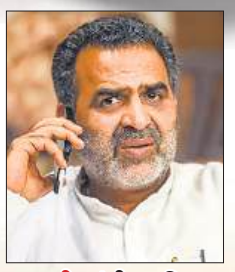

प्रत्याशी : संजीव बालियान
मंत्री
सीट : मुजफ्फरनगर
मतों से हारे
24,672

2019 में सिर्फ 52 सीटें ही जीत पाई थी कांग्रेस रुझानों में 99 सीट हासिल कर रही है 55 सीटें जीतीं, वहीं सपा रुझानों में 37 सीटों में से 16 सीटें जीत चुकी है

एनडीए पर जनता को विश्वास : नरेन्द्र मोदी

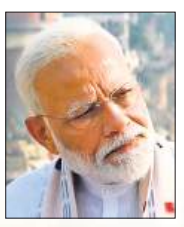

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की लगातार तीसरी बार जीत को ऐतिहासिक पल बताया है। उन्होंने मंगलवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है।

देश को शाह, मोदी नहीं चाहिए : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इस चुनाव में देश के जनादेश ने साफ कर दिया है कि अब उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संविधान को बचाने के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया। इसके तहत कांग्रेस पार्टी ने इंडिया समूह के नेताओं को साथ लिया और देश को एक नया विजन दिया है।

लोकसभा चुनाव
जनता का फैसला

4 हिमाचल में क्लीन स्वीप
7 दिल्ली में क्लीन स्वीप
5 उत्तराखंड में क्लीन स्वीप
29 मध्य प्रदेश में क्लीन स्वीप

अमृत विचार
बुधवार, 5 जून, 2024
www.amritvichar.com

जीत का सहरा

सीट : गुना (मध्य प्रदेश)
प्रत्याशी: ज्योतिरादित्य
मतों से जीत: 5.4 लाख

सीट : हमीरपुर (हिमाचल)
प्रत्याशी : अनुराग ठाकुर
मतों से जीत: 182357

सीट : कैसरगंज लखनऊ
प्रत्याशी : करण भूषण
मतों से जीत: 1,48,843

सीट : नगीना (उप्र)
प्रत्याशी : चंद्रशेखर
मतों से जीत: 151473

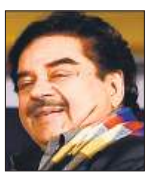
सीट: आसनसोल (पं. बंगाल)
प्रत्याशी : शत्रुघ्न सिन्हा
मतों से जीत: 59,564

सीट : मंडी (हिमाचल)
प्रत्याशी : कंगना रनोट
मतों से जीत: 74755

सीट : मेरठ (उप्र)
प्रत्याशी : अरुण गोविल
मतों से जीत: 10585

सीट : त्रिशूर (केरल)
प्रत्याशी : सुरेश गोपी
मतों से जीत: 74686

सीट : गोरखपुर (उप्र)
प्रत्याशी : रवि किशन
मतों से जीत: 103526

सीट : पीलीभीत (उप्र)
प्रत्याशी : जितिन प्रसाद
मतों से जीत : 1,66,575

सीट : खीरी (उप्र)
प्रत्याशी : उत्कर्ष वर्मा
मतों से जीत : 34, 329

सीट : मुजफ्फरनगर (उप्र)
प्रत्याशी : हरेंद्र मलिक
मतों से जीत: 24,672

सीट : उधमपुर
प्रत्याशी : जितेंद्र सिंह
मतों से जीत: 1,24,373

सीट : हैदराबाद
प्रत्याशी : ओवैसी
मतों से जीत: 3,38,087

सीट : वडोदरा
प्रत्याशी : हेमंग जोशी
मतों से जीत : 5.82 लाख

सीट : सिरसा
प्रत्याशी : कुमारी शैलजा
मतों से जीत: 2.67 लाख

सीट : उधमसिंह नगर
प्रत्याशी : अजय भट्ट
मतों से जीत: 3.26 लाख

सीट : मथुरा
प्रत्याशी : हेमा मालिनी
मतों से जीत: 2.61 लाख

मतगणना की आंधी में उड़ गए एक्जिट पोल्स

संवाददाता, बरेली

- रुझानों में भाजपा को 360 सीट और एनडीए को 400+ का किया था दावा
- 300 पार के लिए तरस गई एनडीए विपक्ष को तगड़ा फायदा

अमृत विचार : सातवें चरण के मतदान के बाद एनडीए के पक्ष में एक्जिट पोल की आंधी मतगणना के साथ ही ढह गई। बड़े मीडिया हाउस और एजेंसियों के एग्जिट पोल्स में एनडीए गठबंधन को 400 से ज्यादा सीटें और भाजपा को 370 सीट के साथ बहुमत में दिखाया गया था। मतगणना के बाद आए रुझान ने पूरी कहानी ही पलट दी। अब भाजपा को लोकसभा में बहुमत बनाए रखने के लिए तेलुगू देशम पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड) और एकनाथ शिंदे की शिवसेना जैसे अपने सहयोगियों पर बहुत हद तक निर्भर रहना पड़ेगा।

इस लोकसभा चुनाव में 400 पार एनडीए सरकार का नारा देने वाली मोदी सरकार मंगलवार को हुई मतगणना में 300 पार के लिए तरस गई। मध्य प्रदेश और गुजरात को छोड़ दें तो भाजपा को सबसे बड़ा नुकसान उत्तर प्रदेश में उठाना पड़ा। वहीं महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन का प्रदर्शन शानदार रहा, यहां भी भाजपा एक्जिट पोल्स के रुझानों में आगे थी।

पिछले चुनाव के नतीजे में बहुमत में थी भाजपा : 2019 के चुनाव नतीजे जब सामने आए थे तो भाजपा लगातार दूसरी बार खुद के दम पर सत्ता में आई। भाजपा ने सबसे ज्यादा 303 सीटें जीतीं। इसके बाद कांग्रेस को महज 52 सीटों पर जीत मिली थी। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस के 22 सांसद, बसपा के 10, भाकपा के 2, माकपा के 3 और एनसीपी के 5 सांसद जीते थे। इसके अलावा अन्य सीटें एनडीए गठबंधन के हिस्से में पहुंची थी।

दावों से उलट इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन

मतगणना के बाद आए रुझान में इंडिया गठबंधन को मिली बढ़त ने सभी को भौचक्का कर दिया। मतगणना से पूर्व के रुझानों में 130 से कम सीटों को दिखाया गया था, लेकिन वास्तविक में 230 से ज्यादा पार कर गई। 100 से अधिक सीटें इंडिया गठबंधन के लिए माइलस्टोन की तरह काम करेगा। गठबंधन 9 जून तक सरकार बनाने का दवा यदि पेश नहीं कर पाया तो भी लोकसभा में मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएगा।

उत्तर प्रदेश ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन

वर्तमान में मोदी सरकार के लिए सबसे बड़ी टेंशन इस समय उत्तर प्रदेश की कम सीटें बन गई हैं। एक्जिट पोल्स में एनडीए को 400 पार की सबसे बड़ी बढ़त उत्तर प्रदेश राज्य में दिखाई गई थी। यहां 80 में से 72 सीटों का दावा किया गया था, लेकिन 36 सीटों पर सिमट गई। ऐसे में भाजपा को अन्य राज्यों के घटक दलों पर निर्भर रह कर सरकार चलानी पड़गी। 2019 के चुनाव में बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए ने 64 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, गठबंधन में बसपा ने 10 और सपा ने 5 सीटों पर जीत हासिल की थी।

छह राज्यों में भाजपा को भारी नुकसान

उप्र, महाराष्ट्र, बिहार, पं. बंगाल, कर्नाटक, हरियाणा, राजस्थान में कम सीटें

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के मत की गिनती आज सुबह आठ बजे से शुरू होने के साथ ही आए परिणाम ने भाजपा की परेशानी को बढ़ा दिया है। राजग को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पंजाब, लद्दाख, पंश्चिम बंगाल, कर्नाटक, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भाजपा की अपेक्षा से कम सीटें आई हैं। कांग्रेस और उसकी इंडिया गठबंधन के दमदार प्रदर्शन ने सभी को चौका दिया है। साथ ही सरकार बनाने के लिए 272 सीटों की जरूरत होती है। लेकिन कई राज्यों में निराशजन प्रदर्शन के बाद भी राजग सरकार बनाने की ओर अग्रसर है।

उत्तर प्रदेश में सपा तो पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने भाजपा को काफी नुकसान पहुंचाया है। जहां भाजपा ने हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात की सभी सीटों पर जीत दर्ज की है, वहीं हरियाणा और महाराष्ट्र में उसको काफी नुकसान हुआ है। भाजपा सबसे ज्यादा बेहतर परिणाम की आशा प. बंगाल से थी पर ममता बनर्जी ने यह साबित किया की वह बंगाल में भाजपा पर भारी पड़ेंगी। 2019 के चुनाव में भाजपा ने इन सभी राज्यों में बेहतर प्रदर्शन किया था और इस बार भी सबसे ज्यादा सीटों के आने की उम्मीद भी भाजपा को इन्हीं राज्यों से थी।

लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए निराशाजनक साबित हुए हैं। उत्तर प्रदेश, हरियाणा पंजाब, पश्चिम बंगाल जैसे कई प्रमुख राज्यों में उसकी करारी हार हुई है। भाजपा को उत्तर प्रदेश में 30, बिहार में 9, पंजाब में 2, कर्नाटक में 9, लेह की एक सीट, पश्चित बंगाल में 6 हरियाणा में 5 और महाराष्ट्र में 23 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है वहीं, कांग्रेस ने पिछली वार की अपेक्षा अच्छा प्रदर्शन किया है और यूपी में कांगेस में 6 सीटों पर जीत दर्ज की, साथ ही सपा ने भी 38 सीटें जीती है। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने 13, शिवसेना ने 7 सीटों पर जीत दर्ज कर भाजपा को नुकसान पहुंचाया है। बिहार में भी कांग्रेस को तीन सीटें मिली है और राजद ने चार सीटों पर जीत दर्ज की है। कर्नाटक में कांग्रेस को नौ और पंश्चिम बंगाल में एक सीट मिली है।

बंगाल से भाजपा को काफी उम्मीद थी पर टीएमसी ने 29 सीटों पर जीत दर्ज कर इस पर पानी फेर दिया। वहीं हरियाणा में भी कांग्रेस ने पांच सीट जीतकर भाजपा को पांच सीट पर ही समेट दिया जबकि पिछली बार भाजपा ने यहां की सभी 10 सीटों पर जीत दर्ज की थी। राजस्थान में भी भाजपा को दस सीटों का नुकसान हुआ है जहां भाजपा को केवल 14 सीटों पर ही जीत मिल सकी है और कांग्रेस को 8 और अन्य को तीन सीटें मिली हैं।

वहीं भाजपा ने उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। केरल के त्रिपुर में भी भाजपा ने अपना खाला खोल दिया है। साथ ही मध्य प्रदेश की 29 सीटों पर भाजपा ने एकतरफा जीत दर्ज की है। साथ ही भाजपा ने असम में 9 छत्तीसगढ़ में 10, दिल्ली की सातों सीटों के साथ ही गुजरात में 26 मेंसे 25, हिमाचाल की चार पर जीत दर्ज की है। इसी के साथ ही कई छोटे राज्यों में भी भाजपा को कोई खास सफलता हाथ नहीं लग सकी है।

इन राज्यों में नुकसान

उत्तर प्रदेश-80

भाजपा	33 (-29)
सपा	37 (+32)
कांग्रेस	6 (+5)
रालोद	2
अन्य	2

कर्नाटक-28

कांग्रेस	9 (+8)
भाजपा	17 (-8)
जेडीएस	2

राजस्थान-25

भाजपा	14 (-10)
कांग्रेस	+8
अन्य	3

हरियाण-10

भाजपा	5 (-5)
कांग्रेस	5 (+5)

महाराष्ट्र-48

भाजपा	10 (-13)
कांग्रेस	13 (+12)
शिवसेना	7
एनसीपी	1
अन्य	17

प. बंगाल-42

टीएमसी	29(+7)
भाजपा	12 (-6)
कांग्रेस	1 (-1)

बिहार-40

भाजपा	12 (-5)
राजद	+4
जदयू	12 (-4)
कांग्रेस	3 (+2)
अन्य	9

5 नेताओं ने तोड़े रिकॉर्ड, इंदौर के लालवानी आगे

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा के चार उम्मीदवारों सहित कम से कम पांच राजनेताओं ने जीत के अंतर के सभी रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। इंदौर के मौजूदा सांसद शंकर लालवनी ने 11.72 लाख मतों से जीत दर्ज की। गृह मंत्री अमित शाह, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा नेता सीआर पाटिल मतगणना के अंतिम दौर में सात लाख से ज्यादा मत से जीते हैं।

असम के धुबरी क्षेत्र से कांग्रेस के रकीबुल हुसैन 7.36 लाख मतों से जीते। सबसे ज्यादा अंतर से जीत का रिकॉर्ड भाजपा के प्रीतम मुंडे के नाम था, जिन्होंने अक्टूबर 2014 में महाराष्ट्र की बीड सीट पर हुए उपचुनाव में 6.96 लाख से ज्यादा मतों पाए थे। उन्होंने 7.67 लाख मतों से दर्ज की। विदिशा से शिवराज सिंह चौहान 7.96 लाख से ज्यादा मतों से जीते। अमित शाह गांधीनगर लोकसभा सीट पर 7.37 लाख, जबकि उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मध्य प्रदेश की गुना सीट से 5.4 लाख से अधिक मतों जीते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी से 1,52,513 मतों से जीते हैं। जहां से उनकी ये तीसरी जीत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली क्षेत्र से भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को 3.88 लाख मतों से हराया है। राहुल, केरल के वायनाड से भी 3.64 लाख से जीते हैं। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब त्रिपुरा पश्चिम लोकसभा सीट से छह लाख से अधिक मतों से जीते, जबकि भाजपा के कृति देव देबबर्मन ने त्रिपुरा पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में 4.86 लाख से अधिक जीत दर्ज की। भाजपा के हेमंग जोशी भी वडोदरा से 5.82 लाख से अधिक मतों से विजयी रहें। कांग्रेस के अमासहायम रघुराम रेड्डी खम्मम से 4.59 लाख, भाजपा के एटला राजेंद्र मलकानगिरी से 3.81 लाख, अजय भट्ट नैनीताल-उधमसिंह नगर से 3.26 लाख से अधिक मतों से जीते हैं। रायपुर क्षेत्र से भाजपा के बृजमोहन अग्रवाल 4.43 लाख तो मथुरा से हेमा मालिनी 2.61 लाख मतों से आगे चल रही हैं जबकि नोएडा से पार्टी उम्मीदवार महेश शर्मा 5.57 लाख मतों से आगे चल रहे हैं। हरियाणा में कांग्रेस की कुमारी शैलजा और दीपेंद्र सिंह हुड्डा सिरसा और रोहतक से क्रमशः 2.67 लाख और 3.01 लाख मतों से आगे चल रहे हैं।

लोगों ने नफरत और तानाशाही के खिलाफ वोट दिया : आप

नई दिल्ली। आप ने मंगलवार को कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इसके उम्मीदवारों ने दिल्ली में भाजपा को कड़ी टक्कर दी और साथ ही लोगों ने भाजपा की नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के खिलाफ मतदान किया।

आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा, मैं देश के मतदाताओं के सामने सिर झुकाना चाहता हूं। यह चुनाव जनता का एक संदेश है कि वह भाजपा के 10 साल के शासन से थक गई है और उसे बाहर करना चाहती है। लोग महंगाई से परेशान हो गए हैं। भाजपा के 272 के बहुमत के आंकड़े से दूर दिखाई देने पर सिंह ने कहा, नतीजे भाजपा और उसकी नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के लिए एक बड़ा सबक हैं।

हार का बोझ

सीट : खूंटी (झारखंड)
प्रत्याशी : अर्जुन मुंडा
मतों से हारे: 1.49 लाख

सीट : मथुरा
प्रत्याशी : मुकेश धनगर
मतों से हारे: 2.93 लाख

सीट : हैदराबाद
प्रत्याशी : माधवी लता
मतों से हारे: 3,38,087

सीट : गाजियाबाद
प्रत्याशी : डॉली शर्मा
मतों से हारे: 3.36 लाख

सीट : अनंतनाग- राजौरी
प्रत्याशी : महबूबा मुफ्ती
मतों से हारे: 2,81,794

सीट : रामपुर
प्रत्याशी : घनश्याम लोधी
मतों से हारे: 87434

सीट : आजमगढ़
प्रत्याशी : दिनेश लाल यादव
मतों से हारे: 1,61,035

सीट : राजगढ़ (मध्यप्रदेश)
प्रत्याशी : दिग्विजय सिंह
मतों से हारे: 1.46 लाख

सीट : फतेहपुर
प्रत्याशी: निरंजन ज्योति
मतों से हारे: 35 हजार

सीट : जलौन
प्रत्याशी : भानू प्रताप वर्मा
मतों से हारे: 53,898

सीट : घोसी
प्रत्याशी : अरविंद राजभर
मतों से हारे: 1,62,943

सीट : रायबरेली
प्रत्याशी : दिनेश प्रताप सिंह
मतों से हारे: 3,90,030

सीट : सुल्तानपुर
प्रत्याशी : मेनका गांधी
मतों से हारे: 40 हजार

सियासत केंद्रीय मंत्रियों में स्मृति, डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, संजीव बालियान, साध्वी निरंजन ज्योति, भानू प्रताप वर्मा, टेनी और कौशल किशोर जबकि राज्य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और जयवीर सिंह हारे

मोदी–योगी के कई मंत्री पराजित, अयोध्या भी हार गयी भाजपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केन्द्र के सात और राज्य सरकार के दो मंत्री चुनाव हार गए

अमृत विचार: राजनीतिक हलकों में भले कहा जाता हो कि दिल्ली की कुर्सी का रास्ता उप्र. से हो कर जाता है लेकिन इस बार चुनाव में तो यहां कई मंत्रियों ने भी अपनी सांसदी गंवा दी। देश को चौंकाने वाले उप्र. की लोस सीट के परिणामों में चुनाव लड़ रहे 12 केंद्रीय मंत्रियों में से सात मंत्री और राज्य सरकार के दो मंत्री चुनाव हार गए। इस बार भाजपा से जनता का ऐसा मोहभंग हुआ कि चुनाव के दौरान चर्चा में रहे अयोध्या में भव्य राम मंदिर को सहेजने वाली अयोध्या सीट से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने चुनाव हरा दिया है।

हारने वाले केंद्रीय मंत्रियों की तो इस सूची में स्मृति ईरानी, डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, संजीव वालियान, साध्वी निरंजन ज्योति, भानू प्रताप वर्मा, अजय मिश्रा टेनी और कौशल किशोर के नाम शामिल हैं। जबकि राज्य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और जयवीर सिंह भी चुनाव हार गए हैं। भाजपा के अन्य दिग्गज नेताओं में पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी (सुल्तानपुर), भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ (आजमगढ़), महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री कृपाशंकर सिंह (जौनपुर), पूर्व पीएम चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर (बलिया), मंत्री व निषाद पार्टी के अध्यक्ष डा. संजय निषाद के पुत्र प्रवीण निषाद (संत कबीर नगर), मंत्री व सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के पुत्र अरविंद राजभर (घोसी) जैसे बड़े नेता भी चुनाव हार गए।

लोकसभा फैजाबाद (अयोध्या)

गठबंधन के अवधेश प्रसाद	554289
भाजपा लल्लू सिंह	499722
बसपा के सच्चिदानंद पांडेय	46407
कम्युनिस्ट पार्टी के अरविंद सेन	15367

अयोध्या : आस्था व विकास पर भारी पड़ा जातीय समीकरण

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

- नहीं लुभा पाया वैश्विक पर्यटन नगरी का आकर्षण
- सामान्य सीट से दलित विधायक ने दर्ज कराई जीत
- मंडल से प्रदेश तक जातीय समीकरण का असर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में अयोध्या से राजनीति के नए ट्रेड का संकेत है। आस्था और विकास, जातीय समीकरण के मकड़जाल में उलझ कर रह गए। वैश्विक पर्यटन नगरी का आकर्षण भी मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। परिणाम रहा कि अयोध्या में भाजपा को मुंह की खानी पड़ी। अयोध्या राजनीति की प्रयोगशाला के तौर पर देखी जाती है। यहां नए–नए प्रयोग राजनीति को नई दिशा देते रहे हैं। भाजपा को ऊर्जा अयोध्या से मिलती रही है तो सपा और बसपा ने भी अयोध्या में अपने नए प्रयोगों के जरिए सियासत से सत्ता की सीढ़ी चढ़ी। तीनों दलों ने अलग–अलग चुनाव में सोशल इजीनियंरिग का प्रयोग भी यहीं किया। कामयाबी हासिल की। इस बार भी सपा ने एकदम नया प्रयोग किया। सामान्य सीट से सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र मिल्कीपुर के विधायक अवधेश प्रसाद को चुनाव मैदान में भेजा। प्रसाद, पासी बिरादरी से आते हैं। बिरादरी के साथ अन्य वोटों के ध्रुवीकरण से उन्होंने भाजपा की नाक रही अयोध्या की सीट छीन ली। यह अयोध्या के लिए बड़ी बात है।

अयोध्या केवल भाजपा का गढ़ नहीं रही है बल्कि अयोध्या को आस्था और विकास के नजरिए से भी देखा जाता है। राम मंदिर पर फैसला आने से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा तक आस्था की तरंगे पूरे देश में यहां से फैलती रहीं। प्रदेश में अयोध्या से ज्यादा विकास शायद ही कहीं किया गया हो, कुछ लोग इससे प्रभावित भी हुए तो लाभ बहुतों को हुआ। इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हाईवे तक। आधुनिक सुविधाओं युक्त भव्य रेलवे स्टेशन से अच्छी ट्रेनों के साथ राम मंदिर निर्माण और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। कई हजार करोड़ रूपये की परियोजनाएं और लोगों को योजनाओं के लाभ। सब एक ओर रह गए और जातीय सियासत दूसरी ओर। साफ है कि लोकसभा चुनाव में अयोध्या के विकास का मुद्दा नहीं रहा।

जातीय सियासत इसलिए भी कि साल 2019 का चुनाव सपा–बसपा ने यहां ने एक साथ मिलकर लड़ा था, लेकिन जीत नहीं पाई। भाजपा लगभग 65 हजार वोट से चुनाव जीत गई थी। गठबंधन के प्रत्याशी को 4 .63 लाख वोट मिले। तब प्रत्याशी आनंद सेन यादव थे। वह अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित थे। इस लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के सपा प्रत्याशी के पक्ष में पहले से ज्यादा ध्रुवीकरण हुआ। इसका कारण प्रत्याशी का पासी बिरादरी से होना माना जा रहा है। सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह पर 56 हजार से ज्यादा वोटों से बढ़त बना ली। फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा क्षेत्र में चार में जातीय समीकरण का प्रभाव साफ देखा गया। आस्था, विकास से इतर सरकार के विरोध के साथ जातीय राजनीति का असर अयोध्या ही नहीं, फैजाबाद मंडल के सभी सीटों पर महसूस किया जा रहा है। अयोध्या के पड़ोस में अमेठी की तस्वीर को छोड़ दिया जाए तो अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर में इसका साफ असर है। इन सीटों के जीते प्रत्याशियों की जाति और जातीय समीकरण इसी ओर इशारा करते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो मंडल ही नहीं पूरे प्रदेश में सपा ने जातीय राजनीति के जरिए चुनावी फतह पर काम किया। लोकसभावार ज्यादातर प्रत्याशियों का चयन ही जातीय समीकरण के आधार पर किया गया। मतगणना के बाद चुनाव परिणाम के साथ जातीय राजनीति के पक्ष में परिणाम साफ दिख रहा है।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 5 जून 2024
वर्ष 2, अंक 285, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर नगर
एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

मिशन विश्वकप का आगाज करेगी टीम इंडिया 15
पिता बने वरुण, पत्नी नताशा ने दिया बेटी को जन्म 16

राजग को बहुमत, 9 को मोदी ले सकते हैं शपथ

सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी भाजपा, सहयोगी दलों के दम पर फिर बनेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा चुनाव के अब तक आए नतीजों के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भले ही बहुमत (272 सीट) से दूर नजर आ रही है लेकिन वह सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है। हालांकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अपने सहयोगियों की बदौलत उसकी फिर से सरकार बनने जा रही है। राजग की सीटों का आंकड़ा 300 सीटों के करीब पहुंचता दिख रहा है। खबर है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग की नई सरकार का 9 जून को शपथ ग्रहण कार्यक्रम हो सकता है। दरअसल, राष्ट्रपति भवन की ओर से एक बयान जारी किया गया है जिसके मुताबिक राष्ट्रपति भवन का सर्किट-1 बुधवार (5 जून) से लेकर 9 जून तक आम जनता के लिए बंद रहेगा। इस दौरान राष्ट्रपति भवन में नई सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारियां की जाएंगी।

नई दिल्ली भाजपा मुख्यालय में समर्थकों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

लोकसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती जैसे-जैसे आगे बढ़ी, रुझानों में स्पष्ट होता चला गया कि सत्तारूढ़ गठबंधन उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर रहा है और एग्जिट पोल के अनुमान भी गलत साबित हो रहे हैं। अब तक के रूझान और नतीजे इसकी भी तस्दीक कर रहे हैं कि किसी एक दल को बहुमत देने के पिछले एक दशक के जनादेश में बदलाव आया है और एक बार फिर देश की राजनीति में गठबंधन युग की वापसी हो रही है। तकरीबन साढ़े पांच बजे तक के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भाजपा 38 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी थी जबकि 201 सीटों पर उसके उम्मीदवार आगे थे। भाजपा कुल मिलाकर 239 सीटों पर आगे थी। 543 सदस्यों वाली लोकसभा में बहुमत के लिए आवश्यक 272 के जादुई आंकड़े से वह पीछे है। हालांकि राजग का आंकड़ा 300 के करीब पहुंचता दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर 'इंडिया' गठबंधन करीब 227 सीटों पर आगे हैं। कांग्रेस 12 सीटों पर जीत चुकी है और 87 सीटों पर उसके उम्मीदवार आगे हैं। साल 2019 के प्रदर्शन के मुकाबले कांग्रेस लगभग दोगुनी सीट की ओर आगे बढ़ती दिख रही है। पिछले चुनाव में भाजपा के पास 303 जबकि राजग के पास 350 से अधिक सीटें थीं। राजग यदि फिर से सत्ता में आता है और नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनते हैं तो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में वह जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। भाजपा को इस चुनाव में उत्तर प्रदेश में में खासा झटका लगा है जहां समाजवादी पार्टी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। राजस्थान और हरियाणा में भी उम्मीद के विपरीत उसका प्रदर्शन रहा।

नई ऊर्जा, नए संकल्पों के साथ हम आगे बढ़ेंगे : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार जीत को ऐतिहासिक पल बताया है और इसके लिए देश की जनता के प्रति आभार जताया। मोदी ने कहा है कि गठबंधन देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई ताकत से काम करेगा। प्रधानमंत्री ने 18वीं लोकसभा के परिणामों और रुझानों के बीच मंगलवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। मैं इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए अपने परिजनों को नमन करता हूं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम नई ऊर्जा, नई उमंग, नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ेंगे। सभी कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण भाव से अथक मेहनत की है, मैं इसके लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं। लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना के जाता रूझानों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 292 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि विपक्षी 'इंडिया समूह' के प्रत्याशी 233 सीटों पर आगे चल रहे हैं या विजयी हुए हैं। इन चुनावों में भाजपा अपने बल पर बहुमत हासिल करने में कामयाब नहीं हुई है, लेकिन लोकसभा की 543 सीटों में से उसे 240 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही हैं।

आंध्र प्रदेश में राजग बहुमत की ओर, तेदेपा कार्यालय में जश्न

विधानसभा चुनाव

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश में अपने चुनाव पूर्व सहयोगियों जनसेना और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के भारी बहुमत प्राप्त करने की ओर अग्रसर होने के साथ ही मंगलवार को राज्यभर में पार्टी के कार्यालयों में खुशियां मनाई जाने लगीं।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, तेदेपा ने 10 विधानसभा सीट पर जीत हासिल की है तथा 123 सीट पर आगे है, जबकि जनसेना ने दो सीट पर जीत दर्ज की है तथा 19 पर आगे है। वहीं, भाजपा ने एक विधानसभा सीट पर जीत हासिल कर ली है तथा सात सीट पर आगे है। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस महज 13 सीट पर आगे है। गुंटूर लोकसभा सीट से तेदेपा प्रत्याशी पी चंद्रशेखर ने संवाददाताओं से कहा कि इतिहास फिर से लिखा गया है। राजग सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे के तहत तेदेपा ने 144 विधानसभा सीट पर, जबकि भाजपा ने 10 सीट, जनसेना ने 21 सीट पर चुनाव लड़ा। आंध्र प्रदेश में विधानसभा की 175 सीट है।

तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को जीत की बधाई देते भाजपा नेता सिद्धार्थ सिंह।

ओडिशा में भाजपा आगे, खतरे में पटनायक की सत्ता

भुवनेश्वर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ओडिशा में अब तक आठ विधानसभा सीट पर जीत हासिल की है और 73 अन्य क्षेत्रों में उसके उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार राज्य की कुल 147 विधानसभा सीट में से बीजू जनता दल (बीजद) एक सीट जीत चुकी है जबकि 47 पर आगे है। कांग्रेस ने एक सीट पर जीत हासिल की है और 13 पर आगे है। चिल्का विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार पृथ्वीराज हेरचंद्रन ने बीजद उम्मीदवार रघुनाथ साहू को 4,566 मतों से हरा दिया है, जबकि बरगढ़ सीट पर भाजपा उम्मीदवार अश्विनी कुमार सारंगी ने बीजद नेता के देवेश आचार्य को 4,772 मतों से शिकस्त दी। झारसुगुड़ा में भाजपा के टंकधर त्रिपाठी ने बीजद की दिपाली दास को 1,333 मतों के अंतर से हरा दिया। राउरकेला सीट पर बीजद के शारदा प्रसाद नायक ने भाजपा के दिलीप कुमार रे को 3,552 मतों के अंतर से हराया। मुख्यमंत्री और बीजद प्रमुख नवीन पटनायक बालांगीर जिले की कांताबंजी सीट पर भाजपा के लक्ष्मण बाग से 3,283 मतों से पीछे हैं। चित्रकोंडा में कांग्रेस के मंगू खिल्ला ने भाजपा के डंबरू सिसा को 9,151 मतों के अंतर से हरा दिया।

साक्षी-भोले तीसरी बार जीते कानपुर से रमेश विजयी

कानपुर सीट

कुल मिले मत 4,43,055
जीत का अंतर 20,968
रमेश अवस्थी (भाजपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 4,22,087

आलोक मिश्रा (कांग्रेस)

अकबरपुर सीट

कुल मिले मत 5,14,256
जीत का अंतर 44,490
देवेंद्र सिंह भोले (भाजपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 4,69,766

राजाराम पाल (सपा)

उन्नाव सीट

कुल मिले मत 6,13,911
जीत का अंतर 37,130
साक्षी महाराज (भाजपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 5,76,721

अन्नू टंडन (सपा)

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- वर्ष 2014 से कानपुर में भाजपा की लगातार विजय
- उन्नाव में साक्षी महाराज की जीत का अंतर घट गया

अमृत विचार: कानपुर संसदीय सीट में भारतीय जनता पार्टी ने लगातार तीसरी बार जीत का परचम लहराने में कामयाबी पाई, जबकि अकबरपुर और उन्नाव सीट पर भाजपा प्रत्याशी हैट्रिक लगाने में कामयाब रहे। हालांकि उन्नाव में भाजपा प्रत्याशी साक्षी महाराज की जीत का अंतर पिछले दो मुकाबलों से काफी कम रह गया। उधर भाजपा ने मिश्रिख सीट पर भी जीत दर्ज की है।

कानपुर संसदीय पर भाजपा के रमेश अवस्थी ने इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा को 20,968 मतों से हराया। इस सीट पर लगातार तीन चुनावों से भाजपा जीत का परचम लहरा रही है। वर्ष 2014 के चुनाव में भाजपा के मुरली मनोहर जोशी ने यह सीट भाजपा के खाते में डाली थी। हालांकि 1991, 1996 और 1998 में जगतवीर सिंह द्रोण ने हैट्रिक लगाई थी। 2019 में भाजपा के सत्यदेव पचौरी ने जीत पाई थी।

अकबरपुर संसदीय सीट पर भाजपा के देवेंद्र सिंह भोले ने 5,14,256 वोट पाकर हैट्रिक लगाई। उन्होंने सपा के राजाराम पाल को हराया। राजाराम पाल को 4,69,766 वोट मिले। जीत का अंतर 44,490 मत ही रहे। देवेंद्र सिंह भोले ने 2014 और 2019 का भी चुनाव जीता। यहां 7,523 मतदाताओं ने नोटा का इस्तेमाल किया।

उन्नाव सीट में भी भाजपा के साक्षी महाराज ने हैट्रिक लगाई। उन्होंने सपा की अन्नू टंडन को हराया। हालांकि इस बार उनकी जीत का अंतर महज 37,130 वोट ही रह गया, जबकि 2014 के चुनाव में उन्होंने 3,10,173 मत और वर्ष 2019 में 4,00,956 मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी।

भाजपा को मिश्रिख लोकसभा सीट पर भाजपा को जीत मिली। यहां से भाजपा ने 2019 में जीते अशोक रावत को मैदान में उतारा था। सपा ने संगीता राजवंशी को उम्मीदवार बनाया था। संगीता को इस सीट पर करारी हार का सामना करना पड़ा है। संगीता को इस सीट पर 4,40,157 वोट मिले जबकि अशोक रावत को 4,73,971 मत प्राप्त हुए। अशोक ने संगीता को 33,214 वोटों के अंतर से हराया। इस तरह अशोक रावत लगातार दूसरी बार सांसद बनने में कामयाब हुए। इससे पहले भी वे बसपा के टिकट पर यहां से सांसद रह चुके हैं।

सफल रहा गठबंधन, दो लड़कों की जोड़ी हिट

अजय दयाल, लखनऊ

- अखिलेश ने पूर्व में कांग्रेस रालोद और बसपा से गठबंधन कर पाई थी असफलता
- इस बार अखिलेश-राहुल की जोड़ी का उप्र में दिखा दम भाजपा के दावों को झुठलाया

अमृत विचार : पिछले चार चुनावों (विधानसभा और लोकसभा) में गठबंधन का असफल प्रयोग कर चुके समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के गठबंधन का प्रयोग इस बार सफल रहा। अखिलेश और राहुल यानी दो लड़कों की जोड़ी भी हिट हो गई जबकि सत्तासीन दल (भाजपा) ने इस जोड़ी को असफल करार देने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी थी।

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों और रुझानों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में सपा को लगभग 36 तो वहीं कांग्रेस को छह सीटें मिलीं। कांग्रेस उप्र. से 17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी जबकि सपा एक सीट टीएमसी को देकर कुल 63 सीट पर लड़ी। दरअसल, उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों पर सबकी निगाहें टिकी हुई थीं। पिछले दो आम चुनावों में मुकाबला एकतरफा रहा था। दोनों में भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की थी। 2014 में भाजपा ने 71 सीटें तो 2019 में 62 सीटों पर जीत हासिल की, लेकिन इस बार के चुनाव में भाजपा काफी पिछड़ गई और विपक्षी गठबंधन मजबूत स्थिति में आ गया। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में पहली बार जब राहुल और अखिलेश की जोड़ी सामने आई तो एक नारा खूब चला- यूपी को ये साथ पसंद है। मगर उस चुनाव में जनता ने दोनों की जोड़ी को पूरी तरह नकार दिया था। उस वक्त जब सपा और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा तो 60 सीटें भी नहीं जीत सके। उसी वक्त अखिलेश यादव और राहुल गांधी की जोड़ी को यूपी के लड़के कहा जाने लगा था।

बहरहाल, एक बार फिर पूरी ताकत से उत्तर प्रदेश में दो लड़कों की जोड़ी ने भाजपा और मोदी की गारंटी का सामना करने के लिए साथ आना तय किया और इस बार जनता के दिलो-दिमाग पर छा गए। दोनों ने मिलकर राजनीतिक गणित साधी। राहुल गांधी का जनता के सामने खटाखट वाला दांव और अखिलेश यादव की पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक की रणनीति काम कर गई। स्वार्थ का गठबंधन करने का आरोप झेलते हुए भी सपा और कांग्रेस ने सकारात्मक मुद्दों के साथ चुनाव प्रचार किया और खटाखट सीटें हासिल करने में सफल रहे।

निवेशकों के डूबे 31 लाख करोड़

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में भूचाल

सेंसेक्स 4389.73 अंक टूटा तो निफ्टी भी 1379.40 अंक उतरा

लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा नेतृत्व वाले राजग को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के रूझानों से निराश निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में आज भूचाल आ गया। सेंसेक्स एवं निफ्टी में करीब छह फीसदी की गिरावट दर्ज की गई जिससे निवेशकों के 31 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गए।

आम चुनाव के एक्जिट पोल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 सीटों के करीब बताया गया था लेकिन मतगणना में भाजपा को 244 सीटें और राजग को करीब 300 सीटें मिलने के रूझान से निवेशक हताश हो गए और जमकर बिकवाली की जिसके कारण बाजार में भूचाल आ गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 4389.73 अंक टूटकर 72079.05 अंक पर तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 1379.40 अंक उतरकर 21884.50 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली का असर छोटी और मझौली कंपनियों पर पड़ा और बीएसई का मिडकैप 8.07 प्रतिशत फिसलकर 40788.10 अंक पर और स्मॉलकैप 6.79 फीसद गिरकर 44958.48 अंक पर रहा। इस बिकवाली से बीएसई का बाजार पूंजीकरण गिरकर 39483705.27 करोड़ रुपये पर आ गया। पिछले दिवस यह 42591511.54 करोड़ रुपये पर रहा था। इस तरह से निवेशकों के आज 3107806.27 करोड़ रुपये डूब गए।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के परिणाम घोषित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को बताया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (स्नातक) के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। एनटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नतीजे घोषित कर दिए गए हैं, अभ्यर्थी वेबसाइट पर अपने परिणाम देख सकते हैं। सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों का विवरण भी शीघ्र ही उपलब्ध होगा। इस वर्ष राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के लिए रिकॉर्ड 23 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें 10 लाख से ज्यादा पुरुष, 13 लाख से अधिक महिलाएं और 24 थर्ड जेंडर श्रेणी के उम्मीदवार शामिल हैं।

उप्र. में भाजपा के मिशन 80 को लगा करारा झटका

लगातार पांचवीं बड़ी जीत से चूकी पार्टी, राम मंदिर मुद्दे का नहीं मिला फायदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : इस बार के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को करारा झटका लगा है। यह झटका करारा इसलिए कि पार्टी का न तो मिशन 80 पूरा हुआ और न ही उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक राम मंदिर निर्माण (अयोध्या) की उपलब्धि भाजपा के खाते में आई।

अगर ऐसा होता तो भाजपा राज्य में लगभग 33 सीट जीतने के बजाय कम से कम 70 सीटों के आसपास पा जाती। उत्तर प्रदेश में दो बार विधानसभा और दो बार लोकसभा चुनाव जीत चुकी भाजपा इस बार अपनी पांचवीं प्रचंड जीत से चूक गई।

मतगणना के दौरान वीरान नजर आया लखनऊ स्थित भाजपा कार्यालय।

दरअसल, पिछले दो लोकसभा चुनाव में शानदार नतीजे के बाद खासकर उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने बुलंद हौसलों के साथ थी। राम मंदिर की शुरुआत और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद तो ऐसा लग रहा था कि पार्टी राज्य में क्लीन स्वीप करेगी। लेकिन इसे अतिआत्मविश्वास कहें या जनता की नब्ज पकड़ लेने की गलतफहमी, भाजपा नाकाम साबित हुई। पार्टी को लगा कि हिंदुत्व और राम मंदिर का मुद्दा उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा है। लेकिन विपक्ष के गठजोड़ और सामाजिक समीकरण साधने की रणनीति के आगे भाजपा कमजोर साबित हुई।

गौर करने वाली बात यह है कि लोकसभा चुनाव घोषित हो जाने के बावजूद सपा और कांग्रेस में सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही थी। सत्तासीन दल के नेताओं ने इस पर तफरीह भी ली कि हम यहां प्रचार में उतर गए और विपक्ष सीट बंटवारे में ही उलझा है। इसके बाद भी जिस तरह ऐन चुनाव से पहले सपा और कांग्रेस में सीटों पर सहमति बनी और नामांकन के आखिरी दिन तक उम्मीदवारों को बदलने का सिलसिला रहा, उससे अच्छा संदेश तो नहीं गया लेकिन अब परिणाम चौंकाने वाले सामने आए हैं। इधर, भाजपा के आत्मविश्वास के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी थी तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कुशल प्रशासक वाली छवि। डबल इंजन की इस जोड़ी के बूते भाजपा पिछले चुनावों की तरह इस बार भी बड़े बहुमत को लेकर आश्वस्त थी, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और निकली।

दक्षिण भारत से भाजपा को सिर्फ एक सीट का फायदा

दक्षिण भारत से कुल 132 सांसद चुनकर आते हैं। दक्षिण भारत की ये सीटें तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार जैसे कुल आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आती हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में इन 132 सीटों में से कांग्रेस और भाजपा दोनों ने 29-29 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, इन दलों से काफी आगे क्षेत्रीय पार्टियों के 74 सांसद चुनकर लोकसभा पहुंचे थे। इस बार भाजपा को दक्षिण के इन राज्यों से अपेक्षित सफलता नहीं मिली है, जबकि पार्टी ने उत्तर भारत से होने वाले नुकसान की भरपाई दक्षिण से करने की व्यूह रचना की थी। भाजपा इस बार दक्षिण में केवल 30 सीटें जीत पा रही है।

केरल वोट शेयर

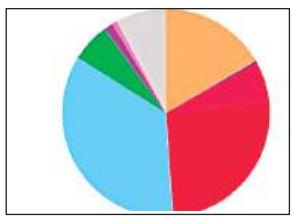

बीजेपी	16.68%
बीएसपी	00.25%
सीपीआई	06.17%
सीपीआई (एम)	25.79%
आईएनसी	35.00%
आईयूएमएल	06.10%
केईसी (एम)	01.37%
नोटा	00.79%
अन्य	07.84%

देश में तीन सबसे बड़ी जीत

इंदौर से भाजपा उम्मीदवार शंकर ललवानी ने 11.75 लाख वोटों से चुनाव जीतकर सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड बनाया है। दूसरी बड़ी जीत कांग्रेस के नाम रही। असम में कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने एआईडीयूएफ के प्रत्याशी बदरुद्दीन अजमल को 9.20 लाख वोटों के अंतर से हराया। मध्यप्रदेश में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में तीसरी बड़ी जीत हासिल की। शिवराज सिंह की जीत का अंतर 8 लाख 21 हजार वोट का रहा। साल 2019 में भाजपा के सीआर पाटिल ने साल 2019 में नवसारी (गुजरात) से सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। साल 2019 में यूपी के मछलीशहर लोकसभा सीट से सबसे कम अंतर 181 वोट से जीत-हार का फैसला हुआ था।

केरल में पहली बार खिला कमल, कर्नाटक में लगी बड़ी चपत

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। भाजपा जहां पहली बार केरल में खाता खोलने में कामयाब रही, वहीं कर्नाटक में उसे तगड़ा नुकसान उठाना पड़ा। 2019 में भाजपा ने कर्नाटक की 28 में से 25 सीटें जीत ली थीं। लेकिन इस बार भाजपा को 8 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। पार्टी को 17 लोकसभा सीटों पर जीत मिली है। कांग्रेस ने लंबी छलांग लगाते हुए पिछली बार की एक सीट से आगे बढ़ते हुए इस बार 9 सीटों पर कब्जा कर लिया। भाजपा की सहयोगी पार्टी जेडीएस को दो सीटों पर सफलता मिली है। अश्लील सीडी कांड में आरोपी एचडी रेवन्ना के बेटे प्रज्वल रेवन्ना हासन से चुनाव हार गए हैं। कर्नाटक कभी भाजपा का गढ़ था, लेकिन वहां इस बार सीटें बढ़ने के बजाय घट गई हैं। कर्नाटक में भाजपा को जेडीएस के साथ अलायंस में उम्मीद थी कि वो पूरी 28 सीटें जीत लेगी। राज्य में क्लीन स्वीप के मकसद से भाजपा ने आधे से ज्यादा प्रत्याशी बदल दिए थे। इसका कई जगह विरोध हुआ। अंदर ही अंदर इस बात को लेकर नाराजगी भी थी। नतीजों में इसका असर दिख रहा है। इसके मुकाबले कांग्रेस ने अपनी 5 गारंटी को प्रमोट किया, जो सरकार में आने के बाद उसने लागू की थीं। इसमें महिलाओं को दो हजार रुपये महीना देना और फ्री बस यात्रा शामिल है। इनके चलते राज्य में शून्य पर पहुंच चुकी कांग्रेस इस बार 7 सीटें जीत गई।

दिल्ली में जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

दो दशक में दूसरा सबसे दयनीय प्रदर्शन

- 2004 : भाजपा ने 18 सीटें जीती
- 2009 : भाजपा ने 19 सीटें जीती
- 2014 : भाजपा ने 17 सीटें जीती
- 2019 : भाजपा ने 25 सीटें जीती
- 2024 : भाजपा ने 17 सीटें जीती

त्रिशूर जीतकर भाजपा ने इतिहास रचा कांग्रेस की एक सीट घटी

अमृत विचार। केरल में भाजपा ने त्रिशूर की सीट जीतकर पहली बार कमल खिला दिया। राज्य में 20 लोकसभा सीटें हैं। 2019 के चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 19 सीटें जीती थीं। इसमें कांग्रेस को 15, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी को एक, केरल कांग्रेस (एम) को एक और आईयूएमएल ने दो सीटें मिली थीं। दूसरी तरफ वाम दलों के गठबंधन (एलडीएफ) में माकपा ही एक सीट जीत पायी थी। त्रिशूर को केरल की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है। यहां भाजपा ने दूसरी बार अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी को मैदान में उतारा था। पिछली बार 2019 में भी वह इस सीट से चुनाव लड़े थे, लेकिन तीसरे नंबर पर पिछड़ गए थे। भाजपा ने उन्हें 2021 के विधानसभा चुनाव में भी त्रिशूर से मौका दिया था, लेकिन सफल नहीं हो पाए थे। आखिरकार इस बार सुरेश गोपी ने भाकपा प्रत्याशी वीएस सुनील कुमार को 75 हजार मतों से हराकर केरल में भाजपा को पहली सफलता दिलाकर इतिहास रच दिया। राज्य में इस बार कांग्रेस 14 सीटे जीतती नजर आ रही है। उसकी सहयोगी आईयूएमएल पिछली बार की तरह दो सीटें जीत रही है।

सुरेश गोपी।

असदुद्दीन ओवैसी। अमृत विचार

तेलंगाना में भाजपा ने दोगुनी की सीटों की संख्या

- तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी ने 8 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की है, तो राज्य की सत्ता पर काबिज कांग्रेस को भी 8 सीटों पर जीत मिली है। हैदराबाद से एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी चुनाव जीतने में सफल रहे हैं। पिछले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 4 सीटों पर जीत मिली थी। इस तरह भाजपा को राज्य में 4 सीटों का फायदा मिला है।

तिरुवनंतपुरम में दूसरी बार दूसरे नंबर पर पिछड़ी भाजपा

2019 के चुनाव में भाजपा सिर्फ तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट पर दूसरे नंबर पर रही थी। इस बार पार्टी ने यहां से मोदी सरकार में आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर को उतार कर जीत की उम्मीद लगाई थी। लेकिन तिरुवनंतपुरम सीट पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने लगातार चौथी जीत दर्ज कर ली। उन्होंने राजीव चंद्रशेखर को कड़े मुकाबले में 16 हजार वोटों से हरा दिया। शशि थरूर को 3,58,155 जबकि राजीव चंद्रशेखर को 3,42,078 वोट मिले। तीसरे नंबर पर रहे सीपीआई के पन्नियन रवीन्द्रन 2,47,648 ने वोट पाए।

शशि थरूर।

ओडिशा में भाजपा को 10% का स्विंग, पटनायक नहीं रहे नायक

अमृत विचार। ओडिशा में विधानसभा की 147 और लोकसभा की 21 सीटों के चुनाव में भाजपा को बड़ा फायदा हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 10 फीसदी वोट शेयर बढ़ाकर सूबे में बीजद की नवीन पटनायक सरकार को तगड़ा झटका दिया है। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजद ने 12, भाजपा ने 8 और कांग्रेस ने एक सीट जीती थी। इस बार भाजपा ने 19 सीटें जीती हैं। उसका वोट शेयर 42 फीसदी है, जो कि 2019 में 32.49 फीसदी था। कांग्रेस और बीजद एक-एक सीट पर सिमट गए हैं। संबलपुर लोकसभा सीट पर भाजपा ने कब्जा कर लिया है। भाजपा उम्मीदवार धर्मेंद्र प्रधान 59162 वोट से जीत दर्ज की है। बीजद दूसरे नंबर पर रही। भुवनेश्वर संसदीय क्षेत्र से भी भाजपा ने जीत दर्ज की है। यहां अपराजिता सारंगी ने कड़े मुकाबले में बीजद के मन्मथ कुमार राउत्रे को शिकस्त दी। अपराजिता सारंगी को 512519 इतने वोट मिले जबकि मन्मथ को 477367 वोट मिले। कटक से भाजपा के भर्तुहरी महताब जीत गए हैं। उन्होंने बीजद के संत्रुप्त मिश्रा को हरा दिया है।

कांताबाजी सीट पर मिली हार: बीजद को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब मुख्यमंत्री नवीन पटनायक कांताबंजी सीट से चुनाव हार गए। उन्हें भाजपा के लक्ष्मण बाग ने 15 हजार मतों से पराजित कर दिया। बीजद अध्यक्ष पटनायक लगातार पांच बार से राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने साल 2000 में मुख्यमंत्री का पदभार संभाला था।

नवीन पटनायक।

- राज्य की 21 में से 19 लोकसभा सीटों पर खिलाया कमल
- विधान सभा चुनाव में पार्टी ने सरकार के लिए बहुमत पाया

विधान सभा चुनाव में भाजपा का परचम

- भाजपा ओडिशा में जीती गई और रुझान मिलाकर 85 विधानसभा सीटों पर आगे है। बीजू जनता दल (बीजद) के उम्मीदवार 47 सीटों पर आगे हैं। कांग्रेस 12 सीट पर और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) एक सीट पर आगे है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक विधानसभा सीट हिंजिली से जीत हासिल करते दिख रहे हैं। लेकिन उनके मंत्रिमंडल के कम से कम आठ मंत्री चुनाव हार गए हैं। ओडिशा विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 74 सीटों का है। 2019 के विधानसभा चुनावों में बीजद को 112 सीटें मिली थीं। जबकि भाजपा को 23 सीटें, कांग्रेस को नौ, सीपीआई एम को एक और एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। पिछली बार बीजद को करीब 45 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा को 33 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। कांग्रेस के खाते में 16 फीसदी और अन्य को 6 फीसदी से कुछ अधिक वोट मिले थे।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने एक सीट गंवाई, भूपेश भी हार गए

अमृत विचार। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने 10 तो कांग्रेस ने 1 सीट पर जीत दर्ज की है। 2019 में कांग्रेस ने 2 सीट जीती थीं, लेकिन इस बार वह बस्तर में चुनाव हार गई है। राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 44 हजार से ज्यादा वोटों से चुनाव हार गए हैं। कोरबा एक मात्र सीट कांग्रेस के हाथ में आई है। यहां से सांसद ज्योत्सना महंत ने फिर जीत दर्ज की है। उन्होंने भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय को 43 हजार से वोटों से हराया।

दिल्ली के दिल में मोदी क्लीन स्वीप की हैट्रिक

अमृत विचार। दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों पर एक बार फिर भाजपा ने भगवा लहरा दिया है। साल 2019 में भी पार्टी ने यहां सातों सीटें अपने नाम की थी। हालांकि दिल्ली में इस बार कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गठबंधन के तौर पर चुनाव मैदान में उतरी थी। लेकिन इसका फायदा उन्हें नहीं मिल पाया। भाजपा ने सभी सातों सीटों पर क्लीन स्वीप की हैट्रिक लगा दी। भाजपा ने 2014 और 2019 में भी दिल्ली की सभी सीटों पर जीत दर्ज की थी।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने 4 जबकि कांग्रेस ने 3 सीटों पर लोकसभा का चुनाव लड़ा था। भाजपा ने अकेले दम पर सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे। भाजपा के सभी प्रत्याशियों चांदनी चौक से प्रवीण खंडेलवाल, उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी, पूर्वी दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा, नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज, उत्तर पश्चिम दिल्ली से योगेंद्र चंदोलिया, पश्चिमी दिल्ली से कमलजीत सहरावत और दक्षिण दिल्ली से रामवीर सिंह बिधूड़ी ने जीत दर्ज की है। इंडिया गठबंधन के साथ बसपा के प्रत्याशी भी सभी सीटों पर हार गए। लोकसभा में मिली जीत से भाजपा दिल्ली में और मजबूत होगी। वहीं आम आदमी पार्टी की परेशानी बढ़ेगी। भ्रष्टाचार के आरोप में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित अन्य नेताओं के जेल में होने से आप के सामने पार्टी को एकजुट रखने की चुनौती होगी। मनोज तिवारी के मुकाबले कन्हैया कुमार ने हार मानते हुए कहा उत्तर पूर्वी दिल्ली की जनता ने विपक्ष की भूमिका का आदेश दिया है।

तमिलनाडु ने सीट नहीं दी, झोली में डाल दिए 11% वोट

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। तमिलनाडु में इस बार भाजपा के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। इसके चलते पार्टी ने पूरी ताकत झोंक रखी थी। पूर्व आईपीएस अफसर अन्नामलाई को चेहरा बनाकर राज्य भाजपा की कमान सौंपी थी। अन्नामलाई ने पदयात्राओं से माहौल भी बनाया। भाजपा को उम्मीद थी कि उनकी लोकप्रियता और ब्रांड मोदी से 4 से 5 सीटें आएंगीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तमिलनाडु में भाजपा को सीटों के लिहाज से बड़ी निराशा हाथ लगी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में कई रैलियां और रोड शो किए थे। इनमें भीड़ भी जुटी, लेकिन लोगों ने अपेक्षित समर्थन नहीं दिया। हालांकि इस बार के चुनाव ने तमिलनाडु में भाजपा के लिए आगे की राह खोल दी है। भाजपा का वोट शेयर 10.87 फीसदी तक पहुंच गया है। डीएमके, एआईएडीएमके और कांग्रेस के बाद भाजपा वोट शेयर के मामले में राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गयी है। उसके साथ अलायंस में लड़ रही पीएमके एक सीट जीतते हुए नजर आ रही है।

तमिलनाडु से 39 संसद सदस्य चुने जाते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में डीएमके ने 24 सीटें, कांग्रेस ने 8, विदुथलाई चिरुथिगल काची ने एक, सीपीआई (एम) ने 2, सीपीआई ने 2, आईयूएमएल ने एक और एआईएडीएमके ने एक सीटें जीती थीं। इस बार राज्य में भाजपा के जोरदार चुनाव अभियान का मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बखूबी बचाव किय। उन्होंने केंद्र सरकार पर राज्य से भेदभाव का मुद्दा गर्म रखा और कहा कि राज्य सरकार केंद्र को एक रुपये भेजती है, तो केंद्र से 28 पैसे मिलते हैं। जीएसटी का बकाया नहीं दिया जा रहा। इससे राज्य का विकास रुका हुआ है। इसके मुकाबले उत्तर प्रदेश को एक रुपये के बदले केंद्र दो रुपये देता है। उन्होंने अपनी हर रैली में मिचौंग तूफान का जिक्र किया और कहा कि केंद्र ने न कोई मदद नहीं दी है।

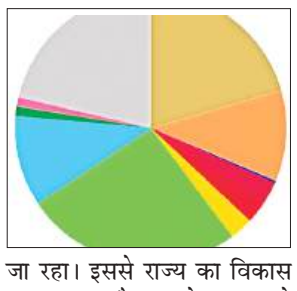

- डीएमके, एआईएडीएमके और कांग्रेस के बाद भाजपा वोट शेयर के मामले में राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी

एडीएमके	20.48%
बीजेपी	10.90%
बीएसपी	00.32%
सीपीआई	02.36%
सीपीआई (एम)	02.94%
डीएमडीके	02.77%
डीएमके	25.91%
आईएनसी	10.72%
आईयूएमएल	01.16%
नोटा	01.07%
अन्य	21.38%

आंध्र में नायडू नंबर वन, पार्टी को बनाया एनडीए में नंबर दो

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। आंध्र प्रदेश में एनडीए गठबंधन को बड़ी सफलता मिली है। राज्य में कांग्रेस का खाता नहीं खुल पाया है। राज्य की 25 लोकसभा सीटों से एनडीए गठबंधन को 21 सीटों पर जीत मिली है। इसमें भाजपा ने 3 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि टीडीपी को 16 सीटों पर सफलता मिली है। गठबंधन की सहयोगी जनसेना पार्टी को 2 सीटों पर जीत मिली है। राज्य में वाईएसआरसीपी को 4 सीटों पर जीत मिली है। भाजपा को इस बार चुनाव में 11.55 प्रतिशत वोट मिले हैं। 2019 के चुनाव में वाईएसआरसीपी ने राज्य की 25 लोकसभा सीटों में से 22 पर जीत हासिल की थी। टीडीपी केवल 3 सीटों पर सिमट गई थी। भाजपा और कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई थीं।

विधानसभा चुनाव में टीडीपी का परचम : आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजे भी घोषित किए गए हैं। राज्य में एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की वापसी तय नजर आ रही है। पार्टी ने घोषणा की है कि नायडू 9 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। पार्टी मुख्यालय में जश्न भी चल रहा है। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस केवल 24 सीटों के साथ बहुत पीछे रह गई है। वाईएसआरसीपी ने अकेले राज्य की सभी 175 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था।

टीडीपी ने 144 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी 122 सीटों पर बढ़त बनाए है। पवन कल्याण की अगुआई वाली जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने 21 सीटों पर और भाजपा ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

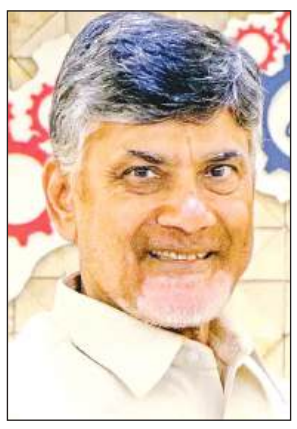
चंद्रबाबू नायडू।

मध्य प्रदेश में मोहन की बंसी पर खिला कमल

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। मध्य प्रदेश के आंकड़ों ने इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को बुरी तरह चौंकाया। यहां भाजपा और कांग्रेस में ही सीधा मुकाबला था। हालांकि कांग्रेस राज्य में चार-पांच सीटों से अधिक उम्मीद नहीं कर रही थी। लेकिन भाजपा ने क्लीन स्वीप करते हुए स्वतंत्रता के बाद पहली बार मध्य प्रदेश में सभी 29 लोकसभा सीटों पर कमल खिला दिया। माना जा रहा है कि प्रदेश में संघ ने सत्ता और संगठन के साथ मिलकर बेहतर तरीके से काम किया तो मुख्यमंत्री मोहन यादव की रणनीति भी काम कर गई। उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए 'अबकी बार छिंदवाड़ा पार' का नारा दिया था। मोहन यादव ने साफ-साफ कहा था कि छिंदवाड़ा में इस बार कमल खिलेगा। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह भी हार गए।

मध्य प्रदेश में 2014 की मोदी लहर में कांग्रेस के बड़े-बड़े गढ़ ढह गए थे। सिर्फ गुना और छिंदवाड़ा में ही कांग्रेस को जीत मिली थी। 2019 में गुना में ज्योतिरादित्य सिंधिया को हार मिली। कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा से उनके बेटे नकुल नाथ महज 25 हजार वोट से जीत सके थे। 2023 के विधानसभा चुनावों के नतीजों के आधार पर कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह कम से कम 5 सीटों पर चुनौती देने की स्थिति में है। लेकिन पार्टी कहीं भी भाजपा का रास्ता नहीं रोक पाई।

भाजपा नेता पूर्व मुख्यमंत्री विदिशा से प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान ने 8 लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल कर गुना सीट पर जबरदस्त वापसी की। सिंधिया ने गुना सीट 5 लाख 29 हजार 193 लाख के अंतर से चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के यादवेन्द्र राव देशराज सिंह को 3,78,298 लाख वोट प्राप्त हुए।

ज्योतिरादित्य सिंधिया।

शिवराज सिंह चौहान।

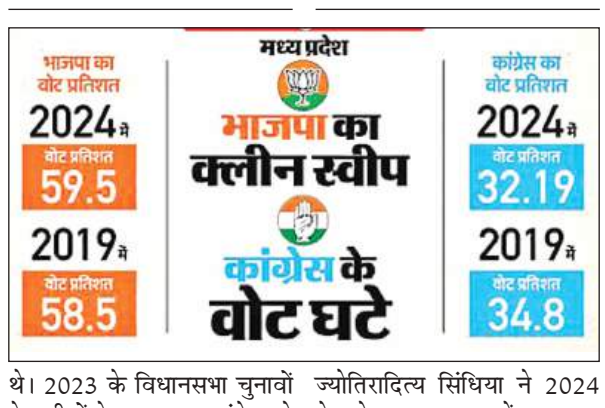

मध्यप्रदेश

29	00	00
भाजपा	कांग्रेस	अन्य

- भाजपा ने पहली बार किया क्लीन स्वीप, कमलनाथ का गढ़ छिंदवाड़ा भी ढहा

इंदौर में एक लाख वोट नोटा में पड़े

- इंदौर लोकसभा सीट से शंकर लालवानी विजयी घोषित किए गए। उन्होंने एक लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। सीट पर नोटा को एक लाख से ज्यादा वोट मिले। इंदौर से कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन के बाद भाजपा का दामन थाम लिया था।

भाजपा ने एक प्रतिशत ज्यादा मत लेकर किया कमाल

- भाजपा ने प्रदेश की 29 सीटों पर करीब 59.5 प्रतिशत वोट हासिल किए। यह 2019 के 58.5 प्रतिशत के मुकाबले सिर्फ एक प्रतिशत ज्यादा है। कांग्रेस को साल 2019 के चुनाव में मिले 34.8 प्रतिशत के मुकाबले इस बार 32.19 प्रतिशत वोट ही मिल पाए। ढाई प्रतिशत मतों की कमी से पार्टी शून्य पर आ गई।

ममता के गढ़ में भाजपा को लगा बड़ा झटका

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। भाजपा को पश्चिम बंगाल से काफी उम्मीदें थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथउत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में धुआंधार प्रचार किया था. लेकिन ममता के गढ़ में भाजपा की स्थिति सुधरने की जगह इस बार और ज्यादा खराब हो गई। जहां एक ओर 2019 में भाजपा को 18 सीटें मिली थीं तो वहीं इस बार पार्टी 12 सीट पर ही सिमट गई है। तृणमूल कांग्रेस ने 2019 में 22 सीटों पर जीत हासिल की थी। वह अब बढ़कर 29 सीटों पर पहुंच गई है। कांग्रेस अपने नेता अधीर रंजन चौधरी की सीट गंवाने के बाद एक सीट जीतने में सफल रही है। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने राज्य में बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया। 7,10,930 वोटों के अंतर से जीत हासिल की है।

गुजरात में क्लीन स्वीप से चूक गई भाजपा: भाजपा अपने गढ़ गुजरात में जीत की हैट्रिक लगाने से चूक गई। इस बार पार्टी राज्य की सभी 26 सीटों जीत नहीं पाई हैं। कांग्रेस ने भाजपा को कई सीटों पर कड़ी टक्कर देते हुए बनासकांठा की सीट छीन ली। यहां से कांग्रेस की महिला विधायक गेनीबेन ठाकोर विजयी घोषित हुईं। उन्होंने भाजपा की डा. रेखा बेन चौधरी को 30,406 मतों से पराजित किया। अपने ठेठ देसी अंदाज में ससुराल में घूंघट निकालकर वोट मांगती गेनी बेन को मतदाताओं ने वोटों के साथ ही क्राउड फंडिंग के जरिये करीब 27 लाख रुपये भी दिए थे। गांधी नगर से गृह मंत्री अमित शाह ने पिछला रिकॉर्ड तोड़ते हुए 7.44 लाख मतों के अंतर से चुनाव जीता।

ममता बनर्जी।

- पिछली बार 18 सीटें जीतने वाली भाजपा ने इस बार बंगाल में गंवा दी आधा दर्जन सीटें

लोकसभा चुनाव जनता का फैसला

सहारनपुर (1)
(+64542)
1 : इमरान मसूद (कांग्रेस) 547967 (कुल मिले मत)
2 : राघव लखनपाल (भाजपा) 483425 (कुल मिले मत)

बागपत (11)
(+159459)
1 : राजकुमार सांगवान (भाजपा+) 488967 (कुल मिले मत)
2 : अमरपाल (सपा) 329508 (कुल मिले मत)

मैनपुरी (21)
(+221639)
1 : डिंपल यादव (सपा) 598526 (कुल मिले मत)
2 : जयवीर सिंह (भाजपा) 376887 (कुल मिले मत)

हरदोई (31)
(+27856)
1 : जय प्रकाश रावत (भाजपा) 486798 (कुल मिले मत)
2 : उषा वर्मा (सपा) 458942 (कुल मिले मत)

इटावा (41)
(+58419)
1 : जितेंद्र दोहरे (सपा) 490747 (कुल मिले मत)
2 : रामशंकर कठेरिया (भाजपा) 432328 (कुल मिले मत)

फूलपुर (51)
(+4332)
1 : प्रवीण पटेल (भाजपा) 452600 (कुल मिले मत)
2 : अमरनाथ मौर्या (सपा) 448268 (कुल मिले मत)

बस्ती (61)
(+100994)
1 : रामप्रसाद चौधरी (सपा) 527005 (कुल मिले मत)
2 : हरीश द्विवेदी (भाजपा) 426011 (कुल मिले मत)

सलेमपुर (71)
(+3573)
1 : रमाशंकर राजभर (सपा) 405472 (कुल मिले मत)
2 : रवींद्र कुशवाहा (भाजपा) 401899 (कुल मिले मत)

कैराना (2)
(+69116)
1 : इकरा चौधरी (सपा) 528013 (कुल मिले मत)
2 : प्रदीप कुमार (भाजपा) 458897 (कुल मिले मत)

गाजियाबाद (12)
(+336965)
1 : अतुल गर्ग (भाजपा) 854170 (कुल मिले मत)
2 : डॉली शर्मा (कांग्रेस) 517205 (कुल मिले मत)

एटा (22)
(मतगणना जारी)
1 : देवेश शाक्य (सपा) 475808 (कुल मिले मत)
2 : राजवीर सिंह (भाजपा) 447756 (कुल मिले मत)

मिश्रिख (32)
(+33406)
1 : अशोक कुमार रावत (भाजपा) 475016 (कुल मिले मत)
2 : संगीता राजवंशी (सपा) 441610 (कुल मिले मत)

कन्नौज (42)
(+170922)
1 : अखिलेश यादव (सपा) 642292 वोट (कुल मिले मत)
2 : सुब्रत पाठक (भाजपा) 471370 (कुल मिले मत)

इलाहाबाद (52)
(+58795)
1 : उज्जवल रमण सिंह (कांग्रेस) 462145 (कुल मिले मत)
2 : नीरज त्रिपाठी (भाजपा) 403350 (कुल मिले मत)

सन्त कबीर नगर (62)
(+92170)
1 : लक्ष्मीकांत पप्पू निषाद (सपा) 498695 (कुल मिले मत)
2 : प्रवीण निषाद (भाजपा) 406525 (कुल मिले मत)

बलिया (72)
(+43384)
1 : सनातन पांडेय (सपा) 467068 (कुल मिले मत)
2 : नीरज शेखर (भाजपा) 423684 (कुल मिले मत)

मुजफ्फरनगर (3)
(+24672)
1 : हरेन्द्र मलिक (सपा) 470721 (कुल मिले मत)
2 : संजीव बलियान (भाजपा) 446049 (कुल मिले मत)

गौतम बुद्ध नगर (13)
(+559472)
1 : डॉ. महेश शर्मा (भाजपा) 857829 (कुल मिले मत)
2 : महेन्द्र सिंह नागर (सपा) 298357 (कुल मिले मत)

बदायूं (23)
(+34991)
1 : आदित्य यादव (सपा) 501855 (कुल मिले मत)
2 : दुर्विजय सिंह शाक्य (भाजपा) 466864 (कुल मिले मत)

उन्नाव (33)
(+35818)
1 : साक्षी महाराज (भाजपा) 616133 (कुल मिले मत)
2 : अनु टंडन (सपा) 580315 (कुल मिले मत)

कानपुर (43)
(+20968)
1 : रमेश अवस्थी (भाजपा) 443055 (कुल मिले मत)
2 : आलोक मिश्रा (कांग्रेस) 422087 (कुल मिले मत)

बाराबंकी (53)
(+215704)
1 : तनुज पुनिया (कांग्रेस) 719927 (कुल मिले मत)
2 : राजरानी रावत (भाजपा) 504223 (कुल मिले मत)

महाराजगंज (63)
(+35451)
1 : पंकज चौधरी (भाजपा) 591310 (कुल मिले मत)
2 : वीरेंद्र चौधरी (कांग्रेस) 555859 (कुल मिले मत)

जौनपुर (73)
(+99335)
1 : बाबू सिंह कुशवाहा (सपा) 509130 (कुल मिले मत)
2 : कृपा शंकर सिंह (भाजपा) 409795 (कुल मिले मत)

बिजनौर (4)
(+37508)
1 : चंदन चौहान (भाजपा+) 404493 (कुल मिले मत)
2 : दीपक सैनी (सपा) 366985 (कुल मिले मत)

बुलंदशहर (14)
(+275134)
1 : डॉ. भोला सिंह (भाजपा) 597310 (कुल मिले मत)
2 : शिवराम (कांग्रेस) 322176 (कुल मिले मत)

आंवला (24)
(+15969)
1 : नीरज मौर्य (सपा) 492515 (कुल मिले मत)
2 : धर्मेंद्र कश्यप (भाजपा) 476546 (कुल मिले मत)

मोहनलालगंज (34)
(+70292)
1 : आरके चौधरी (सपा) 667869 (कुल मिले मत)
2 : कौशल किशोर (भाजपा) 597577 (कुल मिले मत)

अकबरपुर (44)
(+44345)
1 : देवेंद्र सिंह भोले (भाजपा) 517423 (कुल मिले मत)
2 : राजाराम पाल (सपा) 473078 (कुल मिले मत)

फैजाबाद (54)
(+54567)
1 : अवधेश प्रसाद (सपा) 554289 (कुल मिले मत)
2 : लल्लू सिंह (भाजपा) 499722 (कुल मिले मत)

गोरखपुर (64)
(+103526)
1 : रवि किशन (भाजपा) 585834 (कुल मिले मत)
2 : काजल निषाद (सपा) 482308 (कुल मिले मत)

मछलीशहर (74)
(+35850)
1 : प्रिया सरोज (सपा) 451292 (कुल मिले मत)
2 : बीपी सरोज (भाजपा) 415442 (कुल मिले मत)

नगीना (5)
(+151473)
1 : चंद्रशेखर (आसपा) 512552 (कुल मिले मत)
2 : ओम कुमार (भाजपा) 361079 (कुल मिले मत)

अलीगढ़ (15)
(+15647)
1 : सतीश गौतम (भाजपा) 501834 (कुल मिले मत)
2 : बिजेंद्र सिंह (सपा) 486187 (कुल मिले मत)

बरेली (25)
(+34804)
1 : छत्रपाल सिंह गंगवार (भाजपा) 567127 (कुल मिले मत)
2 : प्रवीण सिंह एरन (सपा) 532323 (कुल मिले मत)

लखनऊ (35)
(+135159)
1 : राजनाथ सिंह (भाजपा) 612709 (कुल मिले मत)
2 : रविदास मेहरोत्रा (सपा) 477550 (कुल मिले मत)

जालौन (45)
(+53898)
1 : नारायण दास अहिरवार (सपा) 530180 (कुल मिले मत)
2 : भानु प्रताप वर्मा (भाजपा) 476282 (कुल मिले मत)

अम्बेडकरनगर (55)
(+137247)
1 : लालजी वर्मा (सपा) 544959 (कुल मिले मत)
2 : रितेश पांडेय (भाजपा) 407712 (कुल मिले मत)

कुशीनगर (65)
(+81790)
1 : विजय कुमार दुबे (भाजपा) 516345 (कुल मिले मत)
2 : अजय प्रताप सिंह (सपा) 434555 (कुल मिले मत)

गाजीपुर (75)
(+124861)
1 : अफजाल अंसारी (सपा) 539912 (कुल मिले मत)
2 : पारस नाथ राय (भाजपा) 415051 (कुल मिले मत)

मुरादाबाद (6)
(+105762)
1 : रुचि वीरा (सपा) 637363 (कुल मिले मत)
2 : कुंवर सर्वेश सिंह (भाजपा) 531601 (कुल मिले मत)

हाथरस (16)
(+247318)
1 : अनूप वाल्मिकी (भाजपा) 554746 (कुल मिले मत)
2 : जसवीर वाल्मिकी (सपा) 307428 (कुल मिले मत)

पीलीभीत (26)
(+164935)
1 : जितिन प्रसाद (भाजपा) 607158 (कुल मिले मत)
2 : भगवत सरन गंगवार (सपा) 442223 (कुल मिले मत)

रायबरेली (36)
(+390030)
1 : राहुल गांधी (कांग्रेस) 687649 वोट (कुल मिले मत)
2 : दिनेश प्रताप सिंह (भाजपा) 297619 (कुल मिले मत)

झांसी (46)
(+102614)
1 : अनुराग शर्मा (भाजपा) 690316 (कुल मिले मत))
2 : प्रदीप जैन 'आदित्य' (कांग्रेस) 587702 (कुल मिले मत)

बहराइच (56)
(+64227)
1 : आनंद कुमार गोंड (भाजपा) 518802 (कुल मिले मत)
2 : रमेश चंद्र (सपा) 454575 (कुल मिले मत)

देवरिया (66)
(+34842)
1 : शशांक मणि त्रिपाठी (भाजपा) 504541 (कुल मिले मत)
2 : अखिलेश प्रताप सिंह (कांग्रेस) 469699 (कुल मिले मत)

चन्दौली (76)
(+21565)
1 : बीरेंद्र सिंह (सपा) 474476 (कुल मिले मत)
2 : महेंद्र नाथ पांडेय (भाजपा) 452911 (कुल मिले मत)

रामपुर (7)
(+87434)
1 : मोहिबुल्लाह नदवी (सपा) 481503 (कुल मिले मत)
2 : घनश्याम सिंह लोधी (भाजपा) 394069 (कुल मिले मत)

मथुरा (17)
(+293407)
1 : हेमा मालिनी (भाजपा) 510064 (कुल मिले मत)
2 : मुकेश धनगर (कांग्रेस) 216657 (कुल मिले मत)

शाहजहांपुर (27)
(+55379)
1 : अरुण कुमार सागर (भाजपा) 592718 (कुल मिले मत)
2 : ज्योत्सना गोंड (सपा) 537339 (कुल मिले मत)

अमेठी (37)
(+167196)
1 : केएल शर्मा (कांग्रेस) 539228 (कुल मिले मत)
2 : स्मृति इरानी (भाजपा) 372032 (कुल मिले

हमीरपुर-महोबा (47)
(+2629)
1 : अजेन्द्र सिंह लोधी (सपा) 490683 (कुल मिले मत)
2 : पुष्पेन्द्र चंदेल (भाजपा) 488054 (कुल मिले मत)

कैसरगंज (57)
(+148843)
1 : करण भूषण सिंह (भाजपा) 571263 (कुल मिले मत)
2 : भगत राम (सपा) 422420 (कुल मिले मत)

बांसगांव (67)
(+3150)
1 : कमलेश पासवान (भाजपा) 428693 (कुल मिले मत)
2 : सदल प्रसाद (कांग्रेस) 425543 (कुल मिले मत)

वाराणसी (77)
(+152513)
1 : नरेन्द्र मोदी (भाजपा) 612970 (कुल मिले मत)
2 : अजय राय (कांग्रेस) 460457 (कुल मिले मत)

सम्भल (8)
(+121494)
1 : जियाउरहमान (सपा) 571161 (कुल मिले मत)
2 : परमेश्वर लाल सैनी (भाजपा) 449667 (कुल मिले मत)

आगरा (18)
(+271294)
1 : एसपी सिंह बघेल (भाजपा) 599397 (कुल मिले मत)
2 : सुरेश चंद कर्दम (सपा) 328103 (कुल मिले मत)

खीरी (28)
(+34329)
1 : उत्कर्ष वर्मा 'मधुर' (सपा) 557365 (कुल मिले मत)
2 : अजय मिश्र (टेनी) (भाजपा) 523036 (कुल मिले मत)

सुल्तानपुर (38)
(+43174)
1 : राम भुआल निषाद (सपा) 444330 (कुल मिले मत)
2 : मेनका गांधी (भाजपा) 401156 (कुल मिले मत)

बांदा (48)
(+71210)
1 : कृष्णा देवी पटेल (सपा) 406567 (कुल मिले मत)
2 : आरके सिंह पटेल (भाजपा) 335357 (कुल मिले मत)

श्रावस्ती (58)
(+76673)
1 : राम शिरोमणि वर्मा (सपा) 511055 (कुल मिले मत)
2 : साकेत मिश्रा (भाजपा) 434382 (कुल मिले मत)

लालगंज (68)
(+115023)
1 : दरोगा प्रसाद सरोज (सपा) 439959 (कुल मिले मत)
2 : नीलम सोनकर (भाजपा) 324936 (कुल मिले मत)

भदोही (78)
(+44072)
1 : डॉ. विनोद कुमार बिंद (भाजपा) 459982 (कुल मिले मत)
2 : ललितेश पति त्रिपाठी (टीएमसी) 415910 (कुल मिले मत)

अमरोहा (9)
(+28670)
1 : कंवर सिंह तंवर (भाजपा) 476506 (कुल मिले मत)
2 : दानिश अली (कांग्रेस) 447836 (कुल मिले मत)

फतेहपुर सीकरी (19)
(+43405)
1 : राजकुमार चाहर (भाजपा) 445657 (कुल मिले मत)
2 : राम नाथ सिकरवार (कांग्रेस) 402252 (कुल मिले मत)

धौरहरा (29)
(+4449)
1 : आनंद भदौरिया (सपा) 443743 (कुल मिले मत)
2 : रेखा वर्मा (भाजपा) 439294 (कुल मिले मत)

प्रतापगढ़ (39)
(+66206)
1 : एसपी सिंह पटेल (सपा) 441932 (कुल मिले मत)
2 : संगम लाल गुप्ता (भाजपा) 375726 (कुल मिले मत)

फतेहपुर (49)
(+33199)
1 : नरेश उत्तम पटेल (सपा) 500328 (कुल मिले मत)
2 : निरंजन ज्योति (भाजपा) 467129 (कुल मिले मत)

गोंडा (59)
(+46224)
1 : कीर्तिवर्धन सिंह (भाजपा) 474258 (कुल मिले मत)
2 : श्रेया वर्मा (सपा) 428034 (कुल मिले मत)

आज़मगढ़ (69)
(+161035)
1 : धर्मेंद्र यादव (सपा) 508239 वोट (कुल मिले मत)
1 : दिनेश यादव निरहुआ (भाजपा) 347204 (कुल मिले मत)

मिर्जापुर (79)
(+37810)
1 : अनुप्रिया पटेल (भाजपा+) 471631 (कुल मिले मत)
2 : रमेश चंद बिंद (सपा) 433821 (कुल मिले मत)

मेरठ (10)
(+10585)
1 : अरुण गोविल (भाजपा) 546469 (कुल मिले मत)
2 : सुनीता वर्मा (सपा) 535884 (कुल मिले मत)

फिरोज़ाबाद (20)
(+89312)
1 : अक्षय यादव (सपा) 543037 (कुल मिले मत)
2 : विश्वदीप सिंह (भाजपा) 453725 (कुल मिले मत)

सीतापुर (30)
(+89641)
1 : राकेश राठौर (कांग्रेस) 531138 (कुल मिले मत)
2 : राजेश वर्मा (भाजपा) 441497 (कुल मिले मत)

फर्रुखाबाद (40)
(+2678)
1 : मुकेश राजपूत (भाजपा) 487963 (कुल मिले मत)
2 : डॉ नवल किशोर शाक्य (सपा) 485285 (कुल मिले मत)

कौशाम्बी (50)
(+103944)
1 : पुष्पराज सरोज (सपा) 509787 (कुल मिले मत)
2 : विनोद सोनकर (भाजपा) 405843 (कुल मिले मत)

डुमरियागंज (60)
(+42728)
1 : जगदंबिका पाल (भाजपा) 463303 (कुल मिले मत)
2 : भीष्मा शंकर तिवारी (सपा) 420575 (कुल मिले मत)

घोसी (70)
(+162943)
1 : राजीव राय (सपा) 503131 (कुल मिले मत)
2 : अरविंद राजभर (सुभासपा) 340188 (कुल मिले मत)

राबर्ट्सगंज (80)
(+129234)
1 : छोटेलाल खरवार (सपा) 465848 (कुल मिले मत)
2 : रिंकी कोल (भाजपा+) 336614 (कुल मिले मत)

सिर्फ 20 हजार वोटों से रमेश अवस्थी को मिल सकी जीत

443055 वोट भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी को मिले

422087 वोट आए गठबंधन प्रत्याशी आलोक मिश्रा के खाते में

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। संसदीय क्षेत्र कानपुर पर भाजपा ने कड़े मुकाबले के बाद मामूली अंतर से जीत हासिल की। भाजपा उम्मीदवार रमेश अवस्थी ने कांग्रेस- सपा गठबंधन उम्मीदवार आलोक मिश्रा को 20968 मतों से हराया। परिणाम की घोषणा होते ही इंडिया गठबंधन के खेमे में उदासी छा गई।

नौबस्ता नवीन गल्लामंडी में सुबह आठ बजे मतगणना शुरू हुई। इस दौरान कई बार रमेश तो कुछ राउंड में आलोक मिश्रा आगे रहे। 26 राउंड में मतगणना पूरी हुई तो रमेश अवस्थी को 443055 मत मिले, जबकि आलोक मिश्रा के खाते में 422087 वोट आए। ऐसा कई बार हुआ जब कांग्रेस के कार्यकर्ता बढ़त बनाने पर आलोक मिश्रा के जीतने की उम्मीद में जश्न मनाते दिखे, लेकिन जब रमेश आगे हुए तो भाजपा के खेमे में खुशी की लहर दौड़ी। अंतिम चरण की मतगणना में स्थितियां स्पष्ट हुईं और रमेश अवस्थी ने 20 हजार 968 वोटों से जीत दर्ज की। इस बार कानपुर में 883279 मतदाताओं ने मताधिकारी का प्रयोग किया था। जिसमें 4117 लोगों ने नोटा का इस्तेमाल किया है। वहीं 552 डाक मतपत्र अवैध पाए गए।

पोस्टल बैलेट में आलोक रहे आगे

कानपुर। सीमा पर तैनात फौजियों के इलेक्ट्रानिक ट्रांसमिशन पोस्टल बैलेट सर्विस (ईटीपीबीसी) व पोस्टल बैलेट में आलोक मिश्रा आगे रहे। मंगलवार को नवीन गल्ला मंडी में हुई मतगणना से पहले इन वोटों की गणना की गई। जिसमें ईटीबीपीएस में कांग्रेस के आलोक मिश्रा को 234 मत व भाजपा के रमेश अवस्थी को 306 मत मिले। बसपा के कुलदीप भदोरिया के खाले में 16 वोट आए। इसी तरह पोस्टल बैलेट में आलोक को 2484 व रमेश अवस्थी को 2140 और बसपा के कुलदीप भदोरिया को 173 मत मिले। इस तरह ईटीपीबीसी और पोस्टल बैलेट में आलोक आगे रहे।

जीत के बाद समर्थकों सहित खुशी मनाते रमेश अवस्थी। अमृत विचार

> जनता ने भरपूर प्यार दिया। समझ ही नहीं पा रहा हूं कि कहां चूक हो गई। जनता के बीच रहूंगा। उनके हर दुख दर्द का साथी बनकर काम करूंगा। कहां कमी रह गई इसकी समीक्षा करूंगा।
> – आलोक मिश्रा, कांग्रेस प्रत्याशी, कानपुर नगर

रमेश अवस्थी को प्रमाण पत्र सौंपते डीएम राकेश कुमार सिंह। अमृत विचार

कानपुर सीट पर किसको कितने वोट मिले

पार्टी	उम्मीदवार	मिले वोट
भाजपा	रमेश अवस्थी	443055
कांग्रेस	आलोक मिश्रा	422087
बसपा	कुलदीप भदौरिया	12032
सभी जन पार्टी	अशोक पासवान	1974
प्रसश्त धीर	ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लाक	465
वालेंद्र कटियार	सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया	270
संजय सिंह	प्राउटिस्ट ब्लाक	350
अजय कुमार मिश्रा	निर्दलीय	672
अरविंद कुमार श्रीवास्तव	निर्दलीय	398
आलोक मिश्रा	निर्दलीय	1198
मनोज कुमार	निर्दलीय	778

कानपुर सीट पर कब कौन बना सांसद

वर्ष	नाम	दल
1952	हरिहर नाथ शास्त्री	कांग्रेस
1952	शिव नारायण टंडन	कांग्रेस
1952	राजाराम शास्त्री	प्रजा सोशलिस्ट पार्टी
1957, 62, 67 व 71	एसएम बनर्जी	निर्दलीय
1977	मनोहर लाल	जनता पार्टी
1980	आरिफ मोहम्मद खान	कांग्रेस
1984	नरेश चंद्र चतुर्वेदी	कांग्रेस
1989	सुभाषिनी अली	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
1991, 1996 , 1998	जगतवीर सिंह द्रोण	भाजपा
1999, 2004 ,2009	श्रीप्रकाश जायसवाल	कांग्रेस
2014	मुरली मनोहर जोशी	भाजपा
2019	सत्यदेव पचौरी	भाजपा

अपनी-अपनी बात

गर्मी और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की वजह से हमें कुछ सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। संविधान और आरक्षण के मुद्दे को उठाकर जनता को विपक्ष ने भ्रमित कर दिया। हमारी सीटें जरूर कम हुई हैं लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में हम तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र की कानपुर और अकबरपुर सीट पर भी हमने फिर से जीत हासिल की है। **– प्रकाश पाल, अध्यक्ष, कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र**

कानपुर लोकसभा एवं अकबरपुर लोकसभा सीट पर विजय हासिल की है। हम तीसरी बार देश में सरकार बनाने जा रहे हैं। जिसका श्रेय कार्यकर्ताओं को जाता है। पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता जिसने इतनी कड़ी धूप में भी पूरी मेहनत एवं लगन के साथ लगकर पार्टी को जीत दिलाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। **दीपू पांडे, उत्तर जिलाध्यक्ष, भाजपा**

देश में एनडीए की एक बार फिर से सरकार बनने जा रही है। हमने कानपुर नगर और अकबरपुर दोनों सीटों पर विजय हासिल की है। यह जीत दर्शाती है कि हमारे कार्यकर्ताओं ने मेहनत की है। इसके साथ ही मैं दोनों लोकसभा सीटों के मतदाताओं का भी हृदय से धन्यवाद देता हूं। **– शिवराम सिंह, दक्षिण जिलाध्यक्ष, भाजपा**

इंडिया गठबंधन की प्रदेश में ऐतिहासिक जीत हुई है। सपा अध्यक्ष को बधाई संदेश भेजकर पीडीए मिशन की व्यापक सफलता और युवाओं के आकांक्षा को पूरा करेंगे। युवाओं की भूमिका चुनाव में रही है, राष्ट्रीय अध्यक्ष की नीतियों की व्यापक सफलता के साथ एक नया संदेश दे रही है। **– हाजी फजल महमूद, सपा जिलाध्यक्ष**

लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद सपा देश में दूसरी बड़ी पार्टी के रुप में उभरी है। कानपुर सीट को जिताने के लिए समाजवादियों ने कड़ी मेहनत की है। प्रबंधन कहां कमजोर रहा है, इसकी समीक्षा की जाएगी। **–अमिताभ बाजपेई, सपा विधायक**

प्रदेश की जनता ने महंगाई, रोजगार, संविधान के नाम पर वोट दिया है। जिसकी वजह से सपा ने प्रदेश की कई संसदीय सीटों पर अपना परचम फहराया है। कानपुर नगर लोकसभा चुनाव में कैंट, आर्यनगर व सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र से मतदाताओं का पूरा सहयोग मिला है। **– मो. हसन रूमी, सपा विधायक**

गठबंधन प्रत्याशी को पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता ने पूरी मेहनत से लड़ाया है। जिसका परिणाम यह रहा कि जीत हार का अंतर बहुत ही नाम मात्र का रहा है। सपा कांग्रेस के गठबंधन से प्रदेश का परिणाम उम्मीद से ज्यादा मिला है। कानपुर सीट हारने के लिए बैठक कर समीक्षा की जाएगी, कि कहां चूक रह गई। **– नौशाद आलम मंसूरी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष**

मुस्लिमों की एकजुटता व ब्राह्मण वोटों के बंटवारे ने घटाया जीत का अंतर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर नगर लोकसभा सीट पर भले ही भाजपा प्रत्याशी ने जीत हासिल की, लेकिन यह जीत नाको चने चबाकर मिली। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी आलोक मिश्रा के समर्थन में मुस्लिम मतदाताओं की एकजुटता और ब्राह्मण वोटों के जमकर बंटवारे से रमेश अवस्थी को आलोक मिश्रा ने कांटे की टक्कर दी। भाजपा संगठन की सुस्त चाल और अवस्थी के बाहरी होने का ठप्पा भी उनके खिलाफ गया। भाजपा के कुछ अपनों ने भी उनकी टांग खींचने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन अंत में किदवई नगर और गोविंद नगर विधानसभा से मिले वोटों ने रमेश अवस्थी को संजीवनी दी।

भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी ने 20968 वोटों से जीत दर्ज की। जीत का यह अंतर 2019 की अपेक्षा 1,34,966 वोट कम है। जो साफ दर्शाता है कि भाजपा की तैयारियां पिछले लोकसभा चुनाव जैसी नहीं थीं। पिछली बार की अपेक्षा कुल मतदाताओं में 5.70 फीसदी वोट भाजपा को कम मिले हैं। इसकी वजह साफ है कि भाजपा का संगठन रमेश अवस्थी को पूरे मन से नहीं लड़ा पाया। जिसका फायदा आलोक मिश्रा को मिला।

रमेश अवस्थी की टिकट अंतिम समय में केंद्रीय नेतृत्व ने फाइनल की, इसके बाद से उनके ऊपर बाहरी होने का ठप्पा लगने लगा। कर्रा राजनीतिक करियर न होने के बावजूद कानपुर जैसी सीट से टिकट मिलने पर खूब सवाल उठे। ज्यादातर दिल्ली में रहने वाले रमेश अवस्थी टिकट होने के बाद जब पहली बार शहर आए तो उनके स्वागत समारोह में महापौर प्रमिला पांडेय, विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना समेत कई बड़े नेता नहीं पहुंचे। सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेन से उतरते वक्त उनको न पहचानने का हल्ला भी मचा। भाजपाइयों ने पहले तो किसी और को माला तक पहना दी। कई पार्षदों ने भी बाहरी प्रत्याशी के चुनाव पर सवाल उठाए। जब इसकी सुगबुगाहट भाजपा आलाकमान तक पहुंची तो गृहमंत्री अमित शाह ने शहर आकर संगठन से जुड़े पदाधिकारियों व नेताओं के पेच कसे।

- **महज 20968 वोटों से जीते भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी, आखिरी तक चली लड़ाई**
- **संगठन की सुस्त चाल और बाहरी का ठप्पा मिटाने में आ गये पसीने**
- **भाजपा के कुछ अपनों ने भी उनकी टांग खींचने में कोई कसर नहीं छोड़ी**

हम दोनों बने सांसद : बड़े भाई – छोटे भाई की तरह मिले अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र से तीसरी बार निर्वाचित सांसद देवेन्द्र सिंह भोले और कानपुर नगर लोक सभा क्षेत्र से प्रथम बार निर्वाचित सांसद रमेश अवस्थी। एक दूसरे से खिलखिलाकर दिल से गले मिले तो बड़े ने आशीर्वाद दिया और छोटे ने बधाई दी। फिर बोले हम बन गए सांसद।
फोटो – मनोज तिवारी

अजय कपूर भी नहीं बढ़ा सके वोट

चुनाव के समय पूर्व कांग्रेस विधायक अजय कपूर भाजपा में शामिल हुये थे। इसके बाद बड़े पैमाने पर अजय के साथ कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हुये। माना जा रहा था कि इससे रमेश अवस्थी को बड़ी जीत का स्वाद चखने को मिलेगा। लेकिन, जब परिणाम आये तो ऐसा देखने को नहीं मिला। लीड बहुत कम रह गई।

आतिशबाजी कर खुशी मनाते भाजपाई। अमृत विचार

अपना दल कार्यकर्ताओं ने भी लड्डू बांटे। अमृत विचार

भाजपा उत्तर जिला के पदाधिकारी ढोल बजाकर जश्न मनाया। अमृत विचार

पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार लगातार दौरे पर रहे। अमृत विचार

पहले राउंड से ही बढ़त बनाए रहे रमेश अवस्थी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **बीच-बीच में आलोक भी आगे हुए पर जीत न सके**

अमृत विचार। संसदीय सीट कानपुर के भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी और कांग्रेस के आलोक मिश्रा में दिनभर कांटे की टक्कर रही। रमेश ने पहले राउंड की मतगणना से ही बढ़त बना ली थी, लेकिन 10वें राउंड के बाद अचानक आलोक आगे आ गए। 15वें राउंड के बाद भाजपाइयों के चेहरे खिल गए और कांग्रेसी एक-एक करके मतगणना स्थल से लौटने लगे।

कानपुर के पांचों विधानसभा की चक्रवार मतगणना 26 राउंड चली। पहले राउंड से ही भाजपा के रमेश अवस्थी 19909 वोट पाकर आगे रहे। कांग्रेस के आलोक मिश्र के खाते में 15443 वोट आए। सातवें राउंड में रमेश को 131444 व आलोक को 124853 मत मिले। इसके बाद ही दोनों उम्मीदवारों के वोटों के बीच का अंतर 500, कभी 700 और 200 तक पहुंच गया।

दसवें राउंड में भाजपा उम्मीदवार को 189556 व कांग्रेस को 181974 मत मिले, जिसमें 7582 वोटों के अंतर से भाजपा ने तेजी पकड़ ली। इसके बाद लगातार भाजपा उम्मीदवार रमेश अवस्थी बढ़ते ही चले गए। 15वें राउंड में भाजपा 279683 व कांग्रेस 277547 मतों पर पहुंची तो कांग्रेसियों में निराशा आने लगी। 20 वें राउंड में रमेश को 381388 व आलोक को 362186 मत मिलने की जानकारी होने पर कांग्रेसियों को यह अहसास हो गया कि अब उम्मीद नहीं बची है। 20वें राउंड की मतगणना के बाद कांग्रेसी एक-एक करके मतगणना स्थल से जाने लगे। 26वें राउंड का परिणाम आते ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो गई। रमेश अवस्थी जिंदाबाद और जय श्रीराम, भारत माता की जय के नारे लगने शुरू हो गए।

गल्ला मंडी में मतगणना में जुटे कर्मचारी। अमृत विचार

ईवीएम से एक-एक वोट मिलाया गया। अमृत विचार

लेखा-जोखा किदवई नगर विस क्षेत्र में 62 हजार और गोविंद नगर में 41 हजार मतों की लीड

भाजपा को दक्षिण के गढ़ ने बचा लिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **कैंट, सीसामऊ और आर्य नगर में 82 हजार मतों से आगे रहकर भी आलोक हारे**

अमृत विचार। कानपुर लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन से कांग्रेस के प्रत्याशी आलोक मिश्रा को लेकर जिस बात की आशंका जताई जा रही थी, उसका तोड़ वह नहीं खोज पाए। भाजपा के नए प्रत्याशी रमेश अवस्थी ने किदवई नगर और गोविंद नगर विधान सभा क्षेत्र का मजबूत गढ़ सहेज कर आलोक मिश्रा को मात दे दी। कांग्रेस से जब पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने 1999, 2004 और 2009 के चुनाव में जीत हासिल की थी, तब किदवई नगर और गोविंद नगर में भाजपा को लंबी बढ़त लेने से रोकने में सफलता पाई थी। इस बार कांग्रेस से ब्राह्मण आलोक मिश्रा के होने से पार्टी को उम्मीद थी कि ब्राह्मण बाहुल्य किदवई नगर सीट पर वह भाजपा को टक्कर दे पाएगी, लेकिन यह रणनीति भाजपा के सांगठनिक ढांचे के आगे परवान नहीं चढ़ पाई।

कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा ने सीसामऊ विधान सभा क्षेत्र में भाजपा पर 27 हजार वोटों से बढ़त बनाई। आर्यनगर में भी पार्टी ने भाजपा को 11 हजार मतों से मात दी। कांग्रेस को सबसे बड़ी कामयाबी कैंट विधानसभा क्षेत्र में मिली, जहां उसने भाजपा पर करीब 44 हजार मतों की लीड हासिल की। इन तीनों विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। माना जा रहा है कि सपा का आधार होने से इन तीनों विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की जीत को आधार मिला। लेकिन कांग्रेस किदवई नगर और गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की चुनौती से पार नहीं पा सकी। गोविंद नगर से विधायक सुरेंद्र मैथानी और किदवई नगर के विधायक महेश त्रिवेदी ने अपने-अपने विधान सभा क्षेत्र में भाजपा का भगवा मजबूती से फहराए रखा। गोविंद नगर में भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी को 41 हजार मत तो किदवई नगर विधान सभा क्षेत्र में 62 हजार मतों की निर्णायक बढ़त मिली। इससे साफ है कि कांग्रेस को गोविंद नगर में भाजपा की बढ़त से पार पाने लायक मत तो मिले, लेकिन किदवई नगर ने जीत का मौका हाथ से छीन लिया। हालांकि किदवई नगर में भाजपा को मिली बड़ी कामयाबी के पीछे कांग्रेस के पूर्व विधायक और शहर के कद्दावर नेता अजय कपूर का चुनाव से पहले भाजपा का दामन थामना भी माना जा रहा है। उनके समर्थकों का कहना है कि पार्टी ने अजय कपूर को किदवई नगर में जीत का अंतर बढ़ाने का दायित्व सौंपा था, जो उन्होंने कर दिखाया।

कहां किसको मिले कितने वोट

विधानसभा	कांग्रेस	बसपा	भाजपा
गोविंदनगर	71560	4470	112400
सीसामऊ	87323	1557	60848
आर्यनगर	78878	887	67539
किदवईनगर	66680	3096	128302
कैंट	115028	1833	71520

स्ट्रांगरूम की सील खुलवाते अधिकारी। अमृत विचार

मतगणना कर्मचारियों की तलाशी लेकर जाने दिया गया। अमृत विचार

एलिवेटेड ट्रैक, पावर प्लांट और समानांतर हाइवे देंगे: भोले

- अकबरपुर से विजयी भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह भोले ने गिनाईं प्राथमिकताएं
- लगाई जीत की हैट्रिक, कहा जनता के मुद्दों को पूरा कराना रहेगा लक्ष्य

साक्षात्कार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक लगाने वाले अकबरपुर संसदीय सीट से भाजपा के प्रत्याशी देवेंद्र सिंह भोले ने अमृत विचार से कहा कि नेयवेली पावर प्लांट को शुरू कराना बड़ा काम है। इस बार अनवरगंज से मंधना तक के एलिवेटेड रेल ट्रैक का भी शिलान्यास हो जाएगा। 2025 में पावर प्लांट को चालू कर दिया जाएगा, जिसके बाद भरपूर बिजली मिलेगी। इसके साथ ही शहर से फ्लाइट बढ़ें इसपर काम करेंगे। नौबस्ता-हमीरपुर समानांतर हाइवे को मंजूर कराया जायेगा।

जीत के बाद किन कार्यों को पूरा कराने का लक्ष्य है?

- घाटमपुर में नेयवेली पावर प्लांट का शिलान्यास हुआ था लेकिन उसके बाद कोई काम नहीं हुआ। प्रधानमंत्री से बात करने के बाद 18 हजार करोड़ रुपये जारी करा दिए। जिसपर काम शुरू हुआ। अब इस काम को जल्द पूरा कराना है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्या काम हुआ है और आगे क्या योजना है।

- सुरार में अभी चार माह पहले स्पीच एंड हियरिंग संस्थान की मेडिकल कालेज में शुरुआत हुई है। यह देश में अपनी तरह का दूसरा ही संस्थान है। ग्रामीणों को नई चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

आपके संसदीय क्षेत्र में यातायात की बड़ी समस्या है। इसे कैसे हल करेंगे?

- रिंग रोड सचेंडी, मंधना, उन्नाव, रूमा होते हुए गुजर रही है। इसका 80 प्रतिशत हिस्सा मेरे संसदीय क्षेत्र से ही होकर गुजरता है। अगले वर्ष के अंत तक यह बनकर तैयार हो जाएगा। इससे शहरी आबादी को भारी यातायात और जाम से छुटकारा मिलेगा। नौबस्ता-हमीरपुर समानांतर हाइवे मंजूर कराएंगे।

देवेंद्र सिंह भोले। अमृत विचार

एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का काम कैसै पूरा होगा?

- अनवरगंज से मंधना एलिवेटेड रेल ट्रैक का सारा काम हो चुका है। जरीब चौकी को लेकर कुछ दिक्कतें थीं, वह भी दूर कर ली गई हैं। इसका शिलान्यास इसी वर्ष हो जाएगा।

औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिये क्या करने वाले हैं।

- मेगा लेदर क्लस्टर की बाधाएं दूर कराएंगे। औद्योगिक विकास के लिये नई योजनाओं पर भी काम करेंगे।

1991 में पहली बार बने विधायक बने भोले

- देवेंद्र सिंह भोले 1991 में पहली बार डेरापुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने थे। 1996 में वह दोबारा जीते और स्वास्थ्य राज्यमंत्री बने। इसके बाद 2014 में उन्हें अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा ने टिकट दिया। जीत कर वह संसद पहुंचे। 2019 में वह दोबारा जीते और अब 2024 में जीत की हैट्रिक लगाई।

विकसित कानपुर का सपना करना है पूरा: रमेश अवस्थी

- ग्रीनपार्क में फिर से अंतर्राष्ट्रीय मैच शुरू कराने का किया वादा
- रोजगार, चिकित्सा, शिक्षा के क्षेत्र में काम को बताया प्राथमिकता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर नगर से भाजपा के प्रत्याशी रमेश अवस्थी ने जीत के बाद अमृत विचार से कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत बनाने की ओर अग्रसर हैं, उसी तरह हमें विकसित कानपुर का सपना पूरा करना है।

शहर में जो अधूरी योजनाएं हैं उन्हें पूरा कराना है। स्मार्ट सिटी के तहत किये जा रहे कार्यों की मॉनीटरिंग और उसका सही संचालन हो, इसको भी देखेंगे। आम जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके इसके लिये जवाबदेही तय की जायेगी। उन्होंने कहा कि शहर का विकास ही मेरी प्राथमिकता है।

आपकी प्राथमिकता में शहर के कौन से मुख्य कार्य होंगे?

- शिक्षा, पर्यटन, चिकित्सा के क्षेत्र में काम करना जरूरी है। स्कूल, कॉलेज में छात्राओं को बेहतर पढ़ाई मिले। इसपर और भी ध्यान रखा जायेगा। विकास करना मेरी प्राथमिकता होगी।

आपके अनुसार शहर में किस चीज में सुधार की आवश्यकता है?

- मेरे अनुसार शहर की यातायात व्यवस्था को और सुधारना है। सांसद सत्यदेव पचौरी के परिश्रम से प्रस्तावित एलिवेटेड रोड और रेलवे ट्रैक प्रोजेक्ट को पूरा कराना है।

ग्रीनपार्क मैदान में मैच मिलना बंद हो गये हैं।

- कानपुर के युवाओं की मांग रहती है कि ग्रीन पार्क को भी मैच मिलें। मेरा प्रयास रहेगा कि अगर लखनऊ को 10 मैच मिलें तो ग्रीनपार्क में भी 5 मैच होने चाहिये।

रमेश अवस्थी। अमृत विचार

आप पत्रकारिता क्षेत्र से हैं, कानपुर में पत्रकारों के लिए क्या करेंगे?

- मेरी राजनीतिक यात्रा में कानपुर और प्रदेश के पत्रकारों ने अपना विशेष योगदान दिया है। मैंने कोई भी आयोजन किया हो उसमें हमेशा सहयोग किया है। मैं हर परिस्थिति में पत्रकारों के साथ खड़ा रहूंगा।

जनता अपनी बात को आप तक कैसे पहुंचा सकेगी?

- जनता के लिये मेरा कार्यालय और मेरा घर हमेशा खुला रहेगा। कोई भी अपनी समस्या और शिकायत को नोट करा सकेगा। एक-एक समस्या का समाधान कराना मेरी जिम्मेदारी होगी। इसी के लिये जनता ने मुझे चुना है।

कानपुर के उद्योग मर रहे हैं, औद्योगिर स्वरूप मिट रहा है?

- कानपुर का उद्योग जगत में बहुत नाम रहा है। यहां के उद्योगों की कमजोर हालत संज्ञान में है। इसके लिए केंद्र सरकार से गंभीर चितंन किया जाएगा। उद्यमियों से भी विचार विमर्श किया जाएगा और कोई ठोस योजना लाएंगे। यहां का औद्योगिक स्वरूप खत्म नहीं होने देंगे। उद्यमियों की समस्याओं का भी प्रथामिकता से समाधान होगा।

मुस्लिम दानिशवरों से बातचीत

खत्म होनी चाहिए फिरकापरस्ती, बढ़े भाईचारा

कानपुर। लोकसभा चुनाव में इस बार मुसलमानों ने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार को वोट दिया ताकि ऐसी सरकार बने जो भाई चारा बढ़ाए और फिरकापरस्ती को खत्म करे। ये बातें अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने चुनाव परिणाम आने के बाद कहीं।

अपने मुल्क की खूबसूरती है कि यहां तमाम प्रकार के फूल एक ही गुलदस्ते में लगे हुए हैं। इस बाग को उजड़ने नहीं दिया जाएगा।

हाफिज मामूर अहमद जामई, शहरकाजी

मुसलमानों ने इस बार देश को बचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी और खामोशी से सेकुलर एक ही नेता के पक्ष में मतदान किया।

मजहर नकवी, मुस्लिम स्कालर, शिक्षाविद्

हिंदू मुस्लिम एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, महंगाई से सभी परेशान हैं, दो जून की रोटी कमाने में लाले लगे हुए हैं। हर कोई परेशान है।

मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह कासमी

सरकार ऐसी हो जो महंगाई पर काबू पाए, बेरोजगारों को रोजगार दे, सभी देशवासियों का पूरा ख्याल रखे। इस देश में आज भी इंसानियत जिंदा है।

मौलाना मोहम्मद हातिम

कांग्रेस का कमजोर संगठन और सपा की बेरुखी से आलोक की हार

जीआईसी ग्राउंड पर राहुल-अखिलेश की संयुक्त रैली के बाद सपाई बैठ गए थे घर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कांग्रेस का कमजोर संगठन और समाजवादी पार्टी की दूरी के चलते कांग्रेस के आलोक मिश्रा को कानपुर सीट से हार का मुंह देखना पड़ा। दरअसल, दोनों पार्टियों के बीच उस वक्त खाई खुद गई थी, जब जीआईसी ग्राउंड पर इंडिया गठबंधन की रैली में सपाइयों ने अखिलेश यादव के सामने अपनी ताकत का मुजाहरा तो किया लेकिन उसके बाद कांग्रेस का खुलकर साथ नहीं दिया जो आलोक मिश्रा की हार का कारण बना।

लोकसभा चुनाव के पहले से ही सपा और कांग्रेस का तालमेल टूटा हुआ था। एक दूसरे के जितना संपर्क में होना चाहिए था, वह नहीं दिखा। 13 मई को कानपुर नगर में हुए मतदान के तीन दिन पहले ही सपा ने कांग्रेस से दूरी बना ली थी। कांग्रेस का संगठन भी इतना कमजोर था कि कुछ काम न आया। सपाइयों का दर्द भी इसको लेकर छलका। कैंट विधानसभाक्षेत्र के सपा विधायक हाजी हसन रूमी ने तो यहां तक कहा कि कांग्रेसी नेताओं से उन्होंने कहा था कि कैंट विधानसभा क्षेत्र में चुनाव कार्यालय खुलना चाहिए, मतदान के दिन घरों से मतदाताओं को निकालने के लिए टीम भी तैयार करनी होगी लेकिन कांग्रेसियों ने उनकी एक नहीं सुनी। उधर आर्य नगर विस क्षेत्र के विधायक अमिताभ वाजपेयी ने कहा कि आर्यनगर विस क्षेत्र में 48 से 50 प्रतिशत तक ही मतदान होता है। इस बार भी 48 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। उधर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नौशाद मंसूरी का दावा है कि मुस्लिम क्षेत्रों में 2019 में हुए लोकसभा चुनाव से 2024 में अधिक मतदान हुआ।

शाम को हार तय देखकर मतगणना स्थल से लौटते आलोक मिश्रा। अमृत विचार

- सपा-कांग्रेस गठबंधन की जीत वाली एकजुटता शुरू से कहीं नहीं दिखी

पोस्टल बैलेट में आलोक रहे आगे

- पोस्टल बैलेट से हुए चुनाव के आंकड़ों के मुताबिक इंडिया गठबंधन से कांग्रेस उम्मीदवार आलोक मिश्रा को 2618 मत प्राप्त हुए। भारतीय जनता पार्टी से रमेश अवस्थी को 2446 मत मिले। पोस्टल बैलेट से हुए चुनाव में दोनों प्रत्याशियों के बीच जीत और हार का अंतर अधिक नहीं है, लेकिन इसमे आलोक मिश्रा ने बाजी मारी है। आलोक मिश्रा के डमी कंडिडेट को 12 मत ही मिले।

हार की वजह भितरघात भी

कानपुर। फतेहपुर, हमीरपुर-महोबा, चित्रकूट, जालौन- गरौठा, इटावा, कन्नौज सीट पर मिली हार की समीक्षा भाजपा करेगी। उन कारणों को खोजने का प्रयास किया जाएगा जिनकी वजह से पार्टी को हार मिली है। हालांकि कई जगहों पर भाजपा को अपने प्रत्याशियों की वजह से भी हार का सामना करना पड़ा है। पार्टी में चर्चा है कि भितरघात के कारण पार्टी को ये सीटें गंवानी पड़ी है।

बांदा- चित्रकूट संसदीय सीट पर पार्टी उम्मीदवार आरके सिंह पटेल का विरोध पार्टी के पदाधिकारी तो कर ही रहे थे कार्यकर्ता भी लगातार चेहरा बदलने की मांग पर अड़े थे, लेकिन उनकी मांग को अनसुना किया गया। इसी तरह पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र की नाराजगी भी पार्टी को खल रही है। भैरों प्रसाद टिकट न मिलने से नाराज थे। यही स्थिति हमीरपुर- महोबा की थी। प्रत्याशी पुष्पेंद्र चंदेल का विरोध था। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने समीक्षा के संकेत दिए हैं।

गल्ला मंडी में गर्मी से महिला सिपाही की तबियत बिगड़ गई। अमृत विचार

श्रीप्रकाश से ज्यादा वोट पाए आलोक ने

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन से कांग्रेस उम्मीदवार आलोक मिश्रा को भले ही हार मिली, लेकिन वह हार कर भी एक नया इतिहास रच गए। उनको चुनाव में 4.22 लाख से अधिक मत मिले, जो वर्ष 1998 से लेकर 2019 तक कोई भी उपविजेता नहीं पा सका था। श्रीप्रकाश जायसवाल को भी वर्ष 2019 में 3.13 लाख मत ही मिले थे।

भाजपा से रमेश अवस्थी और इंडिया गठबंधन से कांग्रेस उम्मीदवार आलोक मिश्रा के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। दोनों के बीच जीत और हार का अंतर अधिक नहीं रहा। मतगणना के अंतिम क्षणों में शाम करीब साढ़े चार बजे के बाद आलोक मिश्रा अपने समर्थकों के साथ नौबस्ता गल्लामंडी से बाहर जाने लगे। उनको कुल 4 लाख 22 हजार 087 मत मिले। जबकि रमेश अवस्थी ने 4.43 लाख मत पाकर जीत दर्ज की। आलोक मिश्रा वर्ष 1998 से लेकर वर्ष 2019 तक हुए लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक मत पाने वाले उपविजेता बने। अभी तक यह रिकार्ड कांग्रेस से चुनाव लड़े श्रीप्रकाश जायसवाल के पास था। उनको वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में 3.13 लाख मत मिले थे। इससे साफ जाहिर है कि कांग्रेस को अपना वोट तो मिला लेकिन सपा से मिलने वाला पूरा वोट हासिल नहीं हो सका।

श्रीप्रकाश जायसवाल।

- कांग्रेस सांसद रहे श्रीप्रकाश जायसवाल से 1.09 लाख अधिक वोट पाए
- 2019 में श्रीप्रकाश को मिले थे 3.13 लाख मत, आलोक को मिले 4.22 लाख वोट
- वर्ष 1998 से लेकर 2019 तक कोई भी उपविजेता इतने वोट नहीं पा सका

परेड चौराहे पर भाजपाइयों ने की आतिशबाजी

कानपुर। भाजपा कार्यालय नवीन मार्केट के बाहर परेड चौराहे पर जिलाध्यक्ष दीपू पांडे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाई गई। आतिशबाजी भी हुई। दीपू पांडे ने सभी का आभार व्यक्त किया। नवीन मार्केट के सभी दुकानदारों ने भी मिठाई बांटी। प्रमोद विश्वकर्मा, मीडिया प्रभारी अंकित बाजपेई, मुकेश भाटिया, रोहित साहू, गुंजन शर्मा, सुबोध अवस्थी, करन चावला, पार्षद अभिषेक गुप्ता, अंकित मौर्य, कुंज बिहारी द्विवेदी, सीमा सिंह मौजूद रहे।

मेरी मांगें सुनो

नई सरकार से उद्यमियों को उम्मीदें, कहा कारोबार के व्यवधान हों कम, एमएसएमई सेक्टर को और बेहतर करने की उम्मीदें जताईं

शहर के उद्योगों को लगें पंख, इन्फ्रास्ट्रक्चर करें और मजबूत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केंद्र में बनने वाली सरकार से उद्यमियों को काफी उम्मीदें हैं। उद्यमियों ने कहा कि केंद्र में जो भी सरकार आए वे उद्योग को बढ़ाने के लिए कार्य करे। सरकार को शहर के औद्योगिक स्वरूप को भी मजबूत करने के लिए काम करना चाहिए। खासतौर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर की मजबूती और टैक्स संबंधी समस्याओं को दूर करना चाहिए। उद्यमियों ने एमएसएमई सेक्टर में आने वाली बाधाओं को भी दूर किए जाने की बात कही है।

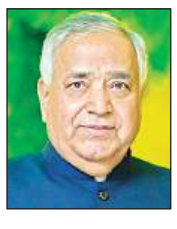
एमएसएमई सेक्टर में अब तक जितने भी वादें हुए हैं उम्मीद हैं अब वह पूरे हो सकेंगे। इसके अलावा होजरी उद्योग जो तमाम प्रयासों के बावजूद भी सार्थकता की ओर नहीं जा पा रहा है, उसे बेहतर किए जाने का काम तेजी से होना चाहिए।

-बलराम नरूला, चेयरमैन, टेक्सटाइल एसो.

उद्योग को बढ़ाने के लिए बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर का होना बहुत जरूरी है। इस दिशा में काम हो रहा है, लेकिन उसे और तेज किए जाने की बेहद जरूरत है। एक ऐसे मैकनिजम की जरूरत है, जिससे उद्यमियों की समस्याओं का जल्द ही निराकरण हो जाए। उनकी दौड़भाग बचे।

-उमंग अग्रवाल, महासचिव, फीटा

सूक्ष्म और लघु उद्योगों पर विशेष ध्यान दिए जाने की बहुत जरूरत है। एमएसएमई जीडीपी में 40 फीसदी का योगदान देता है। यह एक ऐसा सेक्टर है जहां पर रोजगार को बढ़ाए जाने की भी आपार संभावनाएं हैं। उद्यमियों के साथ कम से कम तीन महीने में एक बार प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री का संवाद होना चाहिए।

-अतुल सेठ, पीआईए

कारोबारियों के लिए जेम पोर्टल बहुत उपयोगी हो गया है। जेम पोर्टल में लगने वाले शुल्क को खत्म किए जाने की बहुत जरूरत है। इसके अलावा एमएसएमई सेक्टर को बढ़ाए जाने के लिए प्रयास और तेज किए जाने चाहिए। इससे हर सेक्टर के उद्यमियों को लाभ हासिल हो सकेगा।

-सुशील शर्मा, चेयरमैन इंडस्ट्री कमेटी

उद्योग को बढ़ाए जाने के लिए एक बेहतर माहौल विकसित करने की बहुत जरूरत है। उस पर काम हो रहा है। अब उम्मीद है यह काम और तेजी से हो सकेगा। खासतौर पर ऐसे युवा जो कारोबार शुरू करना चाहते हैं उन्हें कारोबार शुरू करने में सहायता मिलनी बहुत जरूरी है।

-मुकुल टंडन, मर्चेंट चेंबर

ऐसा इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित होना चाहिए जिससे उद्यमियों की ज्यादातर समस्याएं ऑनलाइन रूप से आसानी से हल हो सकें। इससे कारोबारी का समय और श्रम दोनो ही बचेगा। वह अपनी ऊर्जा को कारोबार बढ़ाने में खर्च कर सकेगा। उम्मीद है नई सरकार इस ओर ध्यान देगी।

-एके सक्सेना, मर्चेंट चेंबर

औद्योगिक क्षेत्र में और अधिक सुधार आने की जरूरत है। उम्मीद है सरकार इस ओर बेहतरी के साथ काम करेगी। यदि कारोबारियों की छोटी-छोटी समस्याएं समय से दूर हो तो कारोबारी बेहतर तरह से काम कर सकेगा। टैक्स के रूप में उसका लाभ सरकार को ही मिलेगा।

- मनीष कटारिया, मर्चेंट चेंबर

उद्यमियों की छोटी-छोटी समस्याओं के हल होने पर भी काफी समय लग जाता है। इस तरह का वातावरण विकसित होने की उम्मीद है कि इन समस्याओं का जल्द समाधान हो सके। इसके लिए नए वित्तमंत्री को बारीकी से काम करने की जरूरत है।

- लाडली प्रसाद, लघु उद्योग भारती

उद्यमियों के लिए एक नए तरह के बाजार को विकसित करने का प्रयास किए जाने की सरकार से उम्मीद है। नया बाजार विकसित होने पर कारोबारियों को अप्रत्याशित लाभ होगा। इसके लिए कई नए सैक्टर पर काम होना चाहिए। इससे शहर में नए उद्यमियों की संख्या में इजाफा होगा।

-राजीव महरोत्रा, मर्चेंट चेंबर

औद्योगिक क्षेत्र में कारोबारी रोजना परेशानियों का सामना करता है। उम्मीद है कि केंद्र में जो भी सरकार आए वे इस ओर भी बारीकी से ध्यान देगी। औद्योगिक क्षेत्र को बेहतर किए जाने की बहुत जरूरत है। इससे कारोबारियों के काम करने में सहूलियत हो सकेगी।

-हरेंद्र मूरजानी, लघु उद्योग भारती

ज्वैलरी कारोबार को मिलें सुविधाएं, मांगें सुनी जाएं

एएस वर्मा पद्मेश

कानपुर। ज्वैलरी कारोबार कानपुर शहर का बहुत बड़ा कारोबार है लेकिन इसे कारोबार में जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है। ज्वैलर्स और भाजपा नेता एएस वर्मा पद्मेश ने कहा कि कारोबार सुगम तरीके से हो सके, ऐसी व्यवस्था नई सरकार को करनी चाहिए और ज्वैलर्स एसोसिएशन की मांगों पर विचार करना चाहिए।

स्वास्थ्य केंद्र में पंखें नहीं

कानपुर। मतगणना केंद्र में स्वास्थ्य विभाग की ओर से दो अस्थायी केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रों में दो-दो शिफ्ट में डॉक्टरों, फार्मासिस्ट व स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाई थी। दवा, ओआरएस व ऑक्सीजन की व्यवस्था तो की गई थी, लेकिन केंद्र में बीमार लोगों के लिए पंखे की व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में बीमार या बेहोश हुए पुलिस कर्मियों व आदि स्टाफ के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

भोले ने जीत, पाल ने लगाई हार की हैट्रिक

2014 में पहली बार मोदी लहर में जीते थे देवेंद्र सिंह भोले

अकबरपुर सीट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

जीत के बाद भोले अपने समर्थकों से गले मिले। अमृत विचार

अमृत विचार। अकबरपुर संसदीय सीट पर भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह भोले ने जीत की हैट्रिक लगाई है, जबकि सपा उम्मीदवार राजाराम पाल ने हार की हैट्रिक बनाई। भोले पहली बार 2014 में संसदीय चुनाव में मैदान में उतरे थे, तब नरेंद्र मोदी की प्रचंड लहर थी। इस चुनाव में उन्हें जीत मिली तो फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपनी ही पार्टी के विधायकों के विरोध के बाद न सिर्फ उन्होंने 2019 में जीत दर्ज की बल्कि इस चुनाव में भी उन्होंने कड़े मुकाबले में संसद पहुंचने में कामयाबी हासिल की। 2019 में बसपा- सपा गठबंधन था पर इस बार के मुकाबले उनकी जीत का अंतर ज्यादा था। इस बार कांग्रेस-सपा के उम्मीदवार राजाराम पाल न सिर्फ उनके सामने मजबूती से डंटे रहे पर मोदी की गारंटी, क्षेत्र में किए गए विकास के कार्यों के दम पर भोले ने उन्हें आगे नहीं निकलने दिया।

2009 में कांग्रेस के टिकट पर राजाराम पाल ने इस सीट से जीत दर्ज की थी। इससे पहले भी वे बसपा के टिकट पर बिल्हौर सीट से सांसद बने थे। 2009 के बाद राजाराम पाल 2014 और 2019 में कांग्रेस के टिकट पर अकबरपुर से मैदान में उतरे पर मतदाताओं ने उन्हें नकार दिया। 2014 में उन्हें चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा था। 2019 में चूंकि सपा और बसपा संयुक्त रूप से मैदान में थीं इसलिए राजाराम पाल इस चुनाव में तीसरे स्थान पर थे। राजाराम पाल पाला बदलकर सपा में गए तो वहां उन्हें तबज्जो भी खूब मिली। इस बार के चुनाव में उन्हें पार्टी ने मैदान में उतारा पर कांग्रेस के कमजोर संगठन और सपा पदाधिकारियों से कांग्रेसियों के तालमेल की कमी का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। राजाराम पाल टिकट मिलने के बाद से ही अपनी जीत को लेकर आश्वस्त थे। यही वजह थी कि वे चुनाव प्रचार के लिए घर से सुबह 11 बजे के बाद निकलते थे। यह अति आत्मविश्वास भी उनके लिए घातक साबित हुआ। भोले मतदाताओं को यह बताने में कामयाब रहे कि उन्हें क्षेत्र में कौन- कौन से बड़े विकास कार्य कराए हैं। मोदी सरकार की नीतियों का भी बखान उन्हें खूब किया। साथ ही राजाराम पाल और उनकी पार्टी की ओर से संविधान व आरक्षण खत्म होने की जो दलीलें पेश की गईं उन पर मतदाता विश्वास न करे इसके लिए भी वे लगातार अपना पक्ष रखते रहे। इसका परिणाम सुखद रहा और वे जीत दर्ज करने में कामयाब हुए।

किसे मिले कितने मत

पार्टी	उम्मीदवार	मिले वोट
भाजपा	देवेंद्र सिंह भोले	514256
सपा	राजा राम पाल	469766
बसपा	राजेश कुमार द्विवेदी	72679
सभीजन पार्टी	अशोक पासवान	3160
भारतीय शक्ति चेतना पार्टी	चंद्रेश सिंह	2641
राष्ट्रीय जन उत्थान पार्टी	रामगोपाल	1146
राष्ट्रीय संस्कृति पार्टी	विपिन कुमार	1489
निर्दलीय	योगेश जायसवाल	2529
निर्दलीय	राजाराम	4629

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की दूरी हार का कारण

कांग्रेस से सपा में आए राजाराम पाल को उम्मीद थी कि उन्हें कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से पूरी मदद मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। कांग्रेस के पदाधिकारी लगातार उनसे दूरी बनाए रहे। जब कोई बड़ा नेता आया तो वे जरूर उनके साथ दिखे। कल्याणपुर, बिठूर विधानसभा क्षेत्र में तो उनके साथ तालमेल कहीं भी नहीं दिखा। इसी का परिणाम रहा कि राजाराम पाल को एक बार फिर हार का स्वाद चखना पड़ा।

2019 का जनादेश

5,81,282
भाजपा देवेंद्र सिंह भोले

3,06, 140
बसपा निशा सचान

1,08,341
कांग्रेस राजाराम पाल

पहले राउंड में 4, अंतिम में 44 हजार का अंतर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अकबरपुर सीट से हैट्रिक लगाने वाले भाजपा उम्मीदवार देवेंद्र सिंह भोले पहले राउंड से ही बढ़त बनाए रहे। हालांकि अंतर कम होने के कारण 20 राउंड की मतगणना होने तक सपाई उम्मीद लगाए बैठे रहे। जब वोटों का अंतर 30 हजार पार कर गया तो सपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी मतगणना स्थल से वापस जाना शुरू कर दिए।

नवीन गल्ला मंडी में सुबह आठ बजे मतगणना शुरू हुई। पहले राउंड का नतीजा आया, जिसमें देवेंद्र सिंह भोले को 19409 और सपा के राजा रामपाल को 15335 मत मिले। महज चार हजार का अंतर होने के कारण सपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मतगणना स्थल में लगी टीवी के आगे कार्यकर्ता टकटकी लगाए बैठे रहे। हालांकि भाजपा उम्मीदवार के मत लगातार चरणवार बढ़ते रहे। तीसरे राउंड में भोले को 58636 व राजा रामपाल को 470 93 मत मिले। जब तक हार-जीत का अंतर 30 हजार नहीं पार हुआ सपाइयों की उम्मीद बरकरार रही। जब छठवें राउंड का परिणाम आया जिसमें भोले को 109825 और राजा रामपाल को 98 068 मत मिले। यहां वोटों का अंतर बढ़ने पर सपाइयों में निराशा आनी शुरू हो गई। 11वें राउंड में भाजपा को 20 5919 व राजा रामपाल को 1851 44, इसके 14वें चरण में भोले को 2682 58 व राजा रामपाल को 2349 48 मत मिले।

इसके बाद से ही सपाइयों को अहसास होने लगा कि अब वह दौड़ से बाहर हो रहे हैं। इसके बाद से ही मतगणना स्थल से एक-एक करके सपाई जाने लगे थे। मगर कुछ जुझारू कार्यकर्ताओं को वापसी की उम्मीद थी, इसलिए वह बैठे रहे। 28वें राउंड तक सपाइयों की काफी भीड़ मतगणना स्थल पर मौजूद रही, मगर जैसे ही मतों का अंतर 30 हजार के पार जाने लगा, कार्यकर्ता उम्मीद छोड़कर मंडी के बाहर का रास्ता देखने लगे।

कल्याणपुर और महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र ने भोले को दिया सहारा

शिव प्रकाश मिश्रा, कानपुर

अमृत विचार। अकबरपुर लोकसभा सीट से जीत की हैट्रिक लगाने वाले भाजपा सांसद देवेंद्र सिंह भोले को इस बार सबसे कठिन चुनौती से सेंध जूझना पड़ा। पिछली बार से न सिर्फ उनके मिले वोट घट गए बल्कि जीत का अंतर भी इतना नीचे आ गया कि कई राउंड में दिल की धड़कनें भी बढ़ती नजर आईं। ऐसे में कल्याणपुर और महाराजपुर विधान सभा क्षेत्र ने उन्हें बड़ा सहारा दिया। कल्याणपुर में राजाराम पाल पर मिली 54 हजार की लीड और महाराजपुर में मिली करीब 50 हजार मतों की बढ़त ने उनके लिए जीत रास्ता तैयार किया। भोले ने इस बार 45 हजार मतों से सपा के प्रत्याशी राजाराम पाल को मात दी। साल 2019 के चुनाव में उन्होंने सपा-बसपा गठबंधन की प्रत्याशी निशा सचान को पौने तीन लाख मतों से हराया था। रनिया और बिठूर विधानसभा क्षेत्र में भोले को बड़ा नुकसान हुआ। यहां के विधायक अभिजीत सिंह सांगा और रनिया की विधायक एवं राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला से उनकी नाराजगी जग जाहिर है। प्रतिभा शुक्ला के पति एवं पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी खुद ही टिकट के दावेदार थे तो बिठूर के विधायक अभिजीत सिंह सांगा भी टिकट मांग रहे थे और लगातार क्षेत्र में शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे। भोले और सांगा के बीच पार्टी नेतृत्व ने मनमुटाव खत्म कराने की कोशिश तो खूब की लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। सांगा और प्रतिभा, अनिल शुक्ला वारसी उनके मंच पर जरूर दिखे पर जिस शिद्दत के साथ प्रचार करना था वह हो नहीं पाया।

बुंदेलखंड में भाजपा ने तीन सीटें खोई, सिर्फ झांसी सीट बचा पाई

बांदा-चित्रकूट सीट

कुल मिले मत 4,06,567
जीत का अंतर 71,210
कृष्णा शिवशंकर पटेल (सपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 3,35,357

आरके पटेल (भाजपा)

जालौन-गरौठा सीट

कुल मिले मत 5,30,180
जीत का अंतर 53,898
नारायण दास अहिरवार (सपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 4,76,282

भानुप्रताप वर्मा (भाजपा)

झांसी सीट

कुल मिले मत 9,90,316
जीत का अंतर 1,02,614
अनुराग शर्मा (भाजपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 5,87,702

प्रदीप जैन आदित्य (कांग्रेस)

- झांसी में लगातार तीसरी मर्तबा भाजपा ने हासिल की जीत
- हमीरपुर में पुनर्मतगणना के बाद सपा के अजेंद्र सिंह लोधी जीते

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : बुंदेलखंड की सूखी धरा में इस बार कमल मुरझा गया। साइकिल की रफ्तार में भारतीय जनता पार्टी सिर्फ झांसी सीट ही बचा पाई। यह दीगर बात है कि झांसी सीट में भाजपा ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की, लेकिन बांदा-चित्रकूट, जालौन-गरौठा और हमीरपुर-महोबा सीट समाजवादी पार्टी ने छीन ली। इन तीनों सीटों पर दो चुनावों से भाजपा का कब्जा था और इस बार हैट्रिक लगने की संभावना जताई जा रही थी।

वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में बांदा-चित्रकूट संसदीय सीट पर समाजवादी पार्टी से आरके पटेल ने जीत हासिल की थी, लेकिन उसके बाद 2014 के चुनाव में भाजपा ने भैरोंप्रसाद मिश्रा को मैदान पर उतारा और मोदी लहर में यह सीट भाजपा के खाते में आ गई। इसके बाद 2019 के चुनाव में सपा छोड़कर आए आरके पटेल को भाजपा ने चुनाव लड़ाया और जीत हासिल की। इस बार जनता ने भाजपा प्रत्याशी को नकार दिया।

जालौन-गरौठा सीट का रहा। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी घनश्याम अनुरागी ने जीत हासिल की, लेकिन 2014 के चुनाव में भाजपा ने भानुप्रताप वर्मा को मैदान पर उतारकर मोदी लहर के सहारे अपना कब्जा जमा लिया। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने फिर भानुप्रताप वर्मा पर को चुनाव लड़ाया और वह 5,30,180 पाकर चुनाव जीते, लेकिन इस बार वह हैट्रिक लगाने से चूक गए।

हमीरपुर-महोबा संसदीय सीट भी भाजपा के हाथ से खिसक गई। यहां वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा के विजय बहादुर सिंह ने जीत हासिल की थी। वर्ष 2014 और 2019 में भाजपा ने पुष्पेंद्र चंदेल को चुनाव मैदान में उतारा। दोनों बार ही भाजपा ने जीत हासिल की, लेकिन इस बार पुष्पेंद्र चंदेल हैट्रिक से चूक गए। इसके पहले 1996 और 1998 में भाजपा के गंगाचरण राजपूत ने लगातार दो चुनाव जीते थे। इस बार सपा के अजेंद्र सिंह लोधी जीते। यहां पुनर्मतगणना के बाद सपा को 4,90,683 मत और पुष्पेंद्र चंदेल को 4,88,054 मत मिले। इस तरह 2629 मतों से सपा को जीत मिली।

भाजपा ने झांसी में लगातार तीसरी बार जीत हासिल की।

डीएम-एसपी ने मतगणना स्थल का लिया जायजा

मतों की गिनती के दौरान मतगणना कार्मिकों को मोबाइल, कैलकुलेटर, स्मार्ट वॉच आदि ले जाने पर रोक लगाई गई थी। कुछ कार्मिको की जेब में मोबाइल पाए जाने पर उनका मोबाइल जमा करा दिया गया। स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल पर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईवीएम मशीन टेबिलों तक भेजी गई।

हमीरपुर-महोबा

अजेंद्र सिंह लोधी (सपा)
मिले मत : 4,90,683
जीत का अंतर : 2629
पुष्पेंद्र चंदेल (भाजपा)
मिले मत : 4,88,054

पुनर्मतगणना के बाद सपा की जीत

हमीरपुर। हमीरपुर-महोबा सीट भाजपा को गंवानी पड़ी। भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल शुरू से बढ़त बनाए रहे। सपा के अजेंद्र सिंह लोधी ने उन्हें सीधी टक्कर दी और चुनाव जीत लिया। बसपा के निर्दोष कुमार दीक्षित तीसरे स्थान पर रहे। आखिरी के चक्रों में सपा प्रत्याशी ने 2603 वोटों की बढ़त से विजय हासिल की। भाजपा ने पुन: गिनती की मांग की। दोबारा गिनती में भी सपा जीत गई।

फर्रुखाबाद में भाजपा के मुकेश राजपूत की हैट्रिक ❍ इटावा और फतेहपुर में हैट्रिक से चूक गई भाजपा

कन्नौज के साथ इटावा, फतेहपुर में भी सपा का कब्जा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: अति आत्मविश्वास और मोदी के नाम पर जीत का ख्वाब संजोए भारतीय जनता पार्टी ने तीन सीटें गंवा दीं। कन्नौज के साथ इटावा और फतेहपुर सीट पर समाजवादी पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत का परचम लहराया, जबकि फर्रुखाबाद में भाजपा मामूली अंतर से जीत का हैट्रिक लगाने में कामयाब रही। इटावा और फतेहपुर में पुराने चेहरों के साथ हैट्रिक लगाने के लिए मैदान पर उतरी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा।

फतेहपुर संसदीय सीट में वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने राकेश सचान को चुनाव मैदान पर उतारकर जीत हासिल की थी। इसके बाद वर्ष 2014 और 2019 के चुनाव में भाजपा ने साध्वी निरंजन ज्योति को प्रत्याशी बनाकर विजय पाई। निरंजन ज्योति को केंद्र सरकार में राज्यमंत्री बनाकर दोआबा के साथ बुंदेलखंड में पिछड़ा वर्ग के बीच पकड़ बनाने की कोशिश की गई। इस बार चुनाव में उन्हें तीसरी बार चुनाव मैदान में उतारा गया, लेकिन ऐन वक्त पर सपा ने प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल को प्रत्याशी बनाकर भाजपा के सामने चुनौती खड़ी कर दी और सपा इस सीट पर कब्जा जमाने में कामयाब रही।

फतेहपुर संसदीय सीट का इतिहास रहा है कि अभी तक कोई भी प्रत्याशी हैट्रिक नहीं लगा सका है। यहां 1967 और 1971 में कांग्रेस, 1977 और 1978 में जनता पार्टी, 1980 और 1984 में कांग्रेस, 1989 और 1991 में जनता दल, 1998 और 1999 में भाजपा, फिर 2014 और 2019 में भाजपा ने लगातार दो बार जीत हासिल की, लेकिन हैट्रिक लगाने में कोई भी राजनीतिक दल कामयाब नहीं रहा।

कन्नौज संसदीय सीट में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा के सुब्रत पाठक को 1,70,922 मतों के अंतर से हराकर अपनी परंपरागत सीट फिर हथियाने में कामयाब रहे। यहां से सपा अध्यक्ष चौथी बार चुनाव जीते। 2009 के चुनाव में उन्होंने 1,65,008 मतों के अंतर से जीत हासिल की थी। इसके बाद 2012 के चुनाव में उनकी पत्नी डिंपल यादव निर्विरोध चुनी गईं। 2014 के चुनाव में डिंपल यादव ने भाजपा के सुब्रत पाठक को हराया, लेकिन 2019 के चुनाव में मोदी लहर के सहारे सुब्रत पाठक ने डिंपल यादव को हराकर यह सीट भाजपा की झोली में डाल दी। इस बार अखिलेश यादव ऐन वक्त पर खुद मैदान पर उतरे और अपनी परंपरागत सीट पर फिर कब्जा कर लिया।

इटावा संसदीय सीट भी सपा की परंपरागत सीट रही है। वर्ष 1999 और 2004 के चुनाव में सपा के रघुराज सिंह शाक्य ने जीत हासिल की थी। इसके बाद 2009 के चुनाव में सपा प्रत्याशी प्रेमदास कठेरिया ने जीत पाई, लेकिन 2014 के चुनाव में यह सीट भाजपा के खाते में चली गई और अशोक कुमार दोहरे सांसद बने। 2019 के चुनाव में भाजपा ने रामशंकर कठेरिया को चुनाव मैदान पर उतारा और उन्होंने जीत पाई, लेकिन इस बार सपा प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे ने शुरू से बढ़त हासिल कर भाजपा के रामशंकर कठेरिया को 58,419 मतों के अंतर से हरा दिया।

भाजपा फर्रुखाबाद संदीय सीट न सिर्फ बचाने में कामयाब रही, बलिक इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत ने हैट्रिक भी लगाई। हालांकि जीत हासिल करने में उन्हें सपा प्रत्याशी नवल किशोर शाक्य की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। वह 2678 मतों के मामूली अंतर से जीत हासिल करने में कामयाब रहे। इसके पहले मुकेश राजपूत 2014 और 2019 का चुनाव जीत चुके हैं। 2009 के चुनाव में कांग्रेस से सलमान खुर्शीद ने चुनाव जीता था।

कन्नौज संसदीय सीट

अखिलेश यादव (सपा) : 6,42,292
सुब्रत पाठक (भाजपा) : 4,71,370
जीत का अंतर : 1,70,922

फतेहपुर संसदीय सीट

नरेश उत्तम पटेल (सपा) : 4,98,349
निरंजन ज्योति (भाजपा) : 4,64,733
जीत का अंतर : 33,616

इटावा संसदीय सीट

जितेंद्र दोहरे (सपा) : 4,90,747
रामशंकर कठेरिया (भाजपा) : 4,32,328
जीत का अंतर : 58419

फर्रुखाबाद संसदीय सीट

मुकेश राजपूत (भाजपा) : 4,87,963
नवल किशोर शाक्य (सपा) : 4,85,285
जीत का अंतर : 2,678

आठवें राउंड के बाद दौड़ी 'साइकिल', मुरझाया 'कमल'

फतेहपुर संसदीय क्षेत्र

संवादादाता, फतेहपुर

अमृत विचार। पिछले दो लोकसभा चुनावों में इस सीट पर मजबूत पैठ बनाने वाली भाजपा दोपहर के बाद पिछड़ना शुरू हुई तो फिर विनिंग ट्रैक पर लौटना मुश्किल हो गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चली मतगणना के दौरान सामने आ रहे नतीजे भाजपाइयों को राउंड दर राउंड विचलित करते रहे। यही कारण रहा कि जैसे-जैसे धूप बढ़ती गई, मतगणना परिसर के इर्द-गिर्द जमा भाजपाइयों का जोश ठंडा पड़ता गया।

उधर रफ्तार पकड़ती साइकिल से डेढ़ दशक बाद सपाइयों में जान दिखी। चुनाव आयोग की बंदिशों के चलते सड़कों में वह धमाल तो नहीं दिख सका, लेकिन जो उल्लास और उत्साह नजर आया। वह बड़ी जीत की सफलता का द्योतक बना। मंडी परिसर में प्रशासनिक निगहबानी के बीच सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हुई। चुनाव लड़ने वाले दलीय व निर्दलीय सभी 15 प्रत्याशी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना स्थल पहुंचे। जिन्हें कई राउंड के सुरक्षा चक्र से गुजरना पड़ा। पहला राउंड में पिछड़ती चली गई। सपा के नरेश उत्तम पटेल जिन्हें लेकर रूझान आने में तीन घंटा लग गया। 11 बजकर 25 मिनट पर आए पहले राउंड के परिणाम में भाजपा प्रत्याशी साध्वी निरंजन ज्योति बढ़त लेकर आई। यह बढ़त आठ राउंड तक सत्तारूढ़ पार्टी का साथ देती रही। इसके बाद चुनावी परिणामों ने ऐसी करवट ली कि पूरा माजरा ही बदल गया। जो भाजपा सभी विधानसभाओं में बेहतर प्रदर्शन करते हुए आगे बढ़ रही थी वह अगले सामने आ रहे कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे उन सभी कयासों को झुठलाते हुए आगे बढ़ते गए। इन दोनों दलों के बीच सीट हथियाने की छिड़ी जंग के बीच बसपा कोई करामात नहीं कर सकी। पार्टी प्रत्याशी डा. मनीष सचान इस चुनाव में तीसरे नंबर की लड़ाई लड़ते नजर आए। उधर चुनावी शुचिता को लेकर पर्यवेक्षक से लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी सी. इन्दुमती राउंड लेती रहीं। पुलिस कप्तान उदय शंकर की टीम अलर्ट मोड पर दिखाई दी।

- 27 साल में पहली बार वजूद को तरसी बसपा

'टॉप थ्री' प्रत्याशियों को विधानसभा क्षेत्रों में मिले मत

प्रत्याशी	पार्टी	जहानाबाद	बिन्दकी	सदर	अयाहशाह	हुसेनगंज	खागा
नरेश उत्तम पटेल	सपा	89061	85758	92103	63132	87527	80101
निरंजन ज्योति	भाजपा	80561	76002	88794	67549	67250	83693
मनीष सिंह सचान	बसपा	8427	14727	15793	15345	17175	19142

हरदोई और मिश्रिख दोनों सीटों पर भाजपा की जीत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। जिले की सीटों पर जनता ने इस बार फिर से कमल खिलाकर पुराने सांसदों के सिर पर जीत का सेहरा बांधा है। हरदोई लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी जयप्रकाश रावत तथा मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अशोक रावत दोबारा चुनाव जीत कर देश के सबसे बड़ी पंचायत में जनता की नुमाइंदी के लिए पहुंचे। जयप्रकाश को चार लाख 85 हजार 745 वोट मिले, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंदी सपा की ऊषा वर्मा को चार लाख 57 हजार 553 वोट मिले। भाजपा प्रत्याशी ने ऊषा वर्मा को 28 हजार 192 वोटों से हराया। बसपा के प्रत्याशी बीआर अंबेडकर को मात्र एक लाख 22 हजार 334 वोट ही मिल पाए।

- दोनों पुराने सांसदों पर जनता ने जताया भरोसा

वहीं मिश्रिख लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी अशोक रावत को4,73,971 और उनकी निकटतम प्रतिद्धंदी सपा की संगीता राजवंशी को 4,40,157 वोट मिले। साथ ही बसपा के बीआर अहिरवार को 1,11,670वोट ही मिल सके। भाजपा प्रत्याशी अशोक रावत ने सपा की संगीता रावत को 33,214 मतों से शिकस्त देते हुए चौथी बार दिल्ली का रूख किया है।

बताते चलें कि जिले के हरदोई लोकसभा क्षेत्र से भाजपा से वर्तमान सांसद जयप्रकाश रावत, सपा से पूर्व सांसद ऊषा वर्मा व बसपा से बीआर अंबेडकर चुनाव लड़ रहे थे। इस लोकसभा क्षेत्र में शाहाबाद, गोपामऊ, हरदोई, सवायजपुर, सांडी विधानसभा क्षेत्र आते हैं। मंगलवार को हुई मतगणना में सबसे पहले पोस्टल बैलट की गिनती शुरू हुई। इसके पश्चात ईवीएम के वोट गिने गए। शुरुआती चरण से ही जयप्रकाश रावत ने बढ़त बना ली। बढ़त की यह प्रक्रिया अंतिम राउंड तक चलती रही।

अशोक रावत को जीत का प्रमाण देते जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी।

शहर में आज

- **अभियान :** संत निरंकारी मंडल द्वारा सीटीआई नहर गोविंद नगर में स्वच्छता अभियान सुबह छह बजे।
- **उद्घाटन :** सीएसजेएमयू में योगोत्सव पखवाड़े के उद्घाटन कार्यक्रम सीनेट हॉल में सुबह 10:30 बजे।
- **गोष्ठी :** जीएसवीएम के बालिका छात्रावास के सामने औषधि वृक्षारोपण पर विचार गोष्ठी शाम पांच बजे।
- **वृक्षारोपण :** बागवान सोसाइटी द्वारा शताब्दी नगर फेस-2 सुमन वाटिका में गोष्ठी व वृक्षारोपण शाम पांच बजे।

पूर्वांचल के जिलों में जाने के लिए नवाबगंज से मिलेंगी रोडवेज बसें

- सिग्नेचर सिटी के बगल में बने बस अड्डे से रवाना की जाएंगी बसें
- 500 से अधिक बसें झकरकटी बस अड्डे से इस बस अड्डे पर शिफ्ट होंगी
- बस अड्डा चालू होने के बाद शहर के अंदर से जाम की समस्या भी कम हो रही

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर को जाम से निजात दिलाने और शहीद मेजर सलमान खान झकरकटी बस अड्डे पर बसों की संख्या को कम करने के लिए सिग्नेचर सिटी नवाबगंज के नये बस अड्डे से गोरखपुर, आजमगढ़ समेत पूर्वांचल के जिलों के लिए बसों का संचालन होगा।

झकरकटी बस अड्डे से प्रतिदिन लगभग 1400 बसों का संचालन होता है, बसों के अधिक होने के कारण शहर के कई मार्ग जाम में जकड़े रहते हैं। नवाबगंज नये बस अड्डा से बसों को सीधे गंगा बैराज से लखनऊ की ओर निकाल दिया जायेगा जबकि फर्रुखाबाद की बसें भी यहीं से गुरुदेव चौराहा होते हुए निकल जायेंगी।

झकरकटी से संचालित हो रही बसों में करीब 500 बसें पूर्वांचल जिलों की हैं। इस संबंध में क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल कुमार ने बताया कि जल्द ही सिग्नेचर सिटी बस अड्डा से नए रूटों पर बसों का संचालन किया जाएगा।

नवाबगंज में नया बस अड्डा तैयार है। अमृत विचार

ऐसे मिलेगा शहर को जाम से छुटकारा

- **लखनऊ मार्ग :** जो बसें पूर्वांचल की ओर से आती हैं, वह रामादेवी से यशोदा नगर बाईपास या फिर सीओडी पुल से टाटमिल चौराहा होते हुए झकरकटी बस अड्डा पहुंचती हैं। एक के पीछे एक लगी बसों के कारण रामादेवी से झकरकटी बस अड्डे तक जाम लगता है और ये बसें जब बस अड्डे से वापस जाने के लिए निकलती हैं तो फिर जाम लगता है।

नया रुट ये होगा : लखनऊ मार्ग से पूर्वांचल की बसें अचलगंज मोड़ से मरहला चौराहा, सरैया क्रासिंग से गंगा बैराज होते हुए सीधे नये बस अड्डे सिग्नेचर सिटी तक पहुंच जाएंगी। इससे पूरा शहर इन बसों से छूट जायेगा।

- **फर्रुखाबाद मार्ग :** अभी फर्रुखाबाद की ओर से आने वाली बसें गुरुदेव चौराहा से सीधे रावतपुर, गोल चौराहा, कोका कोला चौराहा, जरीब चौकी होते हुए झकरकटी बस अड्डा पहुंचती हैं, इसके चलते जीटी रोड मुख्य मार्ग जाम में फंसा रहता है। इसी प्रकार दर्जनों बसें रावतपुर से चुन्नीगंज पहुंचती हैं।

नया रुट : फर्रुखाबाद की ओर से आने वाली बसों को गुरुदेव चौराहा से नवाबगंज चिड़ियाघर की ओर मोड़ दिया जायेगा।

बस अड्डे पर मिलेंगी ये सुविधाएं

- सभी जिलों की बसें अपने अपने निर्धारित प्लेटफार्म पर ही खड़ी होंगी।
- इलेक्ट्रानिक डिस्प्ले बोर्ड यात्रियों को संकेत देगा कि कौन सी बस किस प्लेटफार्म पर मिलेगी।
- 100 से अधिक यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है।
- 24 घंटे उद्घोषणा की जाएगी कि कौन सी बस कितने बजे आयेगी या किस प्लेटफार्म पर खड़ी है।
- यात्रियों के लिए इस बस अड्डे पर वाईफाई सुविधा भी मिलेगी।
- ठंडे पेयजल, आधुनिक शौचालय, पूछताछ केंद्र समेत समस्त सुविधाएं उपलब्ध होंगी।
- यात्रियों के लिए एसी प्रतीक्षालय भी है।

हत्या का आरोप लगा परिजनों ने लगाया जाम

कानपुर। सेन पश्चिम पारा थानाक्षेत्र से गायब युवक का शव एक दिन बाद साढ़ थानाक्षेत्र में तिवारीपुर नहर पुल के पास नहर में उतराता मिला था। मंगलवार को परिजनों ने मगरासा निवासी युवक पर हत्या का आरोप लगाकर पोस्टमार्टम हाउस के बाहर जाम लगा दिया।

साढ़ के सरसौल मार्ग पर तिवारीपुर नहर पुल के पास एक युवक का शव नहर में सोमवार को उतराता मिला था। पता चला कि शव सेन पश्चिम पारा निवासी 32 वर्षीय अमित सिंह का है जो रविवार से लापता था। अमित के भाई मयंक सिंह ने बताया कि रविवार को मगरासा निवासी एक युवक भाई को ले गया था। उसने बताया कि कुरौना गांव की नहर पुल के पास दोनो लोग नहाने गए थे। इसी दौरान अमित सिंह डूब गया था। अमित के कपड़े, मोबाइल व बाइक उसके पास ही है। मयंक ने भाई की हत्या का आरोप लगाया है। अमित सिंह की पत्नी दीप्ति सिंह, बहन कोमल, शिवानी व मां ने आरोप लगाया कि आरोपी दूसरे समुदाय का है। परिजनों ने आरोपी पर अमित का गुप्तांग काटने का आरोप लगाया है। इस संबंध में सेन पश्चिम पारा थाना प्रभारी का कहना था कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

फंदे पर लटका मिला शव, हत्या का आरोप

- गुजैनी थानाक्षेत्र का मामला मायके पक्ष की तहरीर पर दहेज हत्या की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुजैनी थानाक्षेत्र में फार्मासिस्ट की पत्नी का शव फांसी के फंदे पर शव लटकता मिला। मायके पक्ष ने दहेज हत्या का आरोप लगाया है। भाई की तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कानपुर देहात के भोगनीपुर पुखरायां निवासी अभिषेक सचान ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी बहन 28 वर्षीय प्रिया सचान की शादी दिसंबर वर्ष 2022 में गुजैनी थानाक्षेत्र के बर्रा-8 में रहने वाले फार्मासिस्ट अमित सचान से की थी। शादी के कुछ महीनों बाद पति और ससुरालीजन दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। तीन जून को दोपहर ससुरालवालों ने फोन कर बहन के फांसी लगाने की जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि पति अमित सचान, ससुर अनिल सचान, ननद अंकिता सचान व सास सुमन सचान ने दहेज की मांग न पूरी करने पर बहन को मारकर फंदे पर टांग दिया।

गुजैनी थाना प्रभारी विनय तिवारी ने बताया कि पीड़ित के भाई की तहरीर के आधार पर पति, सास, ससुर, ननद के खिलाफ दहेज हत्या, उत्पीड़न और अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

पति से लड़ महिला ने डीजल डाल आग लगाई

कानपुर। बिधनू थानाक्षेत्र में पति से झगड़े के बाद पत्नी ने डीजल डालकर खुद को आग लगा ली। अस्पताल में महिला ने दम तोड़ दिया। मूलरूप से छत्तीसगढ़ का राजू 32 वर्षीय पत्नी संतोषी के साथ बिधनू थानाक्षेत्र में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में मजदूरी कर रहा था। उसके तीन बच्चे हैं। परिजनों ने बताया कि शनिवार को किसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया। इसके बाद महिला ने जनरेटर से डीजल निकाला और अपने ऊपर डाल कर आग लगा ली। बिल्डिंग में रह रहे अन्य मजदूरों ने आग बुझाई और उर्सला अस्पताल ले गए। सोमवार देर रात उसने दम तोड़ दिया। बिधनू पुलिस ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

महिला से छेड़छाड़, तेजाब डालने की धमकी

कानपुर। बर्रा की एक महिला ने दबंग पर छेड़छाड़, मारपीट व तेजाब डालने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने महिला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बर्रा निवासी महिला के अनुसार उनके मायके पक्ष का बिधनू के राजापुरवा निवासी देवेंद्र यादव छेड़छाड़ करता था। शादी के बाद उनके पति को भड़काता था। आरोपी की पत्नी राधा ने समझौते की बात कहते उन्हें अपने घर बुलाया। वहां आरोपी ने अपनी पत्नी व साली के साथ मिलकर बेटे व उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। तेजाब डालने की धमकी दी। पुलिस ने दो नामजद समेत तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

केस्को एमडी ने किया औचक निरीक्षण

कानपुर। जरीब चौकी खण्ड के उपकेन्द्र व सर्वोदय नगर खण्ड के नमक फैक्ट्री, सर्वोदय नगर व नवीन नगर उपकेन्द्रों का केस्को प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल एन ने मंगलवार को निरीक्षण किया। सभी उपकेन्द्रों पर अधिशाषी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता व अवर अभियन्ता अपने स्टाफ के साथ उपकेन्द्र पर व क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था को सुचारू रखने के निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त केस्कों के मुख्य अभियन्ता व अधीक्षण अभियन्ता द्वारा हंसपुरम, नौबस्ता, विकास नगर आदि उपकेन्द्रों पर जा करके विद्युत व्यवस्था के किये जा रहे कार्यों को देखा।

पौधरोपण के लिए जागरूक किया

कानपुर। गुरुद्वारा नवाबगंज में लंगर और भंडारा करके लोगों को जागरूक किया कि वे इस धरती को बचाने के लिए पौधारोपण जरुर करें। मंगलवार को गुरुद्वारा नवाबगंज में विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लोग धरती को बचाने के लिए विभिन्न प्रकार के स्लोगन लिखी तख्तियां लिये थे। जो देता है पेड़ों को पानी-वही व्यक्ति है सच्चा ज्ञानी। गुरुद्वारा के प्रधान सरदार मान सिंह बग्गा एवं भारत विकास परिषद जागेश्वर धाम शाखा के राकेश मिश्रा, सुशील कौशल, अरविंद पांडेय, आईपी खुराना, परम प्रकाश दीक्षित, रवि कटारिया आदि थे।

किशोर ने फांसी लगाकर दी जान

बिल्हौर। ककवन कस्बा निवासी एक किशोर ने अपने घर मे पंखे के कुंडे से लटककर फांसी लगा ली। थाना प्रभारी अभिलाष कुमार मिश्रा ने बताया कि 16 वर्षीय शौर्य दोहरे उर्फ लकी ने सोमवार रात करीब 9 बजे पंखे पर चादर से लटक आत्महत्या कर ली। परिजन उसे उतारकर सीएससी ककवन ले गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कानपुर। महाराजपुर थानाक्षेत्र में गोहरा मजरा निवासी 21 वर्षीय विजय कुमार उर्फ पिंटू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। भाई छोटू ने बताया कि घर पर कोई नहीं था इसी दौरान उसने अपनी जिंदगी खत्म कर ली। जब वह काम से लौटे तो देखा कि कमरे में उसका शव फांसी के फंदे से लटक रहा था।

मकान के मलबे में दब कर महिला की मौत

पुखराया। देवराहट थाना क्षेत्र के चैनकापुर गांव में मकान की दीवार गिर जाने के कारण मलबे में दबकर महिला की मौत हो गई। गांव निवासी राकेश ने बताया कि दीवार गिर जाने के कारण मलबे में उसकी पत्नी श्यामाबाई (41) दब गई। परिजनों के द्वारा उसे बाहर निकाला गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

वृद्ध की ट्रेन से कटकर मौत

मंगलपुर। थाना मंगलपुर क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा झीझक के मोहल्ला शंकर गंज कॉलोनी निवासी सियाराम (80) पुत्र स्व. उमराव की खंभा नंबर 1081/12 डाउन लाइन पर संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन से कटकर मौत हो गई। स्टेशन मास्टर की सूचना पर पहुंचे चौकी इंचार्ज झींझक अनुज अवस्थी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिजली के तारों में लगी आग से धमाका, हड़कंप

- जाजमऊ थानाक्षेत्र की घटना, शार्ट सर्किट के कारण हुआ हादसा
- जलते तारों के गिरने से खाली प्लॉट की झाड़ियों में लगी आग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जाजमऊ थानाक्षेत्र के केडीए में तारों में शार्ट सर्किट होने से चिंगारी निकली। जो खाली पड़े प्लॉट की झाड़ियों में जा गिरी। इससे झाड़ी में आग लग गई। केबिल शॉर्ट होने से तेज धमाका होने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया।

जाजमऊ के केडीए स्थित अल शमी नॉनवेज रेस्टोरेंट के बगल में खाली प्लॉट पड़ा हुआ है। इलाके के लोगों ने बताया कि प्लॉट के ऊपर से बिजली की तारें निकली हैं। मंगलवार दोपहर को अचानक केबिल शार्ट होने से जोरदार धमाका हुआ। फिर चिंगारी प्लॉट के अंदर झाड़ियों में जा गिरी। जिससे प्लॉट में आग लग गई। कुछ देर बाद आग की लपटें निकलने पर लोगों को जानकारी हुई तो आस पड़ोस के लोगों ने पंप से पानी डालना शुरू किया। वहीं सूचना पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने करीब बीस मिनट की मशक्कत कर आग को बुझा दिया। इस संबंध में जाजमऊ फायर स्टेशन के अग्निशमन अधिकारी राहुल नंदन ने बताया कि केबिल शार्ट होने से आग लगी थी। जिसे बुझा दिया गया है, किसी प्रकार की कोई हताहत नहीं है।

वेबसाइट पर स्कोर कार्ड हुए लाइव

कानपुर। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट यूजी रिजल्ट जारी कर दिया है। रिजल्ट लिंक एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर एक्टिव किया गया है। आनलाइन परिणाम जानने को अभ्यर्थी जुटे रहे।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने मंगलवार को नीट परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इसकी सूचना एक्स पर दी है। इस साल 13.16 लाख बच्चों ने नीट परीक्षा पास की है। करीब 24 लाख बच्चों ने नीट यूजी यानी मेडिकल की प्रवेश परीक्षा दी है। नीट यूजी परीक्षा 2024 में शामिल हुए लाखों अभ्यर्थी वेबसाइट पर डायरेक्ट लिंक के जरिए अपने मार्क्स चेक कर सकते हैं।

रिजल्ट की जांच के लिए उम्मीदवारों को एप्लिकेशन नंबर और पासवर्ड का इस्तेमाल करना होगा। रिजल्ट के साथ नीट यूजी कट-ऑफ भी जारी किया है। इस साल सभी श्रेणियों के लिए नीट 2024 कटऑफ बढ़ा दी गई है।

सूरज का मिजाज नरम नहीं, पारा 43 के पार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : हीट वेव के चलते मंगलवार को पारा 43 के पार पहुंच गया। सीएसए के मौसम विभाग की माने तो अधिकतम तापमान सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस ऊपर चढ़कर 43.4 डि. से. रिकार्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिक ने बताया की 08 जून तक अधिकतम तापमान 43 डि.से. के आसपास रहने की संभावना है।

बता दें नौतपा के बाद भी हीट वेव बरकरार हैं। सुबह से ही चटख धूप लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही थी। भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों को चलते दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा था। सुबह 11 बजे के पास पारा 36 डिग्री के ऊपर पहुंच गया था। दोपहर 2 बजे तापमान 42 डिग्री के ऊपर था।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डा. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि न्यूनतम तापमान भी सामान्य से 0.1 डिग्री ऊपर चढ़कर 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बदली के चलते आर्द्रता अधिकतम 46 एवं न्यूनतम 20 प्रतिशत रिकार्ड की गई। लू के थपेड़े औसतन 5.5 किलोमीटर की रफ्तार से चले। डा. पांडेय ने बताया कि बदली की संभावना है लेकिन आगामी पांच दिनों तक तापमान सामान्य से अधिक रहेगा।

धूप जलाने लगी है, चेहरा बचाओ और सिर ढको। अमृत विचार

ट्रेन में युवक की मौत, हीटस्ट्रोक की आशंका

कानपुर। सोमवार को एक यात्री की ट्रेन में भीड़ में हालत बिगड़ गई। उसे कानपुर सेंट्रल पर उतारा गया जहां उसने दम तोड़ दिया। जिला बांदा के थाना भिसंड़ा ग्राम बेलदान निवासी बैरिया का 27 वर्षीय पुत्र विक्रम हरियाणा में एक फैक्ट्री में काम करता था। छोटे भाई अमर ने बताया कि सोमवार को वह गोरखधाम ट्रेन से कानपुर लौट रहा था। ट्रेन में अत्यधिक भीड़ होने के कारण वह बाथरूम के पास जाकर बैठ गया। जहां उसकी तबियत बिगड़ गई। कानपुर सेंट्रल पहुंचते ही उसने ट्रेन में दम तोड़ दिया। जीआरपी उसे उतारकर अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टर ने हीटस्ट्रोक से मौत की आशंका जताई।

गैराज में बिगड़ी अधेड़ की हालत, मौत

कानपुर। नजीराबाद थानाक्षेत्र के कौशलपुरी में रहने वाले 58 वर्षीय सुखदेव दर्शनपुरवा में एक गैराज में कम करते थे। परिजनों ने बताया कि सोमवार शाम को उनकी हालत बिगड़ी और मौत हो गई। गैराज में काम करने वाले लोग उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

गश खाकर गिरा अधेड़

हरबंश मोहाल थानाक्षेत्र के सुतरखाना निवासी 51 वर्षीय राघवेंद्र मिश्रा घर पर गश खाकर गिर गए। परिजन अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बड़े भाई सुशील मिश्रा का कहना था गर्मी से मौत की आशंका है।

सूने पड़े घर से नकदी, जेवर ले गए चोर

संदलपुर। संदलपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम कौरु फरहदपुर निवासी आशीष कुमार ने संदलपुर चौकी पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह परिवार सहित दिल्ली में रहता है। बीते सोमवार की रात चोरों ने सारा जेवर, करीब 12000 रुपये सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। मोहल्ले के लोगों के जरिए घटना की जानकारी हुई। इस बाबत में संदलपुर चौकी इंचार्ज कौशल कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है

किशोरी से रेप के दोषी को 10 साल की सजा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। किशोरी से रेप करने वाले युवक को एडीजे 13 की कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई। नौबस्ता थानक्षेत्र निवासी किशोरी के मुताबिक कर्रही, मालवीय नगर निवासी आकाश शर्मा ने 2014 में अपनी मां से मिलवाने का झांसा देकर उसे अपने घर बुलाया और कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ रेप किया। आकाश ने उसका अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करके कई बार रेप किया। विरोध करने पर उसे तेजाब से जला कर मारने की धमकी दी। पीड़िता ने नौबस्ता थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामला एडीजे 13 सुरेंद्र पाल सिंह की कोर्ट में विचाराधीन था। विशेष लोक अभियोजक चंद्रकांत शर्मा ने बताया कि कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 10 साल का कारावास व 8 हजार रुपये जुर्माना लगाया।

पार्ट टाइम जॉब के नाम पर युवक से ठगे लाखों

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चमनगंज थानाक्षेत्र में साइबर ठग ने युवक को पार्ट टाइम जॉब के नाम पर चार लाख रुपये खाते से पार कर दिए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

चमनगंज निवासी मुजीब आलम नोएडा में प्राइवेट जॉब करते हैं। उनके अनुसार जनवरी 2024 में उनके पास एक नंबर से मैसेज आया था। जिसमें ऑनलाइन पार्ट टाइम जॉब की बात कही गई थी, जिसमें इंस्टाग्राम पर पोस्ट को लाइक करने का टॉस्क था। इस पर वह राजी को गए और काम शुरू कर दिया। शुरू में तो उन्हें रुपये मिले इसके बाद आरोपियों ने टॉस्क के नाम पर उनसे खाते में एक लाख रुपये जमा कराए। उन्होंने आठ बार में करीब 4.15 लाख रुपये आरोपियों के खाते में जमा कर दिये। इसके बाद आरोपियों ने अपना नंबर बंद कर दिया। इस पर उन्हें अपने साथ ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर सेल व चमनगंज थाने में की।

युवक के नाम से लिया फर्जी लोन, रिपोर्ट

कानपुर। छावनी थानाक्षेत्र में आरोपी ने एक युवक के नाम से फाइनेंस कंपनी से 15 लाख का फर्जी लोन ले लिया। लोन की किस्त जमा न करने पर कंपनी के रिकवरी एजेंट और अधिकारी धमकाने लगे। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। छावनी निवासी रोहन अग्रवाल के अनुसार उनके नाम और फर्जी दस्तावेज का दुरुपयोग कर आरोपी मनीष अग्रवाल नाम के युवक ने एक फाइनेंस कंपनी से 15 लाख का लोन करा लिया। इसके बाद जब किस्तों को भरने के लिए 23 मई से पीड़ित रोहन के पास फोन आने लगा तो उन्हें लोन होने की जानकारी हुई। कंपनी के रिकवरी एजेंट विक्रांत राना, विवेक ओबराय, शिवानी समेत अन्य लोग उन्हें व उनके रिश्तेदारों को फोन करके परेशान कर रहे हैं। गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी तक देते हैं। इस संबंध में छावनी थाना प्रभारी कमलेश राय ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

योजना रेलवे बोर्ड की फाटक मुक्त भारत योजना के तहत एक तिहाई गेट किए जा चुके बंद

दिल्ली-हावड़ा रूट पर मिलेगी 160 की रफ्तार

- गाजियाबाद से मुगलसराय तक ट्रैक किनारे दीवार खींचने का 70 प्रतिशत काम पूरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रेलवे बोर्ड ने दिल्ली से हावड़ा के बीच 160 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से ट्रेनों को दौड़ाने के लिए गाजियाबाद से कानपुर होते हुए हावड़ा तक सभी क्रासिंग के फाटक खत्म करने के लिए फाटक मुक्त भारत अभियान लागू किया है। उत्तर मध्य जोन में गाजियाबाद से कानपुर होते हुए मुगलसराय तक लगभग 765 रेलवे फाटक हैं, इनमें 270 से अधिक फाटक बंद किए जा चुके हैं या उन्हें खत्म करने का काम शुरू किया जा चुका है। आवागमन के लिए इन फाटकों के नीचे सब-वे या उपरिगामी पुल बनाए जा रहे हैं।

दिल्ली-हावड़ा मुख्य रेल मार्ग पर ट्रेनों को तेज गति देने के लिए ट्रैक के दोनों ओर रेलवे फाटक खत्म करके दीवार खींचने का काम तेजी से चल रहा है। गाजियाबाद से कानपुर होते हुए मुगलसराय तक ट्रैक किनारे दीवार खींचने का 70 प्रतिशत काम लगभग पूरा हो चुका है। इससे ट्रेन दौड़ने के दौरान कोई जानवर आदि ट्रैक पर आने की आशंका समाप्त हो जाएगी।

वंदे भारत जैसी ट्रेनें नहीं भर पा रहीं फर्राटा

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल हाई स्पीड वाली ट्रेनों को गति देने का काम वर्ष 2024 के अंत तक पूरा करने का प्रयास है, इसके लिए रेलवे ने फिलहाल दो रुटों का चयन किया है। पहला रूट गाजियाबाद से मुगलसराय और दूसरा रूट दिल्ली से मुंबई है। वंदे भारत ट्रेनों की 160 किमी प्रति घंटा चलाने की घोषणा तो की गई है लेकिन अभी यह मिशन पूरा नहीं हो पा रहा है, लेकिन पुराने ट्रैक बदलने, फाटकों को खत्म करने, दीवार खींचने जैसे कार्यों को पूरा किए जाने के बाद वांछित गति प्राप्त की जा सकेगी।

दिल्ली हावड़ा ट्रैक पर दौड़ रहीं 300 ट्रेनें, डेढ़ लाख यात्री

- कानपुर होते हुए दिल्ली-हावड़ा के बीच प्रतिदिन 300 से अधिक सवारी गाड़ियां दौड़ रही हैं और इन ट्रेनों से प्रतिदिन डेढ़ लाख यात्रियों का आवागमन है। ट्रेनों की संख्या अधिक होने के कारण रेल की पटरी का मेंटीनेंस भी नहीं हो पाता है।

क्या बोले अधिकारी

रेलवे बोर्ड ने फाटक मुक्त भारत योजना लागू की है। इसके तहत दो रुटों पर 160 किमी प्रति घंटा की गति से ट्रेनों को चलाने के लिए ट्रैक के दोनों ओर 70 प्रतिशत दीवार खींची जा चुकी है। मुख्य रेल मार्गों से फाटकों को हटाने का काम चल रहा है। जहां जहां घनी आबादी है, वहां हादसों का खतरा रहता है, इसलिए ट्रैक को सुरक्षित किया जा रहा है। - **हिमांशु शेखर, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी**

मार्निंग वॉक पर निकले वृद्ध की चेन लूट ली

कानपुर। चकेरी के अहिरवां में मंगलवार तड़के मार्निंग वॉक पर निकले वृद्ध से बाइक सवार लुटेरों ने चेन लूट ली और भाग निकले। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी में आरोपी कैद हुए हैं।

अहिरवां के विराट नगर निवासी 62 वर्षीय सुरेश चंद्र कुशवाहा ने बताया कि मंगलवार तड़के करीब 5 बजे वह जीटी रोड के किनारे वॉक कर रहे थे।

तभी पीछे से एक बाइक में सवार दो युवक उनके आगे निकले और रुक गये। जब वह उनके करीब पहुंचे तो पीछे बैठा युवक उतरा और धक्का देकर उनकी सोने की चेन तोड़ ली। लुटेरे रामादेवी चौराहे की तरफ भाग निकले। उन्होंने बताया कि बाइक चला रहा आरोपी हेलमेट पहने था और पीछे बैठा युवक मुंह पर गमछा लपेटे था।

सार-संक्षेप

परिणाम देखने के लिए टीवी के सामने बैठे रहे लोग

राजपुर, कानपुर देहात। लोकसभा चुनाव परिणाम को लेकर ग्रामीण इलाके में लोग टीवी से चिपके रहे। इस कारण सड़कों पर सन्नाटा रहा। परिणाम को लेकर लोगों ने णेनरेटर तक का इंतजाम रखा। मंगलवार को लोकसभा चुनाव परिणाम जानने के लिए लोग सुबह 8 बजे से टीवी के सामने बैठ गए। राजपुर व सिकन्दरा में इलेक्ट्रिक दुकानों पर लगी टीवी पर लोग नजर गड़ाए रहे। पान की गुमटी पर आते-जाते लोग रुककर टीवी पर परिणाम देखने नजर आए। चुनाव परिणाम के रुझान में एक्जिट पोल के जैसे ही परिणाम आने शुरू हुए गठबंधन के समर्थकों के चेहरे खुशी से खिल उठे। वही भाजपा समर्थक मायूस नजर आए। ग्रामीण सबसे ज्यादा इटावा लोकसभा परिणाम के जानने के लिए उत्सुक दिखे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी, कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी, राजनाथ सिंह, सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चुनाव परिणाम जानने को लोग उत्सुक रहे।

देवेंद्र सिंह भोले की जीत पर मनाया जश्न

रनिया। अकबरपुर-रनिया लोकसभा सीट के चुनाव परिणाम आने के बाद जीत की हैट्रिक लगाने वाले देवेंद्र सिंह भोले की जीत पर कस्बा रनिया में भाजपाइयों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कर जीत की बधाई दी। वहीं रनिया के प्रमुख समाजसेवी अभिषेक सिंह के आवास में मतदाताओं का आभार व्यक्त किया गया। अकबरपुर रनिया के लोकप्रिय सांसद देवेंद्र सिंह भोले की तीसरी बार जीतने की खबर आते ही कस्बा रनिया के प्रमुख समाजसेवी पप्पू चंदेल के आवास पर भाजपाइयों ने एकत्र होकर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और चिटिकपुर चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ता अभिषेक सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं रनिया बाजार में मंडल अध्यक्ष सुनील शर्मा की अगुवाई में लड्डू वितरण किया गया। पिंकू भैया, महेश त्रिवेदी एडवोकेट, दीपक तिवारी, सुप्रीत यादव, रवि प्रताप, उपेंद्र चंदेल, अजय सिंह, मो. आरिफ, छोटे शुक्ला, सुरेंद्र भदौरिया, शिवम शुक्ला, शैलेश यादव, अमित सिंह, शिवांक गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार
www.amritvichar.com

क्षिप्रं विजानाति चिरं शृणोति विज्ञाय चार्थं भते न कामात्।
नासम्पृष्टो व्युपयुङ्क्ते परार्थे तत् प्रज्ञानं प्रथमं पण्डितस्य ॥

ज्ञानी लोग किसी भी विषय को शीघ्र समझ लेते हैं, लेकिन उसे धैर्यपूर्वक देर तक सुनते रहते हैं। किसी भी कार्य को कर्तव्य समझकर करते है, कामना समझकर नहीं और व्यर्थ किसी के विषय में बात नहीं करते।

संपादकीय

जनता की जीत

लोकसभा चुनाव 2024 के चुनावों की मतगणना जारी है। मतगणना में सामने आए रुझान और नतीजों से देश के मौजूदा राजनीतिक हालात की बनती तस्वीर नजर आ रही है। इंडिया गठबंधन ऊर्जा और उत्साह से भर गया है। उत्तर प्रदेश ने सबको चौंकाया है। अखिलेश यादव दमदार नेता साबित हुए। प्रदेश से इस तरह के परिणाम मिलेंगे, इस बात का आंकलन तो भाजपा के विरोधियों को भी नहीं था। जबकि एक्जिट पोल्स ने जो रूझान दिखाए, तकरीबन सभी एक स्वर में फिर से भाजपा की बड़ी जीत के अनुमान लगा रहे थे। नतीजों ने राजनीति के साथ-साथ जनता के बदलते मिजाज को भी रेखांकित किया है। चुनाव परिणाम कायदे से जनता को विजेता बना रहे हैं। लगभग डेढ़ वर्ष पहले तक जिन मोदी एवं भाजपा के लिए 2024 का चुनाव बेहद आसान माना जाता था, उसकी तस्वीर राहुल गांधी की यात्राओं ने बदल दी। भाजपा के मुकाबले चेहरे, विमर्श तथा संगठन तीनों ही स्तरों पर विकल्प तैयार हुए। इतना ही नहीं, संयुक्त विपक्ष भी खड़ा हुआ। साथ ही अजेय होने का मिथ टूटा। परिणाम साबित कर रहे हैं कि देश लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए संकल्पित है। संविधान को बदलने की भाजपा की मंशा का नैरेटिव जो विपक्ष ने तय किया, उसके जरिए बाबा साहेब आंबेडकर के नाम पर दलित समाज को भावनात्मक रूप से जोड़ने की कोशिश की गई, जो सफल होती नजर आई। विपक्ष के इस दांव ने बसपा के उस दलित वोट बैंक को अपनी ओर शिफ्ट करा लिया जो पिछले चुनावों में भाजपा के साथ खड़ा रहता था।

इस बार चुनाव जिस तरीके से लड़ा गया, वह कई सवाल खड़े करता है। देश के इतिहास में यह पहला चुनाव है जिनमें कई घटनाएं पहली बार हुईं। इससे पहले किसी चुनाव में इतने झूठ नहीं बोले गए थे। चुनाव में नेताओं का बड़बोलापन ही दिखता रहा। सैकड़ों अरब खर्च करने के बावजूद देश में पिछली बार से औसतन वोट कम क्यों पड़े? चुनाव नतीजों से देखना यह है कि भारत ने अपनी भारतीयता को कितना बचाकर रखा है और अभी 'भारतीय पुनर्निर्माण' के लिए आत्मनिरीक्षण, आत्मसुधार और संघर्ष करना कितना बाकी है। एक बड़ी समवेत आवाज बनने को आगे का रास्ता कैसे तय करते हैं। चुनाव के आंकड़े से ज्यादा महत्वपूर्ण है देश की विविधता, सामाजिक न्याय और बौद्धिक स्वतंत्रता की रक्षा। इस दृष्टि से कहा जा सकता है कि आज के नतीजे हम सब के लिए अच्छा संदेश है।

खेतों से उजड़ते पेड़, मानवीय अस्तित्व पर खतरा

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजड़ा क्यों? यह किसान भलीभांति जानता है कि खेत कि मेढ़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है, पानी संचयन, पत्ते और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात- खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का एहसास।

न तो अब खेतों में कोयल की कूक सुनाई देती है और न ही सावन के झूले पड़ते हैं। यदि फसल को किसी आपदा का ग्रहण लग जाए तो आय का जरिया होने वाले फल भी गायब हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका "नेचर सस्टैनबिलिटी" में 15 मई 2024 को प्रकाशित आलेख बताता है कि भारत में खेतों में पेड़ लगाने की परंपरा अब समाप्त हो रही है। कृषि-वानिकी का मेलजोल कभी भारत के किसानों की ताकत था। देश के कई पर्व-त्योहार, लोकाचार, गीत- संगीत खेतों में खड़े पेड़ों के इर्द गिर्द रहे हैं। मार्टिन ब्रांट, दिमित्री गोमिंस्की, फ्लोरियन रेनर, अंकित करिरिया, वेंकन्ना बाबू गुथुला, फ़िलिप सियाइस, ज़ियाओये टोंग, वेनमिन झांग, धनपाल गोविंदराजुलु, डैनियल ऑर्टिज़-गोंज़ालो और रासमस फेंशोल्टन के बड़े दल ने भारत के विभिन्न हिस्सों में आंचलिक क्षेत्रों में जा कर शोध कर पाया कि अब खेत किनारे छाया मिलन मुश्किल है। इसके कई विषम परिणाम खेत झेल रहा है।

जब देश में बढ़ता तापमान व्यापक समस्या के रूप में सामने खड़ा है और सभी जानते हैं कि धरती पर अधिक से अधिक हरियाली की छतरी ही इससे बचाव का जरिया है। ऐसे में इस शोध का यह परिणाम गंभीर चेतावनी है कि बीते पांच वर्षों में हमारे खेतों से 53 लाख फलदार व छायादार पेड़ गायब हो गए हैं। इनमें नीम, जामुन, महुआ और कटहल जैसे पेड़ प्रमुख हैं।

इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे। बहुत जगहों पर तो खेतों में मौजूद आधे पेड़ गायब हो चुके हैं। अध्ययन से यह भी पता चला है कि 2018 से 2022 के बीच करीब 53 लाख पेड़ खेतों से अदृश्य थे। यानी इस दौरान हर किमी क्षेत्र से औसतन 2.7 पेड़ नदारद मिले। वहीं कुछ क्षेत्रों में तो हर किमी क्षेत्र से 50 तक पेड़ गायब हो चुके हैं।

इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे।

यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजड़ा क्यों? यह किसान भलीभांति जानता है कि खेत कि मेढ़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है, पानी संचयन, पत्ते और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात-खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का एहसास। इन पेड़ों पर पक्षियों का बसेरा भी रहता था। जो फसलों में लगने वाले कीट-पतंगों से रक्षा करते थे। फसलों को नुकसान करने वाले कीटाणु सबसे पहले मेड़ के पेड़ पर ही बैठते हैं। उन पेड़ों पर दवाओं को छिड़काव कर दिया जाए तो फसलों पर छिड़काव करने से बचत हो सकती है। जलावन, फल- फूल से अतिरिक्त आय तो है ही।

इसके बावजूद नीम, महुआ, जामुन, कटहल, खेजड़ी (शमी), बबूल, शीशम, करोई, नारियल आदि जैसे बहुउद्देशीय पेड़ों का काटा जाना, जिनका मुकुट 67 वर्ग मीटर या उससे अधिक था, किसान की किसी बड़ी मजबूरी की तरफ इशारा करता हैं। एक बात समझनी होगी कि हमारे यहां तेजी से खेती का रकबा कम होता जा रहा है। एक तो घरों में ही खेती की जमीन का बंटवारा हुआ, फिर लोगों ने समय-समय पर व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए खेतों को बेचा। आज से पचास साल पहले 1970-71 तक देश के कुल किसानों में से आधे किसान सीमांत थे। सीमांत यानि जिनके पास एक हेक्टेयर या उससे काम जमीन हो। 2015-16 आते-आते सीमांत किसान बढ़कर 68 प्रतिशत हो गए हैं। अनुमान यही आज इनकी संख्या 75 फीसदी है। सरकारी आंकड़ा कहता है कि सीमांत किसानों की औसत खेती 0.4 हेक्टेयर से घटकर 0.38 हेक्टेयर रह गई है। ऐसा ही छोटे, अर्ध मध्यम और मझोले किसान के साथ हुआ। कम जोत का सीधा असर किसानों की आय पर पड़ा है। अब वह जमीन के छोटे से टुकड़े पर अधिक कमाई चाहता है तो उसने पहले खेत की चौड़ी मेंढ़ को ही तोड़ डाला। इसके चलते वहां लगे पेड़ कटे। उसे लगा कि पेड़ के कारण हाल चलाने लायक भूमि और सिकुड़ रही है तो उसने पेड़ पर कुल्हाड़ी चला दी। इस लकड़ी से उसे तात्कालिक कुछ पैसा भी मिल गया। इस तरह घटती जाट का सीधा सर खेत में खड़े पेड़ों पर पड़ा। सरकार खेतों में पेड़ लगाने की योजना, सब्सिडी के पोस्टर छापती रही और किसान अपने काम होते रकबे को थोड़ा सा बढ़ाने की फिराक में धरती के श्रंगार पेड़ों को उजाड़ता रहा। देश में बड़े स्तर पर धान बोने के चस्के ने भी बड़े पेड़ों को नुकसान पहुंचाया। साथ ही खेतों में मशीनों के इस्तेमाल बढ़ने ने भी पेड़ों की बली ली। काई बार भारी भरकम मशीनें खेत की पतली पगडंडी से लाने में पेड़ आड़े आते थे तो तात्कालिक लाभ के लिए उन्हें काट दिया गया।

यह किस से छुपा नहीं हैं कि चरम मौसम की हर अवस्था खेत की फसल को नुकसान पहुंचाती है-अधिक गर्मी में डायना छोटा हो जाता है तो अधिक बरसात में फसल गिर कर सड़ने की संभावना ज्यादा होती है। यदि खेत में छायादार पेड़ हों तो हर चरम मौसम में ये फसल के लिए राहत की निशानी होते हैं। यह कड़वा सच है कि जमीन उपयोग के विस्तार से खेत तो कम होंगे ही, लेकिन पेड़ों का कम होना मानवीय अस्तित्व पर बड़े संकट का आमंत्रण हैं। आज समय की मांग है कि खेतों के आसपास सामुदायिक वानिकी को विकसित किया जाए, जिससे जमीन की उर्वरा, धरती की कोख का पानी और हरियाली का सारा बना रहे।

प्रसंगवश

साहित्य में पर्यावरण चिंतन

पर्यावरण विमर्श आधुनिक जीवन में महत्वपूर्ण और चर्चित विषय है। पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक सौंदर्य, वन्य जीवन, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से संबंधित कहानियां और गीतों का विवेचन भी साहित्य में एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मनुष्य ने अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए आरंभ में प्रकृति को समझने, उसे नियंत्रित करने में और अनुकूल बनाने की कोशिश की। मनुष्य प्रकृति की देखी-अनदेखी शक्तियों से डरा और उसे प्रसन्न करने के लिए उसकी वंदना में ऋचाएं और गीत भी लिख डाले। दुर्दम्य प्रकृति को उसने उस मात्रा में अपने अनुकूल बना लिया जितना कि उसके जीवन रक्षा के लिए आवश्यक था। वेदों की ऋचाएं हो या आदि कवि की वाणी सब में प्रकृति और मनुष्य का सहज संबंध व्यक्त किया गया है। रामायण, महाभारत, कालिदास संस्कृत साहित्य की अन्य महाकाव्यात्मक कलेवर वाली रचनाओं में प्रकृति और मनुष्य का सहज संबंध प्रदर्शित होता नजर आ रहा है। इन्हीं महाकाव्यात्मक कथानकों को आधार बनाकर आधुनिक काल में लिखी गई रचनाओं में जनजीवन और प्रकृति का बदला हुआ संबंध साफ दिखाई देता है।

प्रो. मीना यादव
हिंदी विभाग, बरेली कॉलेज बरेली

आदिकालीन वीर काव्यात्मक रचनाओं में प्रकृति का वर्णन वीर काव्य की पृष्ठभूमि के अनुरूप हुआ है। साथ ही एक दूसरा बड़ा क्षेत्र जीवन की क्षणभंगुरता को दिखाने के लिए प्रकृति को उपदेश की तरह पेश करना है-कबीर आदि भक्त कवियों में यह बखूबी देखा जा सकता है जैसे "माली आवत देखकर कलियां करें पुकार फूली फूली सब चुन लियो काल्ह हमारी बार"।

इसी तरह गर्मी के मौसम की निकटता को प्रकट करने के लिए बिहारी ने लिखा है- "कहलाने एके बसत अहि मयूर, मृग बाध जगत तपोवन सो कियो दीरघ दाघ निदाघ"।

प्रकृति के साथ तालमेल और उत्प्रेरणा का शानदार उदाहरण आधुनिक काल के हिंदी साहित्य का छायावादी काव्य है। यहां प्रकृति सिर्फ लुभाती नहीं है। वह प्रसन्नता तथा सुख-दुख की साथी भर नहीं है। वह प्रेरणा है, बंधन से मुक्ति की। 1930 का भारत जिसमें औपनिवेशिक गुलामी के बंधन में छटपटाता भारत है वही प्रकृति की उन्मुक्तता, बंधनहीनता, आत्मीयता, निराशा पूर्ण वातावरण में आशा और प्रफुल्लता का संचार करती है। मनुष्य को अपने बंधनों से मुक्त होकर स्वतंत्र भाव से जीने की प्रेरणा भी रचनाकारों को प्रकृति से मिली।

प्रकृति का मानवीकरण छायावाद की एक अद्भुत संवृति थी, जो छायावाद में घटित हुई महादेवी वर्मा ने इस विचार को अपने साहित्य में स्थान दिया और नामवर सिंह ने छायावाद शीर्षक से अपनी आलोचना पुस्तक में इसे स्थापित किया। कामायनी (जयशंकर प्रसाद) की चिन्ता प्रकृति और मनुष्य समाज के बीच का बढ़ता असंतुलन है। इसका कारण प्रसाद ने आधुनिक पूंजीवादी सभ्यता के लालच को ठहराया है। प्रसंगवश कहा जाए कि वर्तमान में असीमित पूंजीवादी लालच का दूसरा नाम विकास है। प्रकृति के साथ तालमेल और उत्प्रेरणा का शानदार उदाहरण आधुनिक काल के हिंदी साहित्य का छायावादी काव्य है। प्रकृति का मानवीकरण छायावाद की एक अद्भुत संवृति थी, जो छायावाद में घटित हुई। महादेवी वर्मा ने इस विचार को अपने साहित्य में स्थान दिया और नामवर सिंह ने छायावाद शीर्षक से अपनी आलोचना पुस्तक में इसे स्थापित किया। कामायनी (जयशंकर प्रसाद) की चिन्ता प्रकृति और मनुष्य समाज के बीच का बढ़ता असंतुलन है।

इसका कारण प्रसाद ने आधुनिक पूंजीवादी सभ्यता के लालच को ठहराया है। जीने के लिए जरूरी चीजों से ज्यादा प्रकृति के पास है लेकिन मनुष्य के लालच और मुनाफे के लिए नहीं। लालच से असंतुलित होकर प्रकृति क्रुद्ध रूप धारण करती है और फिर सब कुछ नष्ट हो जाता है। प्रसंगवश कहा जाए कि वर्तमान में असीमित पूंजीवादी लालच का दूसरा नाम विकास है इस कारण हम आज पर्यावरण संतुलन की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। छायावाद के महत्वपूर्ण कवि सुमित्रानंदन पंत प्रकृति के सुकुमार कवि कहलाए तो सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने स्वयं को बसंत का अग्रदूत कहा। नागार्जुन की रचना-वरुण के बेटे, सर्वेश्वर की-कुआनो नदी, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की-भेड़िया, नासिरा शर्मा की-कुइयांजान, काशीनाथ सिंह का-जंगल जातकम, रत्नेश्वर कुमार सिंह की-एक लड़की पानी पानी पर्यावरण के संदर्भ में लिखी गई है। पर्यावरण की समस्या अंतर्राष्ट्रीय समस्या है इस समस्या पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी होते रहते हैं। आज धरातल पर इस दिशा में ठोस कार्य किया जाना बाकी है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता : अर्थ और प्रयोजन

भारतीय संविधान में स्वतंत्रता का अधिकार मूल अधिकारों में शामिल किया गया है, जिसमे भारतीय नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित छह प्रकार की स्वतंत्रता दी गई हैं। संविधानविदों ने कदाचित सोचा होगा कि लोकतांत्रिक पद्धति में विभिन्न राजनैतिक विचारों का प्रादुर्भाव होगा। अतः यह आवश्यक है कि नागरिकों के सोच विचार का स्वागत होना चाहिए जिससे रचनात्मक प्रवृत्ति को बल मिले।

लोकतांत्रिक समाज के लोकतांत्रिक पद्धति के विकास के लिए विचारों का खंडन मंडान, तर्क-वितर्क, आरोप-प्रत्यारोप नकारा नहीं जा सकता परन्तु इसके साथ साथ यह भी अपेक्षित है कि यह सब मर्यादित तरीके से होना चाहिए, संयत भाषा में, सौम्यनसता के साथ, सैद्धांतिक सच को मुखरित करते हुए। प्रयोजन होना चाहिए अपने विचारों के माध्यम से व्यापक हित में रचनात्मक तत्वों को प्रतिस्थापित करना।

आजादी के पूर्व से ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के एक सबल पक्ष के रूप में पत्रकारिता को अनौपचारिक रूप से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में समाज में महत्व मिला जिसका एक गौरवपूर्ण इतिहास और परंपरा रहा है। उम्मीद जगी की पत्रकारिता लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में व्यक्ति, समाज, और विचार के अभिव्यक्ति का प्रमुख कारक बनते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का रक्षक बनेगा। समय की बात है तमाम अन्य मूल्यों के ह्रास के साथ साथ ही पत्रकारिता भी ह्रास के प्रभाव से मुक्त नहीं रह सका। इसका भी जितना राजनीतिकरण, बाजारीकरण हुआ, उतना लोकीकरण नहीं हो पाया।

पत्रकारिता अब जो प्रमुख रूप से मीडिया और सोशल मिडिया के रूप में स्थापित हो गया है। इस इलेक्ट्रानिक युग में, आज सर्वाधिक लांछित किया जा रहा है। इस लांछन से कि यही सबसे अधिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरूपयोग कर रहा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समस्यायों को गंभीर बनाने का प्रयास किया जाता है, समाधानों को भटकाया जाता है, अतिवाद को प्रोत्साहित किया जाता है, सत्य और सार्थक अभिव्यक्ति की उपेक्षा होती है, लोक को दिग्भ्रमित किया जाता है। यह बिडंबना ही है कि जिस पत्रकारिता पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संरक्षण का उत्तरदायित्व रहा है, वही कटघरे में खड़ा किया जा रहा है।

डॉ. चन्द्रविजय चतुर्वेदी
प्रयागराज

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ और प्रयोजन है की वेदनाओं से आहत लोक को करुणा के भाव से समाधान मिले। क्रूर मजाकों का पर्दाफाश हो।

विगत कई वर्षों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न संविधानविदों, राजनीतिज्ञों तथा न्यायविदों के चिंतन का विषय रहा है। समय समय पर इसके अर्थ और प्रयोजन को भी विद्वजनों ने व्याख्यायित भी किया है। यह सच है कि किसी विचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वहीं तक हो सकती है जिससे किसी अन्य के अधिकार, स्वतंत्रता पर न तो प्रहार हो, न ही उसका हनन हो। सामान्य रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अर्थ और प्रयोजन को परिभाषित किया जा सकता है कि सच्चाई और साहस के साथ कल्याणकारी विचारों को सुन्दरतापूर्वक देश के, समाज के समक्ष मुखरित करना। अभिव्यक्ति में न तो निरंकुशता होनी चाहिए न ही मनमानीपन, न ही कुंठा, न अतिवादिता। सत्य सबके लिए एक होता है। एक के लिए जो कल्याणकारी है वह दूसरों के लिए अकल्याणकारी क्यों कर है। सौंदर्यबोध संवेदना की चेतना पर निर्भर करता है। अभिव्यक्ति का आवश्यक कारक है -संवेदनशीलता,सौमनस्यता और समन्वय। स्वतंत्रता एक उत्कृष्ट मूल्य है इसे स्वच्छंदता और अराजकता न बनाया जाए।

आज के परिप्रेक्ष्य में, इस विपत्तिकाल में जब मानव अस्तित्व के संकट से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में मीडिया सोशल मीडिया पर संवेदनहीन अमर्यादित बहसें, वाट्सअप पर अतिवादी अनर्गल प्रसारण, अमानवीयता की पराकाष्ठा है जो संवेदनशीलता, सौमनस्यता, समन्वय पर ही क्रूर प्रहार कर रहे है-फिर क्या शेष बच पाएगा। विपत्ति का राजनीतिकरण सारी मर्यादायों का उल्लंघन करता जा रहा है। निरीह किंकर्तव्यविमूढ़ अन्यान्य वेदनाओं को झेलता लोक समझ नहीं पा रहा है कि उसके साथ कौन यह क्रूर मजाक कर रहा है। समय सब कुछ जानता है वह किसी को क्षमा नहीं करता।

ऐसी स्थिति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ और प्रयोजन है की वेदनाओं से आहत लोक को करुणा के भाव से समाधान मिले। क्रूर मजाकों का पर्दाफाश हो। आसन्न संकट का संवेदनशीलता, सौमनस्यता, समन्वय के साथ सामर्थ्यवान हल ढूंढे।

सोशल फोरम

आत्ममंथन का समय

उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भाजपा की दुर्गति का विश्लेषण चलता रहेगा। मगर तमाम दुरभिसंधियों, दुष्प्रचारों, टूल किटों और बाह्य हस्तक्षेपों के बावजूद एनडीए का राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी गठबंधन की पार्टी के रुप में उभरना कोई कम उपलब्धि नहीं है। एक संकेत स्पष्ट देख रहा हूं कि इस बार वोट जिहाद का फतवा कामयाब हुआ है। इसलिए भाजपा को अभी और दृढ़ता के साथ अपने एजेंडे पर कायम रहना चाहिए। मोदी के नाम पर जिस तरह की आत्ममुग्धता, बेपरवाही भाजपा के पूरे कैडर में व्याप्त है उससे यथाशीघ्र उबरना होगा। उत्तर प्रदेश में प्रत्याशियों के चयन में घोर चूक की गई। स्थानीय नेतृत्व के बजाय जबर्दस्ती प्रत्याशी थोपे गए। अमित शाह द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री की उपेक्षा करके प्रत्याशी उतारे गए, ऐसी चर्चाएं आम जनता में व्याप्त है। कहीं कहीं दूसरे चर्चित और लोकप्रिय प्रत्याशियों को भाजपा के प्रत्याशी के पक्ष में जबरिया बैठा दिया गया। जनता को यह धौंसबाजी पसंद नहीं आई। इस सीमा तक जाने की जरुरत नहीं थी। दुष्परिणाम सामने है। जनता के मनोभावों और नब्ज को पकड़ने में उत्तर प्रदेश में भाजपा से चूक अवश्य हुई है।

डॉ. अरविंद मिश्र
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

संविधान को मोदी बदल देंगे। पिछड़ी जातियों और दलितों का आरक्षण छीन लेगी जैसे अनर्गल प्रचारों की काट कर पाने में भाजपा कैडर पूरी तरह नाकाम रहा। तरह-तरह की गलतबयानियां होती रहीं, फिजां बदलती रही मगर भाजपा कैडर केवल मोदी का चेहरा देखता रहा। न तो होमवर्क किया और न ही ग्राऊंड वर्क। यह भी एक सपाट सत्य है कि भाजपा के साथ अति पिछड़ों और दलित का जो एक बड़ा सपोर्ट था वह उत्तर प्रदेश में उससे खिसक गया। सभी भाजपाई इसी खयाम खयाली में डूबे रहे कि मोदी हैं तो मुमकिन है। बाकी छुट्टे गोवंश से फसलों का नुकसान आदि मुद्दे प्रभावी रहे। बहरहाल जो हुआ सो हुआ। अभी केंद्र में और प्रदेश में भाजपा का शासन ही है। उसे अपनी भूलों से सबक लेकर समर्पित भाव से जनता जनार्दन की सेवा में अभी से जुट जाना चाहिए। 2027 का विधान सभा चुनाव अब लक्ष्य होना चाहिए।

-फेसबुक वॉल से

400 पार: अहंकार पर प्रहार

कुछ काम करने और अधिक भावनात्मक मुद्दे उभार कर, अतिशय प्रचार द्वारा अनिश्चित काल तक देश पर राज्य करने के नरेंद्र मोदी के सपने को ग्रहण लग गया है। उनकी अपनी पार्टी 240 के आसपास सिमट रही है। रही बात एनडीए गठबंधन की, तो राजनीति में कोई स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होता। कोई किसी से मिल सकता है। स्वार्थ सिद्ध होना चाहिए। पर्दे के पीछे की वार्ताओं के दौर शुरू हो गए हैं। ऊंट किस करवट बैठेगा, यह चंद रोज़ में साफ हो जाएगा, किंतु इतना तो स्पष्ट हो ही गया है कि भाजपा का नारा 'अबकी बार, चार सौ पार' ध्वस्त हो गया और मोदी-शाह का अहंकार चूर चूर। यह पार्टी भगवान और धर्म वाली मानी जाती थी। इन्हें यह जान लेना चाहिए था कि भगवान गर्व-प्रहारी हैं। समय समय पर उन्होंने अपने भक्तों के भी अहंकार चूर्ण किए हैं, दैत्यों की कौन कहे। नारद जी को जब अहंकार हुआ कि उन्होंने काम को जीत लिया और सब जगह गाते फिरे, तो शंकर जी ने उन्हें मना किया कि भगवान विष्णु को यह प्रसंग न सुनाना। वे नहीं माने और क्षीरसागर जाकर श्री हरि को अपनी अहंकार मूलक काम विजय कथा सुना ही डाली। बस फिर क्या था भगवान ने गर्व चूर्ण करने की ठान ली-

करुणानिधि मन दीख विचारी। उर अंकुरेउ गर्व तरु भारी/ बेगि सो मैं डारिहउँ उखारी।पन हमार सेवक हितकारी।। वही हुआ। दो तिहाई से ज्यादा बहुमत की कहीं आवश्यकता नहीं होती है। पार्टी ने अधिनायकवाद पनपाया। व्यक्ति पूजा शुरू हो गई। जनता से कहा गया 'समझो हर सीट से मोदी खड़े हैं'। मोदी को भगवान बताने की होड़ लग गई। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि 'पुरी के जगन्नाथ स्वामी भी मोदी के भक्त हैं'। एक कार्यक्रम में एक विशाल माला मोदी के गले में डाली जा रही थी, तो राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा ने भी अपना सिर उसमें डाल दिया। अमित शाह ने तुरंत इशारा किया और इन नेताओं को माला के बाहर सिर करना पड़ा। यह दंभ! पार्टी के एक से एक कद्दावर नेताओं को दूध की मक्खी की तरह तिरस्कृत किया गया। विपक्षी मुख्यमंत्री तक जेल में डाले गए। जिस पर मोदी की निगाह टेढ़ी हुई, उस के पीछे प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और सीबीआई लगाए गए। लोकतंत्र दम तोड़ रहा था। नारा यहां तक दिया गया कि 'मोदी राम को लाए हैं'। अतः अब राम उन्हें लाएंगे'। यानी राम अपने ऊपर किए गए उपकार का बदला देंगे। इस सारे अहंकार को चूर्ण होना ही था। अच्छा हो कि भाजपा अपने संसदीय दल का नेता अब मोदी के अतिरिक्त किसी दूसरे को चुने और तब आगे बढ़े।

करुणानिधि मन दीख विचारी। उर अंकुरेउ गर्व तरु भारी/ बेगि सो मैं डारिहउँ उखारी।पन हमार सेवक हितकारी।। वही हुआ। दो तिहाई से ज्यादा बहुमत की कहीं आवश्यकता नहीं होती है।

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई केन्या से हिमालय में पहुंचे

यदि आप हिमालय क्षेत्र में रहते हैं तो इन दिनों और एक विशेष प्रकार की ड्रैगनफ्लाई हजारों लाखों की संख्या में अपने आस पास उड़ते हुए देख रहे होंगे। यह ड्रैगनफ्लाई इन दिनों अरबों खरबों और उससे भी अधिक संख्या में इन दिनों हिमालय क्षेत्र में प्रवास में आई हुई हैं। बटर फ्लाई शोध संस्थान के निदेशक पीटर स्मैटाचैक बताते हैं कि यह ड्रैगन फ्लाई अपनी चौथी पीढ़ी के रूप में इन दिनों हिमालय क्षेत्र में हैं। बताते हैं कि अभी यह ड्रैगनफ्लाई भारत में केन्या से आई है। अभी इसकी यह पीढ़ी भारत में अंडे देगी और मर जाएगी। अंडों से निकली ड्रैगन फ्लाई फिर केन्या वापस जाएगी। वहां वह पीढ़ी अंडे देगी और वह मर जाएगी। उन अंडों से निकले बच्चे केन्या से दक्षिण अफ्रिका जाएंगे। वहां अंडे देंगे और मर जाएंगे। वहां अंडों से निकले बच्चे केन्या का रूख करते हैं और वहां अंडे देंगे। वहां भी अंडे देने के बाद वह मर जाएगी और वहां अंडों से निकले बच्चे फिर भारत पहुंचेंगे। बताते हैं कि यह चार पीढ़ी में लगभग 25 हजार किमी का सफर तय करते हैं।

राकेश सनवाल
पत्रकार, भीमताल

अमूर फाल्कन से इस ड्रैगन फ्लाई का विशेष संबंधः अमूर फाल्कन बाज़ परिवार का एक छोटा शिकारी पक्षी है। यह दक्षिणी और पूर्वी अफ्रीकी तटों में सर्दियों के लिए भारत और अरब सागर में बड़े झुंडों में प्रवास करने से पहले दक्षिण-पूर्वी साइबेरिया और उत्तरी चीन में प्रजनन करता है। पक्षी विशेषज्ञों के मुताबिक अमूर फाल्कन एक मात्र ऐसा मांसहारी पक्षी है जो कि माइग्रेट करते हुए समुद्र के बीच से भी गुजरती है और ऐसे में भी कभी यात्रा के दौरान नहीं उतरती है। बताते हैं कि अमूर फाल्कन ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई के साथ उड़ान भरती है और रास्ते में इनको खाती है और इसलिए रास्ते भर उसको भोजन मिलता रहता है। बाकी माइग्रेट पक्षी समुद्र के किनारे किनारे माइग्रेट करती हैं।

ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई

दक्षिण भारत में पाई जाने वाली ड्रैगन फ्लाई भी इसी प्रजाति की ड्रैगनफ्लाई है। दक्षिण भारत की यह ड्रैगन फ्लाई माइग्रेट नहीं करती है।

पीटर स्मैटाचैक
निदेशक, बटर फ्लाई शोध संस्थान

उन्नाव में भाजपा की लगातार तीसरी बार बही 'बयार'

❍ भाजपा के साक्षी महाराज ने सपा प्रत्याशी अन्नू टंडन को 37 हजार मतों से हराया ❍ साक्षी महाराज बोले, कार्यों से जनता खुश

लोकसभा चुनाव

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। साक्षी महाराज की जीत के साथ उन्नाव में एक बार फिर से भाजपा की बयार बह चली है। साक्षी ने लोकसभा चुनाव में अपनी प्रतिद्वंदी रहीं इंडिया गठबंधन से सपा की प्रत्याशी अन्नू टंडन को 37 हजार वोटों से हराकर लगातार तीसरी बात जीत दर्ज की है। साक्षी महाराज ने अपनी जीत को जिले में हुए विकास कार्यों से खुश जनता की जीत बताया। उन्होंने कहा कि वे अगले पांच वर्ष भी जिले में विकास कार्यों की नैया को ऐसे ही बहाते रहेंगे। जनता ने उन पर जो भरोसा किया है उसे वे किसी भी हाल में टूटने नहीं देंगे। जीत का अंतर काफी कम होने पर उन्होंने कहा कि जीत के अंतर को लेकर मंथन किया जाएगा।

उन्नाव में भाजपा की टिकट से सन-2014 में चुनाव लड़ने आए साक्षी महाराज ने पहली बार 3 लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज की थी। इसके बाद उन्होंने सन-2019 के लोकसभा चुनाव में अपने इस आंकड़े को पार करते हुए चार लाख से विजय हासिल की। लेकिन, इस बार के चुनाव में वे जीत के अंतर को बढ़ा नहीं सके बल्कि, यह अंतर मात्र 37 हजार वोटों पर सिमट गया। हालांकि, जीत तो जीत होती है। प्रदेश भर में लोकसभा की बड़ी सीटों में भाजपा की करारी हार के बाद अपनी इस जीत से साक्षी महाराज ने यह साबित कर दिया कि वे भाजपा के दिग्गज और जुझारू नेताओं में से एक हैं। साक्षी महाराज ने जीत का प्रमाणपत्र लेने के बाद कहा कि, यह जीत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ के पदचिन्हों पर चलने और जिले को विकास की ओर ले जाने से अपार खुश का अनुभव कर रही जिले की जनता की जीत है।

डीएम गौरांग राठी से जीत का प्रमाणपत्र लेते भाजपा प्रत्याशी साक्षी महाराज। अमृत विचार

पहले चरण से शुरू हुआ जीत का सिलसिला

उन्नाव। भाजपा के प्रत्याशी साक्षी महाराज से अन्नू टंडन की सीधी टक्कर रही। लेकिन वह साक्षी महाराज से एक भी चरण में आगे नहीं हो सकीं। हालांकि लगातार 33 राउंड तक चली मतगणना में वह निकट आतीं गईं लेकिन आगे नहीं निकल सकीं। हालांकि उनकी टक्कर काफी निकट होती गई। 13वें चरण के बाद से जीत का अंतर ज्यादा होता गया जो लगातार 33वें चरण तक बरकरार रहा।

चरणबद्ध मिले वोट

	भाजपा-साक्षी महाराज	सपा- अन्नू टंडन
1.	22320	19389
2	43984	39261
3	64304	59498
4	83915	78477
5	105151	99440
6	124842	119402
7	145533	136648
8	163525	155358
9	184875	175265
10	207450	194162
11	227933	213612
12	250266	232288
13	273497	248827

इसके बाद के चरणों में जीत का अंतर बढ़ता ही चला गया।

पांच प्रत्याशियों को मिले नोटा से कम वोट

उन्नाव। लोकसभा चुनाव में विभिन्न प्रत्याशियों को लड़े गए चुनाव में अपना जो कारनामा दिखाना था वह तो उन्होंने दिखाया ही लेकिन, जिले में इस बार नन आफ द एवव (नोटा) ने भी अपनी जबरदस्त उपस्थिति दर्ज कराई। हालात यह रही कि इस बार चुनावी मैदान में रहे कुछ आठ प्रत्याशियों में से पांच को नोटा ने हरा दिया। यह पांच प्रत्याशी नोटा के बराबर भी वोट नहीं पा सके। बता दें कि उन्नाव में सन-2024 के लोकसभा चुनाव में अन्नू टंडन, अशोक पांडेय, साक्षी महाराज, सैफ खान, हिमांशु शर्मा, उमेश, शिव प्रकाश सिंह व सैय्यद सरफराज गांधी चुनावी मैदान में थे। इसके अलावा मतदाताओं के पास नोटा का भी विकल्प था। इस बार जिले के 9406 वोटरों ने पसंद किया। जबकि, सैफ खान 8379, हिमांशु शर्मा 2650, उमेश 5612, शिव प्रकाश सिंह 4101 व सैय्यद सरफराज गांधी 3011 वोट ही पा सके। वहीं, सिर्फ भाजपा, सपा व बसपा के प्रत्याशी ही नोटा से अधिक वोट पाकर इससे आगे रहने का गौरव हासिल कर सके।

अन्नू लगातार तीसरी बार हारीं

उन्नाव। लोकसभा चुनाव-2024 में एक ओर जहां सांसद साक्षी महाराज ने जीत की हैट्रिक लगाई तो वहीं दूसरी ओर इंडिया गठबंधन से सपा की उम्मीदवार अन्नू टंडन ने लगातार तीसरी बार हार की हैट्रिक लगाई है। हालांकि, वे जिले में लगातार चार बार से लोकसभा का चुनाव लड़ती आ रही हैं। इसमें उन्होंने अपने पहले चुनाव में जीत दर्ज की थी। लेकिन, इसके बाद से उन्हें लगातार तीन चुनावों में पराजय का मुंह देखना पड़ रहा है। बता दें कि अन्नू टंडन ने अपना पहला चुनाव सन-2009 में कांग्रेस से लड़ा था। जिसमें उन्होंने रेकार्ड मतों से जीत दर्ज की थी। पांच साल तक सांसद रहने के बाद सन-2014 में मोदी की सुनामी में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके बाद अन्नू टंडन ने सन-2019 में भी लोकसभा चुनाव के समर में उतरकर खुद को लड़ाई में बनाए रखा लेकिन, लगातार दूसरी बार भाजपा से चुनाव लड़ रहे साक्षी महाराज अपने सभी प्रतिद्वंदियों को पटखनी देते हुए लोकसभा पहुंच गए थे।

सड़क पर पसरा रहा सन्नाटा। अमृत विचार

बाजारों में ग्राहकों का टोटा कार्यालय भी रहे सूने

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। मतों की गिनती के चलते कार्यालयों में सन्नाटा पसरा रहा। कार्यालय पहुंचे कर्मचारी चुनाव परिणामों की जानकारी करने में व्यस्त रहे। इसी तरह बाजारों में भी ग्राहकों की आवक न रहने से जहां छोटे व मध्यम कारोबारियों ने प्रतिष्ठान बंद रखे। वहीं खुले प्रतिष्ठानों पर सभी न्यूज चैनल्स पर चुनाव परिणाम देखते रहे।

मंगलवार को मतगणना से मुक्त रहे कर्मचारी सुबह कार्यालय तो पहुंचे, लेकिन विभागाध्यक्षों के मौजूद न होने से उपस्थिति दर्ज करा कुछ ने घरों की राह पकड़ ली। वहीं कार्यालयों में मौजूद रहने वाले कर्मचारी फोन सहित अन्य माध्यमों से चुनाव परिणाम प्राप्त करने में व्यस्त रहे। लोकसभा चुनाव परिणामों में प्रदेश में भाजपा को हुई क्षति के लिए कर्मचारी एनपीएस को जिम्मेदार ठहराते रहे। बातचीत के दौरान अधिकांश कर्मचारियों ने दावा किया ओपीएस बहाल कर भाजपा इस नुकसान को रोक सकती थी। मतों की गिनती के चलते प्रशासनिक निर्देशों पर देशी-अंग्रजी शराब की दुकानों पर ताला बंदी रही। इन ठेकों के बंद रहते आसपास चाय-पान सहित अन्य दुकानें भी बंद रहीं। वैसे मंगलवार बाजार बंदी का दिन है, लेकिन शहर की अधिकांश दुकानें बंदी के दिन भी खुली रहती हैं। मतगणना होने से आमतौर पर मंगलवार को दुकान खोलने वालों ने भी बंदी रखकर घरों में टीवी चैनल देखते हुए परिणामों की घोषणा देखी। दुकानों पर चुनाव परिणामों को लेकर टीवी पर दिखाए जाने वाले कार्यक्रम भी लोग देखते रहे।

कृष्ण देव, देवी बक्श लगा चुके हैं हैट्रिक

- 1952-विश्वम्भर दयालु त्रिपाठी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- 1957-विश्वम्भर दयालु त्रिपाठी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- 1960-लीलाधर अस्थाना-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- 1962-कृष्ण देव त्रिपाठी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- 1967-कृष्ण देव त्रिपाठी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- 1971-कृष्ण देव त्रिपाठी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- 1977-राघवेन्द्र सिंह-जनता पार्टी
- 1980-जियाउर रहमान अंसारी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- 1984-जियाउर रहमान अंसारी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- 1989-अनवर अहमद-जनता दल
- 1991-देवी बक्श सिंह-भारतीय जनता पार्टी
- 1996-देवी बक्श सिंह-भारतीय जनता पार्टी
- 1998-देवी बक्श सिंह-भारतीय जनता पार्टी
- 1999-दीपक कुमार-समाजवादी पार्टी
- 2004-ब्रजेश पाठक-बहुजन समाज पार्टी
- 2009-अन्नू टंडन-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- 2014-साक्षी महाराज-भारतीय जनता पार्टी
- 2019-साक्षी महाराज-भारतीय जनता पार्टी

बसपा ने नहीं लगाया 'दम', भाजपा को लाभ

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। उन्नाव संसदीय सीट पर हुए सीधे मुकाबले ने भाजपा प्रत्याशी साक्षी महाराज को जीत की हैट्रिक बनाना सुनिश्चित करा दिया। हालांकि, बसपा प्रत्याशी अशोक पांडेय मुख्य मुकाबले में शामिल होकर भाजपा उम्मीदवार की मुश्किलें बढ़ा सकते थे लेकिन, नामांकन के बाद उनका चुनावी प्रचार ऊपर जाने के बजाय नीचे ही जाता रहा। इससे जिले में बसपा का कैडर वोट इंडिया गठबंधन प्रत्याशी अन्नू टंडन के पक्ष में शिफ्ट होने के बाद भी उन्हें जीत नहीं दिला सका। बता दें कि वर्ष-2004 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश के मौजूदा उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बसपा से जिले में जीत दर्ज कर यह साबित कर चुके हैं कि जिले में बसपा का खासा बेस वोट है। इसके अलावा बसपा अपने स्वर्णिम काल में सदर, बांगरमऊ, भगवंतनगर व पुरवा विधानसभा सीटें भी जीत चुकी है। जबकि जिले की सफीपुर व मोहान विधानसभा सीटें आरक्षित हैं। इस बार विभिन्न अखबारों में संपादक रह चुके और जिले में महाविद्यालय संचालित कर रहे परिवार के अशोक पांडेय ने बसपा से अपनी प्रत्याशिता तो घोषित करा ली लेकिन, वह प्रचार अभियान के दौरान खुद को मुख्य मुकाबले वाला उम्मीदवार साबित करने में असफल रहे। इसीलिए लोकसभा चुनाव में वह मत प्राप्त करने की प्रतिस्पर्धा में तीसरे नंबर पर सीमित होकर रह गए। बसपा प्रत्याशी का चुनावी रथ न दिखने से जहां पार्टी के आधार अनुसूचित जातियों के मतदाताओं का बड़ा हिस्सा इंडिया गठबंधन से सपा प्रत्याशी के पक्ष में शिफ्ट हो गया। वहीं उनके सजातीय मतदाता देश में ईमानदार सरकार गठन के नाम पर न चाहते हुए भी भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित कराने वाला ईवीएम का बटन दबाते रहे। इसके चलते वे न तो जिले के आरक्षित विधानसभा क्षेत्रों में कोई करिश्मा दिखा सके और न ही अन्य चार विधानसभा क्षेत्रों में ही कोई गुल खिला सके।

- **वर्ष 2004 के चुनाव में प्रदेश के मौजूदा उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बसपा से जीते थे**

साक्षी की जीत पर जमकर आतिशबाजी

संवाददाता शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। भाजपा प्रत्याशी साक्षी महाराज की उन्नाव जिले से जीत की हैट्रिक होने पर मंगलवार शाम जगह-जगह भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया। इसके साथ ही आतिशबाजी भी छुड़ाई।

भाजपा के प्रत्याशी साक्षी महाराज ने सपा की अन्नू टंडन को हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल की। जिस पर गोपीनाथपुरम स्थित पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे के कार्यालय में प्रतिनिधि संदीप पांडे ने लड्डू बांटे। इस दौरान आने जाने वाले लोगों का मुंह मीठा कराया। इस मौके पर आशीष अग्रवाल, रिंकू बाजपेई, अनुराग बाजपेई, सौरभ तिवारी, अमन शुक्ला, आदर्श अवस्थी, राम प्रकाश मिश्रा, ओम तिवारी, शशांक सिंह, अमन गौतम मौजूद रहे। इसके अलावा अंबिकापुरम के सामने केडी त्रिवेदी, गोल्डी गुप्ता दुर्गा तिवारी, रचित दीक्षित, अशोक पांडे, अवनीश त्रिवेदी, हर्षित दीक्षित, राकेश यादव, बब्लू पांडेय, अनिल निषाद, जलज शुक्ला, सौरभ पांडे ने लड्डू बांट का आतिशबाजी छुड़ाई। इसके अलावा सैनिक प्रकोष्ठ के विजय तिवारी, संजय तिवारी, अंकुर शुक्ला, आदित्य त्रिपाठी, जय सिंह कुशवाहा, अवनीश शुक्ला, जैनेन्द्र शुक्ला, विनय तिवारी, विकास मिश्रा, अमरेन्द्र गुप्ता, सुरेश शुक्ला ने भी खुशी जाहिर की।

साक्षी महाराज की जीत पर खुशी मनाते भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी। अमृत विचार

मतगणना को लेकर चौकन्ना रही पुलिस, आईजी ने लिया जायजा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव की मतगणना के लिए पुलिस ने मतगणना स्थल पर कड़ी सुरक्षा की व्यवस्था की थी। केवल पास धारकों को ही मतगणना स्थल में प्रवेश की अनुमति दी गई।

उन्हें भी सघन तलाशी के बाद प्रवेश दिया गया। गिनती शुरू होने बाद से ही भाजपा व सपा में कांटे की टक्कर के बाद पुलिस और सतर्क हो गई। माहौल न बिगड़े इसके लिए पुलिस अधिकारी लगातार सक्रिय रहे। दोपहर में आईजी लखनऊ जोन तरुण गाबा भी मतगणना स्थल पहुंचे और निरीक्षण किया। उन्होंने मातहतों को निर्देश दिए कि काउंटिंग समाप्ति के बाद भी सभी थानेदार अपने क्षेत्रों में सतर्कता बरतें। जिससे प्रत्याशियों के समर्थकों में टकराव की स्थित उत्पन्न न हो साथ ही विजय जुलूस न निकालने देने के भी निर्देश दिए।

मातहतों को निर्देशित करते आईजी तरुण गाबा। अमृत विचार

वीवीपैट की पर्चियों से गिनती की रही चर्चा

उन्नाव। लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान जिले भर में पड़े वोटों की ईवीएम को दही चौकी स्थित वेयर हाउस में रखवाया गया था। जिनमें पड़े मतों की गिनती मंगलवार को की गई। इस दौरान सोशल मीडिया में कुल सात ईवीएम के खराब होने की खबर अचानक वायरल हो गई। इसके साथ यह भी सूचना वायरल रही कि ईवीएम के खराब होने पर इसके साथ लगाई गई वीवीपैट की पर्चियों की गिनती कर मतों का मिलान किया गया। हालांकि, अमृत विचार ऐसे किसी वायरल खबर की पुष्टि नहीं करता है। वहीं, दूसरी ओर जिला प्रशासन ने भी ऐसी किसी सूचना या खबर की पुष्टि नहीं की।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न, बांटी मिठाई

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत पर कार्यकर्ताओं ने खुशी में एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। प्रशासनिक सख्ती और कम मतों के अंतर से मिली जीत के चलते कहीं जुलूस नहीं निकाला गया।

शहर के भाजपाइयों में सुबह तो उत्साह दिखा लेकिन, मतों की गिनती आगे बढ़ने के साथ भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में निराशा घर करती रही। साथ ही राजग गठबंधन में शामिल दलों के छिटककर इंडिया गठबंधन में शामिल होने की आशंका जताए जाते ही वह और अधिक निराश हो गए। आमतौर पर राजनैतिक लोग निर्वाचित होने के बाद अधिक से अधिक भीड़ से होकर गुजरते हैं। लेकिन शहर वासियों के मुताबिक तीसरी बार निर्वाचित घोषित होने पर साक्षी महाराज का काफिला शहर से गुजरता नहीं देख सके। हालांकि प्रशासन ने पहले से ही विजयी जुलूस निकालने की मनाही कर रखी थी।

फतेहपुर चौरासी संवाददाता के अनुसार, भाजपा की जीत की खबर आते ही कस्बा व क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने खुशी मनानी शुरू कर दी। ब्लाक प्रमुख मनोज निषाद ने अपने गांव में मिठाई बंटवाई तो काली मिट्टी में कार्यालय पर कैलाश यादव ने भी जीत की खुशी मनाई। इसी तरह कस्बा निवासी बालकृष्ण पांडेय, गौरक्षक दल के जिला उपाध्यक्ष पवन पांडेय, अतुल मिश्रा, जितेंद्र राजपूत, चेयरमैन प्रतिनिधि नितिन जायसवाल, राम दास कश्यप ,राजा लोधी व अवधेश लोधी ने भी मिठाइयां बंटवाते हुए जीत का जश्न मनाया।

सफीपुर संवाददाता के अनुसार, चुनाव की घोषणा के साथ भाजपा के फायर ब्रांड नेता साक्षी महाराज की तीसरी जीत पर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। जीत का अंतर कम होने के बाद भी भाजपाई जगह-जगह एक-दूसरे का मुंह मीठा कराते रहे। नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि सौरभ वाजपेयी 'राजा बेटा' व ब्लाक प्रमुख पति रमेश रावत सहित अन्य नेताओं ने जीत की खुशी में लड्डू बंटवाए।

सफीपुर में साक्षी की जीत के बाद एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाते भाजपा पदाधिकारी।

राजनीति | केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के बदौलत क्लीन स्वीप का करते थे दावा

चुनाव परिणाम से सकते में रहे भाजपा विधायक और नेता

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जनप्रतिनिधियों सहित भाजपा नेता प्रदेश के लोकसभा चुनाव परिणामों को लेकर सकते में हैं। उन्हें तीन साल बाद-2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भय सताने लगा है। हालांकि, इसे लेकर में वह खुलकर कुछ बोलने के बजाए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के विचार मंथन तैयार होने वाली रणनीति पर अमल कर प्रदेश में लगातार तीन बार भाजपा सरकार गठित होने का दावा करते हैं।

न सिर्फ लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान, बल्कि चौथे चरण में जिले में मतदान संपंन होने के बाद से सोमवार तक वह केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के बदौलत क्लीन स्वीप के दावे कर रहे थे। मंगलवार को मतगणना के प्रारंभिक रुझानों ने ही भाजपा को बैकफुट पर ला खड़ा किया। हालांकि स्थानीय प्रत्याशी बढ़त बनाए रखने में कामयाब थे, लेकिन प्रदेश की अधिकांश सीटों पर मिलने वाले कम वोट को वह आगे बढ़त में तब्दील होने का दावा करते रहे। समय बीतने के साथ अयोध्या सहित प्रदेश की तमाम सीटें भाजपा के हांथ जाती दिखती रहीं। आमतौर पर भाजपाइयों की बोलती बंद रही।

वरिष्ठ भाजपा नेता प्रभान शंकर दीक्षित ने साफगोई से स्वीकार किया कि बूथ स्तर पर जमीन प्रबंधन करने में हुई चूक का पार्टी को खामियाजा भरना पड़ा है। उन्होंने कहा कि मंडल व बूथ अध्यक्षों द्वारा पन्न प्रमुखों की सतत समीक्षा करते हुए 400 पार का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता था। शीर्ष नेतृत्व ने योजनाओं के लाभार्थियों सहित अन्य सकारात्मक प्रयासों व संगठनात्मक संरचना को देखते हुए यह नारा दिया था।

सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि इस तरह के परिणामों की कतई उम्मीद नहीं थी। हालांकि सत्तारूढ़ दल को नुकसान होता है। यह परिणाम अप्रत्याशित हैं। इसके बावजूद राजग गठबंधन ही फिर केंद्र में सरकार बनाएगा। प्रचार अभियान के दौरान मतदाताओं का मिला समर्थन वोट में नहीं बदल सका। शीर्ष नेतृत्व चुनाव परिणामों की समीक्षा करते हुए भावी रणनीति तय करेगा।

सफीपुर विधायक बंबालाल दिवाकर ने कहा लोकतंत्र में जनता (मतदाता) ही सर्वोपरि होती है। उन्होंने लगातार दो बार भाजपा को सरकार बनाने का स्पष्ट जनादेश दिया। इस बार प्रदेश में अपेक्षित चुनाव नतीजे नहीं आ सके हैं। इसलिए पार्टी नेतृत्व के साथ वह भी विधानसभा क्षेत्र में हुई कमियों की समीक्षा करते हुए उन्हें दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने झूठ के सहारे मतदाताओं को भ्रमित किया।

भगवंतनगर विधायक आशुतोष शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के चुनाव परिणाम अपेक्षित नहीं हैं, लेकिन जिले में भाजपा उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि की हैसियत से क्षेत्र के विकास के लिए तत्पर रहना हम विधायकों का दायित्व होता है, जिसके लिए समर्पित भाव से काम किया जाता है। रही बात प्रदेश की सभी सीटों पर जीत न हासिल होने की तो राष्ट्रीय व प्रांतीय नेतृत्व इसकी समीक्षा करेगा।

लोकसभा चुनाव-2024 में किसको कितने मिले वोट

साक्षी महाराज	,13,911
अन्नू टंडन	5,76,721
अशोक पांडेय	72,069
सैफ खान	8379
हिमांशु शर्मा	2650
उमेश	5612
शिव प्रकाश सिंह	4101
सैय्यद सरफराज गांधी	3011
नोटा	9406

बोले सपा और भाजपा के जिलाध्यक्ष

हार से लिया जाएगा सबकः राजेश यादव

सपा जिलाध्यक्ष राजेश यादव।

उन्नाव। सपा जिलाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि पूरी मजबूती के साथ पार्टी, प्रत्याशी व कार्यकताओं ने जिले में चुनाव लड़ा। इसके बावजूद बहुत कम अंतर से शिकस्त का सामना करना पड़ा। जिसका सभी को अपार कष्ट है। इसलिए हार के कारणों को तलाश कर भविष्य में सुधार कर सबक लिया जाएगा। कहा कि चुनाव की सुगबुगाहट होने के साथ ही सभी तैयारियों में जुट गए थे। प्रचार अभियान के दौरान सभी लगातार पार्टी प्रत्याशी को जीत दिलाने के लिए जुटे रहे। इसके बावजूद सफलता न मिलना दुखद है। जिले में पार्टी की हार के बावजूद भी कार्यकर्ताओं व मतदाताओं का आभार है कि उन्होंने सामर्थ्यभर सहयोग किया।

पार्टी प्रत्याशी की हैट्रिक उत्साहवर्धक

भाजपा जिलाध्यक्ष अवधेश कटियार।

उन्नाव। भाजपा जिलाध्यक्ष अवधेश कटियार ने कहा कि जीत का अंतर कम होने के बाद भी पार्टी प्रत्याशी की हैट्रिक उत्साह वर्धक है। इसलिए पार्टी प्रत्याशी को कम वोट मिलने की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने प्रदेश के अन्य जिलों में भाजपा को मिली हार को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। जिलाध्यक्ष के मुताबिक जिले में संगठनात्मक मजबूती के प्रयास किये जाएंगे। मंडल अध्यक्षों व बूथ अध्यक्षों के कामकाज की भी समीक्षा होगी। जिससे आगे और बेहतर प्रदर्शन करने वालों का हौसला बढ़ाया जा सके। जिलाध्यक्ष ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं व मतदाताओं को जीत दिलाने को लेकर आभार जताया।

4 वर्ष के बच्चे की गला रेतकर हुई हत्या

शव को भूसे की बोरी में छुपाया, मां से खुन्नस में पड़ोसी युवती ने मुंह में कपड़ा ठूंसकर चाकू से रेता

संवाददाता फतेहपुर चौरासी उन्नाव

अमृत विचार। फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के गोंदरी गांव में सोमवार शाम घर के बाहर खेल रहा चार साल का बच्चा रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। परिजनों ने उसकी तलाश की तो उसका शव घर से कुछ दूर भूसे की बोरी में पड़ा मिला। उसके मुंह में कपड़ा ठूंसने के बाद धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई थी। पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने शक की बिनाह पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जिसमें गांव की एक युवती भी शामिल थी। कड़ाई से हुई पूछताक्ष में युवती ही बच्चे की कातिल निकली और उसने हत्या करने की बात कबूल की।

अक्षत उर्फ ढोलू।

बिलखते परिजन। अमृत विचार

बता दें कि थानाक्षेत्र के गोंदरी गांव निवासी दिनेश का चार वर्षीय बेटा अक्षत उर्फ ढोलू सोमवार शाम घर के बाहर खेल रहा था। जहां से वह अपने घर रहस्यमय ढंग से लापता हो गया था। बाहर निकले परिजनों ने बच्चे को वहां न देख तलाश शुरू की लेकिन उसका पता नहीं चला। देरशाम चाचा की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज कर गांव पहुंची पुलिस ने परिजनों के साथ बच्चे की तलाश की। गांव के सुरेश के गोंडे में रखे भूसे की बोरी में उसका का क्षतविक्षत शव बरामद हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक में कपड़ा ठूसा गया था और उसके दोनों हांथ बंधे थे। बेटे अक्षत उर्फ ढोलू का शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद से परिजनो का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के पिता दिनेश गुजरात में किसी निजी कंपनी में काम करते है। उसकी शादी करीब छह साल पहले हुई थी। अक्षत उसकी इकलौता बेटा था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद घटना की जांच शुरू की। संदेह के आधार पर गांव के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसमें पड़ोसी रमेश की बेटी मधु भी थी। थाने में हुई पूछताछ में उसने अपना जुर्म कुबूल करते हुए बच्चे की हत्या करने की बात कबूली है। बताया कि उसका अपनी बड़ी बहन के देवर से प्रेमप्रसंग था। कुछ दिन पहले वह अपने प्रेमी के साथ चली गई थी। लेकिन बाद में लौट आई थी। इसे लेकर अक्षत की मां उसे अक्सर चिढ़ाती थी। इसी खुन्नस के चलते घर के बाहर खेल रहे अक्षत की हत्या कर शव छुपा दिया। पुलिस ने उसकी निशादेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया है। एसओ राजेश्वर प्रसाद त्रिपाठी ने बताया कि युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। आलाकत्ल चाकू बरामद किया गया है।

- फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के गोंदरी गांव का मामला

वृद्ध व युवक ने फांसी लगाकर दी जान

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

- पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है कारण
- ट्यूबवेल की कोठरी में लटका मिला युवक का शव

अमृत विचार। मौरावां थानांतर्गत पत्नी से हुई कहासुनी के बाद नाराज वृद्ध ने गांव के बाहर पेड़ में फंदे से लटक कर खुदकशी कर ली। वहीं बीघापुर कोतवाली अंतर्गत बटाई में लिए खेत में बनी कोठरी में फंदे से लटककर युवक ने जान दे दी। संबंधित थानों की पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं। घटना को लेकर परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है।

केस 01

मौरावां थानांतर्गत लउवा सिंहन खेड़ा गांव के मजरा चंदीखेड़ा निवासी राधेलाल रावत (65) की मंगलवार सुबह अपनी पत्नी माया से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इससे नाराज वृद्ध घर से बिना कुछ कहे बाहर चला गया। इसके बाद वह गांव के बाहर यूके लिप्टस के पेड़ पर अपने गमछे फंदा बनाकर लटक गया। राहगीरों ने उसे लटका देखा तो वहां भीड़ लग गई। पुलिस ने मौके पर जांच की और शव उतरवाया। वहीं पत्नी ने पुलिस को पति के शराब का लती होने की बात बताई है। बताया कि नशे में वह नशे में उससे अक्सर मारपीट करता था। उसके बेटे पवन, मोहित व मोनू मुंबई में मजदूरी करते हैं। एसओ चंद्रकांत सिंह ने बताया कि पत्नी से विवाद के बाद वृद्ध ने फांसी लगाई है।

बाजार जाने के लिए निकला था युवक

केस 02

बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के मगरायर गांव निवासी सुनील उर्फ बउवन (30) खेती से जीविका चलाता था। उसने शिक्षक संजीव कुमार के खेत बटाई पर लिए थे। गांव के बाहर स्थित खेत में सिंचाई व अन्य कार्य के लिए वह कभी-कभी ट्यूबवेल की कोठरी में रुक जाता था। रविवार को वह घर से गांव में लगने वाली बाजार जाने की बात कहकर निकला था। लेकिन वापस नहीं लौटा। सोमवार को वह पूरे दिन घर नहीं गया तो परिजनों ने तलाश शुरू की। रात करीब नौ बजे उसका शव कोठरी में लटका मिला। पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बड़ा भाई सुशील आत्महत्या की वजह नहीं बता सका। वह तीन भाईयों में छोटा था और उसकी शादी नहीं हुई थी। बेटे की मौत से मां रामकुमारी व अन्य परिजन बेहाल हैं। एसओ राजपाल ने बताया कि अभी तक परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

12 ज्योतिर्लिंग मंदिर में हुआ रुद्राभिषेक

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। शहर के कल्याणी माता मंदिर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष के प्रदोष पर सामूहिक रुद्राभिषेक कराया गया। मंदिर के आचार्य जुगल किशोर तिवारी ने रुद्राभिषेक के बाद यजमानों से शिव के विभिन्न स्वरूपों का श्रृंगार भी कराया।

प्रदोष व्रत पर श्रद्धालु व्रत से रहते हुए भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन करते हैं। इससे प्रत्येक पखवाड़ा शिव मंदिरों में सुबह-शाम बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं। ज्योतिर्लिंग मंदिर पर पहुंचे श्रद्धालु मनीषा श्रीवास्तव, दिनेश शुक्ला, अल्पना शुक्ला, राम प्रसाद, ललिता गुप्ता, कुमारी दिव्या, रवि प्रकाश, निशा दीक्षित, अमित, प्रतिमा, हंसा त्रिवेदी व गरिमा शुक्ल ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच बाबा भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया। उन्होंने आचार्य के मार्ग दर्शन में मंदिर में स्थापित सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकाल, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, विश्वनाथ, भीमाशंकर, रामेश्वर, त्रयंबकेश्वर, केदारनाथ व घृष्णेश्वर का श्रृंगार भी किया। मंदिर समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं को पूजन सामग्री भी उपलब्ध कराई गई।

ज्योतिर्लिंग मंदिर में पूजन करते श्रद्धालु।

हे दुख भंजन मारुति नंदन सुन लो मेरी पुकार...

उन्नाव। जेठ माह के दूसरे मंगलवार पर जहां सुबह से ही श्रद्धालुओं ने हनुमान मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन का सिलसिला शुरू कर दिया, जो रात तक जारी है। वहीं संकट मोचन के भक्तों ने जगह-जगह शर्बत वितरित करते हुए भंडारा भी आयोजित कराए। इस दौरान मंदिरों में हे दुख भंजन मारुति नंदन... सहित अन्य भजन के स्वर गूंजते रहे। सुबह पांच बजे मंगला आरती के साथ ही श्रद्धालु दर्शन-पूजन करने शहर के स्टेशन रोड स्थित हनुमान मंदिर पहुंचने लगे। समय बीतने के साथ दर्शन कर प्रसाद चढ़ाने वालों की संख्या में वृद्धि होती रही। हालांकि दोपहर के समय सूर्य सिर पर आने के बाद दर्शनार्थियों के पहुंचने का सिलसिला थमने सा लगा, जबकि शाम के समय पट खुलते ही फिर भक्तगण मंदिर पहुंचने लगे। इसके बाद रात को मंदिर खुला रहने तक हनुमत भक्त मंदिर पहुंचते रहे।

घर वाले सोते रहे, चोरों ने पार किया माल

हसनगंज। कोतवाली क्षेत्र के कस्बा न्योतनी के फरहदपुर निवासी राकेश पुत्र बाबू लाल गांव की आम मंडी में चाट का ठेला लगाता है। उसने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह सोमवार की रात खाना खाने के बाद परिवार सहित छत में सोने चला गया। रात में चोर दरवाजे का ताला तोड़कर नीचे कमरे में दाखिल हुए और अलमारी का ताला तोड़कर उसमे रखे जेवर और 30 हजार रुपए उठा ले गए। भोरपहर वह नीचे आया तो ताला टूटा और समान बिखरा पड़ा देख उसके होश उड़ गए। गृह स्वामी की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच कर लौट आई। घटना में किसी करीबी के शामिल होने की शंका जताई गई है। एसएचओ चंद्र कांत मिश्र ने बताया तहरीक मिली है।

दो सड़क हादसों में दो लोगों ने तोड़ा दम

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के ताला सराय गांव के पास राजस्थान से बंगाल जा रहा टाइल्स लदा कंटेनर अनियंत्रित होकर नीचे खंती में पलट गया। इसमें चालक की मौत हो गई और खलासी घायल हो गया। पुलिस ने क्लीनर को औरास सीएचसी पहुंचाया। वहीं औरास थानांतर्गत चकलवंशी-संडीला मार्ग पर लोडर की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ की मौत हो गई। संबंधित थानों की पुलिस ने जांच के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जुगल किशोर

औरास। थानाक्षेत्र के गोबरा गांव के मजरा मुंशीखेड़ा निवासी जुगल किशोर सिंह (50) पुत्र स्व. भीखम सिंह मंगलवार सुबह किसी कार्य से थानाक्षेत्र के शीशी चौराहा आये थे। काम निपटाकर लौटते समय शीशी-सीमऊ गांव के बीच उन्नाव की और से आए एक तेज रफ्तार लोडर ने उसकी बाइक में सामने से टक्कर मार दी। उछल कर सड़क में गिरने से उनके सिर पर गंभीर चोट आई। जब तक उसे अस्पताल ले जाया जाता तब तक उसकी मौत हो गई। इसकी खबर पाकर परिजन पहुंचे और शव देख बेहाल हो गए।

हसनगंज में हादसे के बाद पलटा पड़ा कंटेनर, देखते लोग।

बिलखते जुगल किशोर के परिजन। अमृत विचार

हसनगंज। राजस्थान प्रांत के भीलवाड़ा शहर निवासी कंटेनर चालक दुर्गा लाल (20) खलासी जगदीश बलई पुत्र नत्थू लाल उम्र (28) के साथ कंटेनर में टाइल्स लाद कर पश्चिम बंगाल जा रहा था। मंगलवार सुबह हसनगंज कोतवाली अंतर्गत लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर शाहपुर तोंदा-ताला सराय गांव के बीच झपकी लग गई और कंटेनर अनियंत्रित होकर साइड जाली तोड़ते हुए खंती में पलट गया। चालक व खलासी घायल होकर फंस गए। यूपीडा की रेस्क्यू टीम ने केबिन काटकर उन्हें सीएचसी औरास पहुंचाया। डाक्टर ने चालक दुर्गा लाल को मृत घोषित कर दिया।

पत्नी के वियोग में युवक ने निगला जहरीला पदार्थ

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

- थाने में शिकायत करने गया तो पुलिस ने टरकाया

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाले युवक की पत्नी कहीं चली गई। जिस पर उसने शक के आधार पर एक युवक को फोन मिलाया और पत्नी के बारे में पूछा। इस दौरान आरोप है कि युवक ने जान से मारने की धमकी दी। उसने पुलिस से शिकायत की लेकिन पुलिस ने उसे चलता कर दिया। जिससे आहत होकर उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया। हालत बिगड़ने पर उसे इलाज के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाले युवक ने बताया कि वह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ किराये पर रहता है। बताया कि चार दिन पहले वह फर्नीचर का काम करने गया था, वापस आने पर घर का दरवाजा बंद था। उसने पत्नी और बच्चों के बारे में आस पास पूछा। जिसके बाद शक होने पर उसने फतेहपुर सदर अस्पताल में काम करने वाला युवक को फोन कर पत्नी और बच्चों के बारे में पूछा। जिस पर आरोप है कि उसने धमकी दी और कहा कि जो करना हो कर लो, युवक ने बताया कि वह गंगाघाट थाने पहुंचा। जहां आरोप है कि प्रार्थना पत्र लिखवाने के नाम पर सौ रुपये ले लिये गये। कहा कि मुकदमा लिखवाना है तो कुछ करना पड़ेगा।

उसने बताया कि पैसा न होने के कारण और पत्नी के गायब होने पर उसने आत्महत्या करने के लिये जहरीला पदार्थ खा लिया। जब उसे उल्टियां हुई तो क्षेत्रीय लोगों ने उसे इलाज के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस बावत कोतवाली प्रभारी रामफल प्रजापति ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। प्रार्थनापत्र थाने के बाहर लिखवाया होगा। जांच की जा रही है।

बाबा का कराया श्रृंगार, भंडारा भी हुआ

संवाददाता शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। ज्येष्ठ के दूसरे मंगल को देखते हुये नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में बाबा के मंदिरों में भव्य श्रृंगार कराया गया। इसके साथ ही सुंदरकांड का पाठ का आयोजन हुआ। वहीं राजधानी मार्ग समेत नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में शर्बत वितरण, भंडारे का आयोजन हुआ। जहां आने जाने वाले लोगों ने बाबा का प्रसाद चखा।

मंगलवार पर राजधानी मार्ग स्थित चंद्रकुसुम हॉस्पिटल के बाहर बाबा का भव्य श्रृंगार कराया गया। जिसके बाद शर्बत वितरण, सब्जी पूड़ी, बूंदी का भंडारा कराया गया। जहां आने जाने वाले लोगों ने गर्मी में शर्बत और भंडारे का प्रसाद चखा। इस मौके पर पप्पन तिवारी, गोविंद तिवारी, मोहित तिवारी, के डी त्रिवेदी, डॉ. वी पी शुक्ला, वीरेन्द्र शुक्ला, राधारमन अवस्थी, विजय, मनु तिवारी, रंजीत, आदि लोग मौजूद रहे। वहीं नेहरू नगर में कीर्ती ज्वैलर्स की ओर से शर्बत वितरण कराया गया। जहां राजेश बाजपेई, कीर्ती बाजपेई मौजूद रही।

राजधानी मार्ग पर चलता भंडारा। अमृत विचार

- ज्येष्ठ के दूसरे मंगलवार के चलते हुआ आयोजन

इसी तरह आनंद नगर राजमार्ग पर डा. एमएन त्रिवेदी, डा. ऋषभ त्रिवेदी ने संकटमोचन की पूजा कर शर्बत और बूंदी का प्रसाद बांटा, जहां आने जाने वालों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान सभासद प्रत्यय गुप्ता, बृजेन्द्र सिंह, राजेश शुक्ला, पंकज श्रीवास्तव, अमित, रजत, गोलू, मनीष गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे। वहीं राजधानी मार्ग स्थित महावीर मंदिर के बाहर शर्बत वितरण किया। इस दौरान शिवेन्द्र सिंह बघेल, देवी प्रसाद मौर्या, दुर्गा तिवारी मौजूद रहे। जहां आने जाने वाले लोगों ने गर्मी में ठंडा-ठंडा शर्बत पिया। इसके अलावा दुर्गा मंदिर के बाहर शर्बत वितरण किया गया। शर्बत वितरण सुबह से शाम तक चलता रहा। इसके अलावा राजधानी मार्ग, पोनी रोड, मिश्रा कॉलोनी, चंपापुरवा, कंचन नगर समेत ग्रामीण इलाकों में भी ज्येष्ठ मंगल पर प्रसाद बांटा गया।

42 पौवा शराब के साथ युवक चढ़ा पुलिस के हत्थे

शुक्लागंज उन्नाव। एसपी के निर्देश पर चलाये गये अभियान के दौरान गंगाघाट पुलिस ने एक संदिग्ध युवक पर शक होने पर उसे रोका गया। जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास से देशी शराब के पौवा बरामद हुये।

जिस पर पुलिस ने उसके विरुद्ध कार्रवाई कर कोर्ट भेजा है। कोतवाली प्रभारी रामफल प्रजापति ने बताया कि सोमवार देर शाम गंगाघाट पुलिस गश्त पर थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि ब्रम्ह नगर निवासी शैलेन्द्र शुक्ला गायत्री नगर के पास भारी मात्रा में शराब लेकर खड़ा है। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पुलिस को देख वह भागने लगा। जिस पर पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया और उसके पास से मिले झोले की तलाशी ली। जहां झोले में 42 पौव्वा देशी शराब मिली। जिस पर पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई कर कोर्ट भेजा है।

सार-संक्षेप

ट्रेन से कटे युवक की हुई पहचान

शुक्लागंज उन्नाव। सोमवार को रश्मिलोक के सामने युवक ने ट्रेन के आगे गर्दन रखकर आत्महत्या कर ली थी। शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव को मर्च्युरी में रखवाया था। जहां मंगलवार को मृतक के परिजनों ने उसकी शिनाख्त की। मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। सोमवार सुबह करीब ग्यारह बजे कानपुर से लखनऊ की ओर मुम्बई गोरखपुर समर स्पेशल ट्रेन जा रही थी, तभी रश्मि लोक के सामने खंभा नंबर 65/24 व 65/26 के पास एक 35 वर्षीय अज्ञात युवक ने ट्रेन के सामने रेलवे पटरी पर अपना सिर रख दिया। ट्रेन के गुजरने से सिर धड़ से अलग हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। जिस पर शव को उन्नाव मर्च्युरी में रखवाया गया था। मंगलवार को उसके परिजनों ने अंबिकापुरम निवासी आदित्य शर्मा (20) पुत्र सुनील शर्मा के रूप में पहचान की। परिजनों ने बताया कि घर से झगड़ कर निकला था। जिसके बाद उसने यह कदम उठाया है।

परमसुखखेड़ा में वृहद स्तर पर हुई साफ-सफाई

शुक्लागंज उन्नाव। गर्मी के मौसम में मच्छरों से फैलने वाले वेक्टर जनित रोगों से बचाव को लेकर पालिका अभियान चला रही है। उसी को देखते हुये मंगलवार को वार्ड 20 परमसुख खेड़ा में साफ सफाई कराई गई। इसके साथ ही एंटी लार्वा का छिड़काव भी कराया गया। स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर पालिका वेक्टर जनित रोगों से बचाव के लिये पिछले कई दिनों से अभियान चला रहा है। उसी को देखते हुये मंगलवार को पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, ईओ मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर पालिका के सफाई कर्मी वार्ड 20 परमसुख खेड़ा में पहुंचे। जहां पालिका कर्मियों ने गलियों में साफ सफाई। इसके अलावा बजबजा रही नाले-नालियों को साफ किया। जिसके बाद नालियों में एंटी लार्वा का छिड़काव कराया। जिससे मच्छर न पनप सकें। ईओ ने बताया कि इसी तरह अभियान चलाकर क्षेत्र के सभी वार्डों में साफ सफाई कराई जायेगी। जिससे वेक्टर जनित रोगों को खात्मा किया जा सके। साफ-सफाई होने के बाद वार्ड की गलियां, सड़कें चमक उठी।

प्रधान पुत्र को रोककर पीटा, चार लोगों पर रिपोर्ट

शुक्लागंज उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कटरी पीपर खेड़ा गैर एहतमाली के प्रधान का बेटा मंगलवार सुबह अपने साथियों के साथ जा रहा था, तभी आरोप है कि कुछ दबंगों ने उसे रोक लिया और मारपीट करते हुये जातिसूचक गालियां दी। पीड़ित ने आरोपियों पर कार्रवाई को लेकर पुलिस को तहरीर दी। जिस पर पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कटरी पीपर खेड़ा गैर एहतमाली के प्रधान उदयराज यादव का बेटा रजेपाल मंगलवार सुबह अपने साथी अजीत के साथ बाइक से जा रहा था, तभी आरोप है कि पंचायत घर के पास उसे उमेश, सुरेश, मनोज, अशोक ने रोक लिया और गाली गलौज करने लगा। जिसका उसने विरोध किया। विरोध करने पर दबंगों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया और मारपीटा। इसके साथ ही जातिसूचक गलियां दी। जिससे उसे चोटें आई। शोर मचाने पर आस पास के ग्रामीण दौड़े। ग्रामीणों को आता देख मारपीट कर रहे युवक भाग निकले। उसने डॉयल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। पीड़ित ने आरोपियों पर कार्यवाही को लेकर पुलिस को तहरीर दी। जिस पर पुलिस ने उमेश, सुरेश, मनोज, अशोक के खिलाफ दलित उत्पीड़न समेत अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।

बाइक से गिरकर महिला घायल, बच्चा सुरक्षित

बांगरमऊ उन्नाव। बांगरमऊ कोतवाली अंतर्गत उन्नाव-हरदोई मार्ग स्पीड ब्रेकर में लगे झटके से बाइक में बैठी महिला उछलकर सड़क में गिरकर घायल हो गई। हादसे के वक्त उसकी गोद में मासूम बच्चा भी था लेकिन वह बाल-बाल बच गया। महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोतवाली क्षेत्र के गांव जगटापुर निवासी आजाद अपनी पत्नी राधा (25) व बेटे को लेकर बांगरमऊ आ रहा था। मंगलवार दोपहर उन्नाव-हरदोई मार्ग से गांव के संपर्क मार्ग मोड़ पर स्पीड ब्रेकर पर झटका लगने से राधा बच्चे सहित सड़क पर गिर गई। इसमें उसे गंभीर चोट आ गईं। किंतु हादसे में बच्चा बाल-बाल बच गया। पति उसे सीएचसी लाया। जहां से प्राथमिक इलाज देकर उसे जिला अस्पताल भेज दिया गया।

मामूली बात पर दबंगों ने महिला को पीटा, रिपोर्ट

शुक्लागंज उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली के सरैयां गांव में एक महिला घर की दीवार बनवा रही थी, तभी पड़ोसियों ने उसे मारा पीटा। चोटें आने पर उसने तहरीर देकर पुलिस से कार्यवाही की मांग की। पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सरैयां गांव की रहने वाली किरन यादव ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुये बताया कि वह अपने घर की दीवार बनवा रही थी, तभी पड़ोसी गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर पिंटू, दिलीप, छुन्ना, रामजीवन ने उसे मारा पीटा। जिससे उसे चोटें आई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने चारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस जांच में जुट गई है।

मौसम सुबह 9 बजे के बाद तल्ख हुए सूरज, मार्गों पर पसरा रहा सन्नाटा

सुबह बादल छाने के साथ हुई बूंदाबांदी, दोपहर में बिलबिलाये लोग

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। मंगलवार सुबह आसमान में काले बादल छाये रहे। बूंदाबांदी होने से मौसम सुहावना हो गया। कुछ देर में मौसम का तेवर बदला रहा, चटक धूप के साथ चल रहे लू के थपेड़ों ने आने जाने वाले लोगों को बेहाल कर दिया। जिससे मुख्य मार्गों से लेकर सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिला।

मंगलवार सुबह बूंदाबांदी होने के साथ ही ठंडी हवायें चलने से मौसम सुहावना हो गया। वहीं मंगलवार सुबह नौ बजे के बाद से मौसम दोबारा बदला। सुबह से ही सूरज तल्ख रहा। जिससे आने जाने वाले लोग परेशान दिखे। दोपहर के समय चल रही लू के थपेड़ों से राहगीर बिलबिला उठे। जिस कारण दोपहर के समय प्रमुख मार्गों और चौराहों पर सन्नाटा देखने को मिला। केवल जरूरी काम से जाने वाले लोग ही सड़कों पर निकले। वहीं लू के थपेड़ों से आने जाने वाले लोग बेहाल हो गये।

धूप से बचने के लिए छाता लगाकर जातीं महिलाएं। अमृत विचार

लोग पूरा शरीर ढक कर निकले। तेज धूप से पशु-पक्षियों का भी बुरा हाल है। दोपहर होते ही पशु छांव की तलाश में निकल पड़ते हैं। जबकि पक्षी पेड़ों के झुरमुट में छिपकर मौसम के ठंडे होने का इंतजार करते रहते हैं। पारा अधिक हो जाने के कारण लोगों के शरीर से पसीना निकलना लगातार जारी रहा। शाम के समय मौसम कुछ सामान्य हुआ।

गर्मी से बढ़े बुखार, उल्टी-दस्त के मरीज बढ़े

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। जून माह में पड़ रही गर्मी से जहां हर कोई बिलबिला उठा है। वहीं मौसम तल्ख होने के कारण डायरिया, सर्दी, जुकाम, बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में डायरिया के हर रोज कई मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। जहां मौजूद डॉक्टरों ने उनका परीक्षण कर दवाइयां दी। इसके साथ ही धूप से बचाव करने की सलाह दी।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में रोजाना डायरिया, खांसी, जुकाम, बुखार के मरीज पहुंच रहे हैं। मंगलवार सुबह दस बजे से ही अस्पताल में मरीजों की भीड़ रही। इस दौरान अस्पताल में मौजूद प्रभारी चिकित्साधिकारी रवि प्रकाश सचान, डा. रश्मि वर्मा ने आये मरीजों का परीक्षण किया। जहां डेढ़ सौ से अधिक मरीजों की ओपीडी हुई।

मरीज का परीक्षण करतीं डॉक्टर। अमृत विचार

जिसमें अधिकांश मरीज डायरिया, सर्दी, जुकाम, बुखार के अलावा चर्म रोग से संबंधित पहुंचे। वहीं आजाद नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भी मरीजों की भीड़ रही। इसके अलावा प्राइवेट डॉक्टरों के पास भी मरीजों की लाइन लगी रहती है। प्रभारी चिकित्साधिकारी ने बताया कि गर्मी के दिनों में अचानक धूप से आने पर ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए।

एक नजर

पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा की तैयारियां पूरी, 13 से होगी शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद की ओर से पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रवेश परीक्षा से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा मंगलवार को परिषद की ओर से की गई। प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन होनी है, ऐसे में हर जिले में परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए हर जिले में केंद्र बनाये गये हैं। प्रवेश परीक्षा की शुरूआत 13 जून से होगी जो कि 20 जून तक चलेगी। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों को दिक्कत न हो इसको ध्यान में रखते हुए सभी नोडल अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गये हैं। परिषद के प्रभारी सचिव एसके श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा की तिथियों को पोर्टल पर भी अपलोड कर दिया गया है। परीक्षार्थी समय का विशेष ध्यान रखें।

लखनऊ एयरपोर्ट पर 12 घंटे तक बंद रहा विमानों का संचालन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मरम्मत कार्य में लगी क्रेन के खराब होने से आई दिक्कत
- फ्लाइट डायवर्ट होने से 20 हजार यात्रियों को हुई कठिनाई

अमृत विचार: रनवे पर क्रेन खराब होने से मंगलवार को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 12 घंटे तक विमानों का संचालन ठप रहा। इस दौरान 84 उड़ानों को निरस्त करना पड़ा। इसमें 45 उड़ानें टेकऑफ नहीं कर पाईं जबकि 39 फ्लाइटें लैंड नहीं कर सकीं। इसके अलावा 40 से अधिक उड़ानें लेट हुई। वहीं एक दर्जन विमानों को अलग-अलग एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। इससे परेशान तमाम यात्रियों ने हंगामा करते हुए टिकट कैंसिल कराया।

एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक टर्मिनल-3 पर मरम्मत का काम चल रहा था। इसकी वजह से सुबह 6:25 बजे लखनऊ से कोलकाता जाने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या (6 ई-505) 40 मिनट देरी से 7:07 बजे उड़ान भर सकी। इस फ्लाइट के निकलते ही एक क्रेन रनवे खराब हो गई। सूचना पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) ने अलर्ट जारी कर सभी विमानों के उड़ान भरने और उतरने पर रोक लगा दी। इसी बीच दिल्ली से यात्रियों को लेकर आई फ्लाइट

एयरपोर्ट परिसर में अपनी फ्लाइट की प्रतीक्षा करते यात्री। अमृत विचार

काफी देर तक हवा में मंडराती रही, लेकिन उतरने की अनुमति नहीं दी गई। विमान यात्रियों को लेकर वापस दिल्ली चली गई। इसपर यात्रियों को लेकर आए उनके रिश्तेदार, परिजन और इस फ्लाई से दिल्ली जाने वाले यात्री भी हंगामा करने लगे। अपनी फ्लाइट का इंतजार कर रहे बाकी यात्रियों को जैसे-जैसे पता चला कि उनकी फ्लाइट भी कैंसल हो गई है तो बवाल और बढ़ता गया। यात्रियों ने अपने टिकट कैंसल करवाए। करीब 12 घंटे बाद क्रेन की ठीक करवाकर रनवे से हटाया गया तब संचालन शुरू हुआ।

नहीं मिली जानकारी

एयरपोर्ट पर फ्लाइट का इंतजार कर रहे यात्रियों ने बताया कि उड़ानों का आवागमन रुकने की जानकारी उन्हें पहले नहीं दी गई इसकी वजह से वे निधार्रित समय से एयरपोर्ट पहुंच गए। यहां भी डिस्प्ले पर कोई सूचना नहीं दिखाई दे रही थी। केवल तारीख प्रदर्शित हो रहा था। इस वजह से उन्हें घंटों परेशान होना पड़ा।

इन उड़ानों को किया गया परिवर्तित

- पुणे से लखनऊ आ रहे इंडिगो के विमान को वाराणसी उतारा गया।
- मस्कट से लखनऊ आने वाले विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारा गया।
- सऊदी, दुबई से आने वाले विमान को दिल्ली डायवर्ट किया गया।
- इंडियन एक्सप्रेस एयरलाइंस के दम्माम से लखनऊ आने वाले विमान को दिल्ली भेजा गया।
- एयर इंडिया एक्सप्रेस के दिल्ली से लखनऊ आ आए विमान को दिल्ली वापस भेजा गया।
- जयपुर और कोलकाता से लखनऊ आने वाले विमान को वाराणसी उतारा गया।

राजनाथ को मिले 2112 मतपत्र

अमृत विचार, लखनऊ : डाक से मिलने वाले मतपत्रों में सबसे अधिक भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह को मिले। उन्हें 2112 मत मिले। दूसरे नंबर पर रहे इंडी गठबंधन समर्थित सपा प्रत्याशी रविदास महरोत्रा को 1247 मत मिले। तीसरे नंबर पर बहुजन समाजवादी पार्टी के मोहम्मद सरवर मलिक रहे। उन्हें 210 मत मिले। इसके अलावा अन्य प्रत्याशियों को भी मत मिले लेकिन वह दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सके।

जिलानिर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 4467 कुल डाक मतपत्र थे जिसमें से 3599 मान्य थे, तो वहीं नोटा के 34 मतपत्र भी मिले हैं।

सपा और कांग्रेस कार्यालय में रहा जश्न का माहौल

प्रदेश में इंडी गठबंधन को बढ़त मिलती देख खुश हुए कार्यकर्ता, नेताओं ने कहा कि जनता ने भाजपा को दिखाया आईना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मंगलवार सुबह से ही पार्टी कार्यालयों में कार्यकर्ता टेलीविजन से चिपके रहे। मतगणना का रूझान लोगों के चेहरे पर साफ नजर आ रहा था। बढ़त होने पर कार्यकर्ता खुशी जाहिर करते और पिछड़ने पर चेहरे पर उदासी नजर आने लगती थी। दोपहर होते ही जब प्रदेश में इंडी गठबंधन को बढ़त मिलती दिखी तो कांग्रेस और सपा कार्यालय में जीत का जश्न मनाया जाने लगा।

आतिशबाजी और मिठाई खिलाकर बधाई दीः सपा कार्यालय के बाहर कार्यकर्ता जोश और उत्साह के बीच पटाखे जलाते नजर आए। कार्यकर्ता एक-दूसरे को बधाई देते रहे। कार्यकर्ता खुशी से झूम रहे थे। कार्यकर्ताओं ने कार्यालय के बाहर उपस्थित लोगों के बीच मिठाई बांटी। सपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह जीत

कांग्रेस प्रदेश कार्यालय पर जीत के नारे लगाते कांग्रेस के कार्यकर्ता।

- बढ़त पर चेहरे पर आ जाती थी चमक तो पिछड़ने पर छा जाती थी उदासी

हम सबके अथक प्रयासों का परिणाम हैं। हमारे नेता अखिलेश यादव ने कहा था कि ज्यादा दूर की न सोचो, बल्कि संगठित होकर पार्टी की जीत के लिए प्रयास करो। इतने वर्षों के बाद गठबंधन की सरकार ने प्रदेश में 40 से अधिक सीट जीती है। यह हम सभी के लिए बड़ी बात है।

कांग्रेस कार्यालय में भी जीत का माहौल था। यहां पर सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी करके जीत का जश्न मनाया। कार्यालय के बाहर ढोल नगाड़े बजाए गए, जिस पर कार्यकर्ता नाचते दिखे। दोपहर बाद से ही कांग्रेस मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं और नेताओं के आने का दौर जारी रहा। प्रदेश प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में गठबंधन आगे बढ़ रहा है। भारत जोड़ो यात्रा और भारत न्याय यात्रा के

सपा प्रदेश कार्यालय पर एक दूसरे को गुलाल लगाते कार्यकर्ता। अमृत विचार

हारने का गम नहीं: मुकेश

अमृत विचार : पूर्वी विधानसभा उपचुनाव कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश सिंह चौहान भाजपा के ओपी श्रीवास्तव से चुनाव हार गए। ओपी श्रीवास्तव को 107129 वोट मिले जबकि मुकेश को 70506 वोट मिले। तीसरे नंबर पर बसपा के आलोक कुशवाहा रहे, जिन्हें 6559 वोट मिले। मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि पार्टी ने जो मुझे दायित्व दिया मैने उसका निर्वाहन किया। जीत हार सिक्के के दो पहलू है। टक्कर आसान नही थी। जनता ने जो मुझे प्यार दिया उसका तहेदिल से धन्यवाद करता हूं। हारने का गम नही है।

दौरान लोगों का अभूतपूर्व प्रेम पार्टी को मिला।

कांग्रेस प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने कहा कि जनता ने अपने मुद्दों पर वोट किया। भाजपा और मोदी की नफरती बांटने वाली राजनीति को नकार दिया। कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ के चेयरमैन नरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि इस बार जनता इंडी गठबंधन के साथ नजर आई।

एक से छह सीटों पर पहुंची कांग्रेस

वरिष्ठ संवाददाता, लखनऊ

- संविधान बचाने के मुद्दे ने निभाई अहम भूमिका
- 2019 के चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन था निराशाजनक

अमृत विचार: लोकसभा 2024 के 'चुनावी जंग' में इंडी गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने भाजपा को न केवल कड़ी टक्कर दी, बल्कि आधा दर्जन सीटें छीनने में सफल रही। अमेठी व रायबरेली में नेहरू-गांधी परिवार की विरासत छीनने की भाजपा की रणनीति धरी की धरी रह गई। शानदार सफलता को लेकर पार्टी स्तर पर विश्लेषण तो बाद में होगा, पर पार्टी सूत्रों का कहना है कि चुनाव में पार्टी नेता राहुल गांधी का 'जादू' खूब चला। देश का संविधान बचाने के मुद्दे ने पार्टी को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

2019 के चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक था। कांग्रेस केवल रायबरेली सीट बचाने में सफल रही थी। पार्टी की निवर्तमान अध्यक्ष सोनिया गांधी इस सीट पर जीती थीं। इस बार कांग्रेस अपनी चुनावी रणनीति से कामयाब हुई। इंडी गठबंधन के तहत पार्टी के खाते में 17 सीटें आई थीं, जिसमें पार्टी छह सीटों अमेठी, रायबरेली, बाराबंकी, सहारनपुर इलाहाबाद व सीतापुर को जीतने में सफल रही।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेता राहुल गांधी के संविधान बचाने के मुद्दे को पार्टी कार्यकर्ता सोशल मीडिया व अन्य माध्यम से लोगों तक पहुंचाने में सफल रहे। भाजपा सरकार के प्रति आम जनता की नाराजगी भी जीत का कारण बनी। इसके अलावा बसपा की गलत रणनीति भी पार्टी के जीत का कारण बन गई। बसपा प्रमुख मायावती के चुनाव के दौरान भतीजे आकाश आनंद को चुनाव प्रचार से हटाने का असर हुआ। बसपा से जुड़े अनुसूचित वर्ग का वोट बैंक कांग्रेस की ओर खिसक गया। वैसे पार्टी पहले से ही अनुसूचित, पिछड़ा व अल्पसंख्यक वर्ग को केंद्र में रखकर काम कर रही थी। सपा से गठबंधन के कारण इन वर्गों का भरपूर वोट पार्टी को मिला।

रायबरेली व अमेठी की जीत में प्रियंका की रही अहम भूमिका

रायबरेली व अमेठी सीट की जीत में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की अहम भूमिका रही। विरासत बचाने की प्रतिष्ठा से जुड़ी इन सीटों पर जीत के लिए प्रियंका गांधी ने विशेष टीम लगा रखी थी। यह टीम प्रियंका गांधी के निर्देश पर फोन, सोशल मीडिया व अन्य माध्यम के जरिये मतदाताओं के सीधे संपर्क में थी। हालांकि, इन सीटों पर जीत के लिए पूरा गांधी परिवार कई दिनों तक डेरा डाले हुए था। अमेठी से किशोरी लाल शर्मा व रायबरेली से राहुल को जिताने के लिए सोनिया गांधी ने क्षेत्र में पहुंचकर लोगों से भावुक अपील की थी।

तीसरी बार हारीं मेनका गांधी

मनोज कुमार मिश्र, सुल्तानपुर

- पहले चुनाव में अमेठी से अपने ज्येष्ठ राजीव गांधी से खाई थी शिकस्त
- 1991 के संसदीय चुनाव में भी हार का करना पड़ा सामना

अमृत विचारः आखिरकार पर्यावरण प्रेमी व कद्दावर नेता मेनका संजय गांधी का विजय रथ एक बार फिर रुक गया। राजनीतिक जीवन में यह उनकी तीसरी शिकस्त है। पहली बार उन्हें अपने ज्येष्ठ स्व. राजीव गांधी से शिकस्त का मुंह देखना पड़ा था, जबकि तीसरी बार वे मंगलवार को सपा के राम भुआल निषाद से चुनाव हार गईं। अब तक 11 चुनाव लड़ चुकीं मेनका गांधी कुल आठ बार सांसद निर्वाचित हो चुकी हैं। सात बार से वे लगातार सांसद हैं।

मेनका गांधी देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गांधी की बहू और संजय गांधी की पत्नी है। एक आकस्मिक दुर्घटना में संजय गांधी के देहान्त के बाद वे सन 1982 में राजनीति में आयीं। उन्होंने अपना पहला चुनाव अमेठी संसदीय सीट से अपने ज्येष्ठ राजीव गांधी के खिलाफ निर्दलीय प्रत्याशी (संजय विचार मंच) के रूप में लड़ा और करारी हार का सामना करना पड़ा। 1988 में उन्होंने वीपी सिंह का जनता दल ज्वाइन किया और इसकी महासचिव बनीं। 1989 में मेनका ने पहली बार पीलीभीत से चुनाव जीता और पर्यावरण राज्यमंत्री बनीं। लेकिन उन्हें 1991 के संसदीय चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। 1996 में फिर पीलीभीत संसदीय सीट से जनता दल के प्रत्याशी के रूप कामयाब हुई। 1998, 1999, में भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से वे निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पीलीभीत संसदीय सीट से कामयाब होकर संसद पहुंचने में सफल रही। 1998-99 में वह राज्यमंत्री (सोशल जस्टिस और इमपावरमेंट-स्वतंत्र प्रभार) रहीं। 2004 में वे भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गयीं और 2004 में पीलीभीत से तो 2009 में आंवला से, 2014 में फिर पीलीभीत से तो 2019 में सुलतानपुर संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी के रूप में संसद पहुंचने में कामयाब हुई। 2019 में बेटे वरुण की सीट से यहां चुनाव लड़ने आई तो उनको सपा-बसपा के गठबंधन उम्मीदवार चंद्रभद्र सिंह सोनू ने कड़ी टक्कर दी। बसपा उम्मीदवार सोनू को 4,44,670 मत प्राप्त हुए तो मेनका गांधी 4,59,196 वोट पाकर विजय प्राप्त की थी।

अपने करिश्माई कामों की वजह से जनता के दिलों पर राज करने वाली मेनका संजय गांधी मंगलवार को आए नतीजों में हार गई। उन्हें गठबंधन से सपा उम्मीदवार राम भुआल निषाद ने शिकस्त दी। इस चुनाव में राम भुआल को 4,44,330 मत प्राप्त हुए, जबकि रनर रही मेनका गांधी को 4,01,156 मतों से संतोष करना पड़ा। इस हिसाब से राम भुआल ने 43,174 मतों से चुनाव जीत लिया।

हार के निकाले जा रहे कारण

मेनका गांधी के हार के कई कारण बताए जा रहे हैं। हाईप्रोफाइल वाली नेता मेनका गांधी को पार्टी के कुछ नेताओं की नाराजगी का अंदरखाने दगा पाने की कीमत चुकानी पड़ी है। डा. घनश्याम तिवारी हत्याकांड में उनकी तरफ से की गई लेटलतीफी भी एक हद तक ब्राह्मण वोटों के बिखराव का कारण बना है। बेस वोट बैंक निषाद-कुर्मी व अदर बैकवर्ड को जातीय ध्रुवीकरण में न साध पाना भी हार का मुख्य कारण है।

अमेठी सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा की जीत पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा काफी उत्साहित नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पार्टी प्रत्याशी के साथ पूर्व में खिंचाई कई फोटो साझा करते हुए कहा कि उन्हें कभी कोई शक नहीं था, शुरू से यकीन था कि किशोरी भइया जीतेंगे। उन्होंने प्रत्याशी व अमेठी के लोगों को हार्दिक बधाई दी।

मीडिया सेंटर में रही अव्यवस्था

अमृत विचार, लखनऊ : मतगणना स्थल पर बनाए गए मीडिया सेंटर में काफी अव्यवस्थाएं रहीं। कई बार मीडिया कर्मचारियों ने चक्रवार वोटों की गिनती का विवरण पूछा तो जिम्मेदार जवाब देने से बचते रहे और समय से विवरण उपलब्ध नहीं करा पाए। इसके अलावा गर्मी से राहत के इंतजाम भी नाकाफी रहे।पहले एक एलईडी खराब हुई। इस पर मीडिया के लोगों ने हंगामा किया। थोड़ी देर बाद ही साइड में रखा पंखा भी खराब हो गया। सुबह के समय तो मीडिया सेंटर में भीड़ कम थी। 11 बजे तक मीडिया सेंटर में लगी कुर्सियां कम पड़ गईं। खचाखच भरे मीडिया सेंटर में लोग चबूतरे पर बैठे नजर आए। इतना ही नहीं कूलर के सामने पुलिस कर्मियों ने डेरा जमा लिया। इसके अलावा पास गंदगी भी थी।

वर्ग पहेली-91

बाएं से दाएं

1. 1. जो दिखाई न दिया हो 2. जो देखा न गया हो।
3. 1. पिशाच का, पिशाच संबंधी 2. क्रूरतापूर्ण, घोर।
5. जनता के सामने, खुले बाज़ार में, लोगों के सामने।
6. 1. पानी में रहने वाला 2. जिसमें पानी मिला हो।
7. 1. प्रकट करने वाला 2. जताने वाला 3. भेद खोलने वाला 4. समझाने-बुझाने वाला, कहने या सुनने वाला 5. डाँटने-डपटने वाला।

ऊपर से नीचे

1. अधिकमास।
2. रात्रि में विचरण करने वाला, रात में निकलने वाला।
4. 1. जिसका भरोसा न किया जा सके, बात का कच्चा 2. निष्ठाहीन, विचलनशील 3. कच्ची तली या पेंदी का 4. ओछा, ढुलमुल।

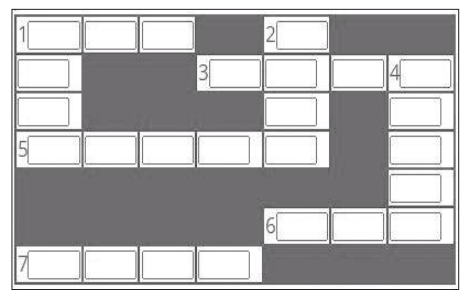

वर्ग पहेली -90 का हल

		1 उ	2 प	गि	रि	
	3 ख़ि		र			4 सों
5 ज़	रा	सी	म			टा
	जी		6 पु	लि	या	
	भू		रु			7 टे
	मि		ष			नि
				8 पा	र	स

सुडोकू-4

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		4					
4			8		2			
9		6	5			8	3	4
3		8			6			1
	9						2	
1		2				7		5
7	4	1			8	9		3
			1		5			8
					3		6	

सुडोकू -3 का हल

9	4	1	8	6	5	2	7	3
7	3	5	4	1	2	6	8	9
6	8	2	9	7	3	1	5	4
2	5	4	3	8	6	9	1	7
8	7	6	1	5	9	4	3	2
3	1	9	7	2	4	8	6	5
5	2	7	6	9	1	3	4	8
1	9	3	5	4	8	7	2	6
4	6	8	2	3	7	5	9	1

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 जून बुधवार 2024 संवत-2081,शक संवत 1946 मास-ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-चतुर्दशी 19 .54 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

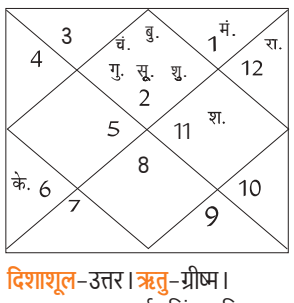

दिशाशूल-उत्तर। **ऋतु**-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृत्तिका 21 .16 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष — आज परिवार को लेकर आप कुछ परेशान हो सकते हैं। आप छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा कर सकते हैं, इसका प्रभाव आपके दांपत्य जीवन पर भी पड़ सकता है। यदि नए घर के निर्माण आदि में लगे हुए हैं, तो उसमें कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृष — आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। निर्णय लेने में जो आपको परेशानी हो रही थी, वह आज दूर होगी। कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा बढ़ेगा। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी दूर होगी। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे।

मिथुन — आज आंखों में समस्या होने की संभावना है। आप किसी बात को लेकर विचलित हो सकते हैं। मन कभी प्रसन्न, तो कभी बहुत उदास हो सकता है। आज किसी पर बहुत ज्यादा विश्वास न करें। महत्वपूर्ण कार्यों से आपको बचना चाहिए।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। विवाहादि कार्यों को लेकर समस्या दूर होगी। अपनी कार्यक्षमता को बढ़ा सकते हैं। सरकारी कार्यों को लेकर आपके मन में जो डर था, वह दूर होगा। उत्तम धन लाभ के योग बन रहे हैं। कड़वी भाषा का प्रयोग न करें।

सिंह — आज होटल और रेस्टोरेन्ट से जुड़े व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा। अधिकारी वर्ग के लोग आपकी बातों को काफी महत्व देंगे। समाज सेवा में आपकी रुचि बढ़ सकती है। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। अपनी कमियों में सुधार करने के लिए दिन बहुत अच्छा है।

कन्या — आज आपसे प्रेम भाव रखने वाले लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। यात्राओं के लिए दिन अच्छा नहीं है। किसी भी डील को फाइनल करने से पहले, उसके विषय में बहुत अच्छी तरह से रीसर्च कर लें। परिवार में कलह का माहौल हो सकता है।

तुला — आज आप कई गुप्त रहस्यों को समझने में रुचि लेंगे। विवेकपूर्ण निर्णय लेने में आपको कठिनाई होगी। गलत लोगों की संगत से दूर रहें। कुछ लोग आपको बहकाने का प्रयास करेंगे। अध्यात्मिक चर्चाओं के प्रति आपका लगाव बढ़ेगा।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। व्यवसाय में आप काफी फोकस रहेंगे। दांपत्य जीवन कुछ कलहपूर्ण हो सकता है। जीवनसाथी को आपको विशेष समय देना चाहिए। क्रोध कम से कम करें। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

धनु — आज आप अपने काम में कमी महसूस करेंगे। जिसको लेकर आपका मन असन्तुष्ट हो सकता है। शत्रुओं को लेकर आपको काफी सावधान रहना होगा। चलते हुए कार्यों में बाधा देखने को मिलेगी। दवाइयों के कारोबारियों की आय बढ़ सकती है।

मकर — आज वैवाहिक संबंधों में आपको बोरियत महसूस होगी। काम को लेकर भी काम काफी सुस्त हो सकते हैं। आज वही कार्य करें जिसको लेकर आप उत्सुकता महसूस कर रहे हैं। गर्भवती महिलाओं को अपनी सेहत का विशेष ध्यान देना होगा। किसी पर बहुत ज्यादा निर्भर न रहें।

कुंभ — आज व्यवसाय में आपको सहकर्मियों पर काफी ध्यान देना होगा। कुछ ऐसे कार्य होंगे, जो आपको जबरदस्ती करने पड़ेंगे। भोजन के प्रति अरुचि हो सकती है। आपको सम्मान प्राप्त हो सकता है। अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद न करें।

मीन — आज आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। पैतृक संपत्ति के लाभ होने के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आप किसी नए प्रोजेक्ट की शुरुआत कर सकते हैं। अपनी सफलता को लेकर आत्मविश्वास से युक्त रहेंगे। सेहत की समस्याओं से जूझ रहे लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
- अल्ला रक्खा — सुबह : 11 .48
- वन टू थ्री — शाम : 06 .51
- यू टर्न — सुबह : 08 .32
- फितूर — रात : 08 .00

&pictures

SONY PIX
- द मैकेनिक — दोपहर : 01 .12
- मैड मैक्स : फरी रोड — शाम : 06 .28

ZEE CINEMA
- रमैया वस्तावैया — सुबह : 08 .40
- गंगाजल — रात : 09 .10

colors CINEPLEX
- अलादीन — सुबह : 11 .52
- प्यार का पंचनामा — रात : 09 .00

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर्स पर रात : 08 .00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया?
पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था।
डॉक्टर - तो इससे क्या?
पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।
पिता की बात सुनकर डॉक्टर रह गया दंग!

टीचर- इरादे बुलन्द होने चाहिए,
पत्थर से भी पानी निकाला जा सकता है गप्पू- मैं तो लोहे से भी पानी निकाल सकता हूं
टीचर- कैसे
गप्पू- हैंड पम्प से
गप्पू का जवाब पढ़कर टीचर ने अपना माथा पीट लिया।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	72,079 .05	21,281.45
नुकसान	4,389 .73	1,982 .45
प्रतिशत में	5 .74	8 .52

अमृत विचार
www.amritvichar.com
कानपुर, बुधवार, 5 जून 2024

मैंथा बाजार भाव

रामपुर–शिवालिक 965 फ्लैग 1080 डीएमओ 850 बोल्ड 1140, **सम्भल–चन्दौसी**–शिवालिक 980 फ्लैग 1105 बोल्ड 1150 डीएमओ 860।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)–

गेहूंदड़ा	2400–2450
आरआर 21	2550–2600
गेहूंफ़ारम	2600–2700
जौ	2000 –2100
ज्वार	2000 –4000
बाजरा	2100–2150
मकाई	2200 –2400

दलहन (प्रति क्वि.)

लोकल	मिल डिलीवरी
चना	6200 –6400
अरहर	9000 –10000
मसूर	5500 –5600
मटर	3700 –4000
उड़दहरा	10000 –11000
उड़दकाला	6000 –8000
मूंग	7700 –7800

दाल (प्रति क्वि.)

अरहरफूल	17400–17500
अरहरस्पेशल1	14700–14800
चनादाल	8100–8200
मटरदाल	4850–4950
मसूरमलका	7300–7350
मसूरदाल	7500–7550
उड़ददाल	9000– 13000
उड़द धोवा	10000– 13000
मूँगदाल	8600 –9500
मूँग धोवा	9700–11000

चावल (प्रति क्वि.)

अरवा	2000 – 2300
बासमती नं.1	8500 – 10000
सेला	2500 – 3000
बासमती नं.2	6500 – 7500

आटा–मैदा (प्रति 50 किग्रा.)

आटा	1380–1430
मैदा	1350–1400
सूजी	1410–1430

चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)

शाहपसंद	1325–1350

तिलहन (प्रति क्वि.)

लाही	5600–5800
अलसी	4500 –4600 रुपये।

अडाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट

एग्जिट पोल की तुलना में भाजपा को नुकसान से बाजार पूंजीकरण 3.64 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली, एजेंसी

शेयर बाजार के मंगलवार को औंधे मुंह गिरने के साथ अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में जोरदार गिरावट आई और ज्यादातर निचली सर्किट सीमा पर आ गए। मंगलवार की चुनाव मतगणना और एग्जिट पोल की तुलना में भाजपा को नुकसान से शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई। समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3.64 लाख करोड़ रुपये घट गया।

कारोबार समाप्त होने पर अडाणी पोर्ट्स का शेयर 21.26 प्रतिशत, अडाणी एनर्जी सोल्यूशंस 20 प्रतिशत, समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज 19.35 प्रतिशत, अडाणी ग्रीन एनर्जी ने 19.20 प्रतिशत का गोता लगाया। अडाणी टोटल गैस 18.88 प्रतिशत, एनडीटीवी 18.52 प्रतिशत, अडाणी पावर 17.27 प्रतिशत और अम्बुजा सीमेंट 16.88 प्रतिशत नीचे आया। वहीं एसीसी का शेयर 14.71 प्रतिशत और अडाणी विल्मर 9.98 प्रतिशत नीचे आया। कारोबार के दौरान समूह की 10 कंपनियों में से आठ निचले सर्किट पर पहुंच गए थे। कारोबार के दौरान अडाणी एंटरप्राइजेज 25 प्रतिशत के निचले सर्किट पर पहुंच गया था। वहीं अडाणी पोर्ट्स 25 प्रतिशत और अम्बुजा सीमेंट्स 22.5 प्रतिशत लुढ़क कर सर्किट के निचले स्तर पर पहुंच गया था। अडाणी पावर 20%और अडाणी एनर्जी 20% लुढ़क कर निचले सर्किट सीमा पर पहुंच गया था। अडाणी ग्रीन 20% और अडाणी टोटल गैस 19.89 प्रतिशत नीचे आ गया। वहीं एनडीटीवी 19.98 और एसीसी 19.69% की गिरावट के साथ सर्किट के निचले स्तर पर पर पहुंच गया था। अडाणी विल्मर का शेयर भी 10% की गिरावट के साथ सर्किट के निचले स्तर पर आ गया था।

चुनावी नतीजों के चलते सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

चुनावी नतीजों और वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 450 रुपये के उछाल के साथ 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अतिरिक्त, चांदी की कीमत भी 200 रुपये बढ़कर 93,100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक–जिंस सौमिल गांधी ने कहा, दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोने की कीमत (24 कैरेट) 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही, जो पिछले बंद भाव से 450 रुपये अधिक है। विदेशी बाजारों में, कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,335 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से 15 डॉलर अधिक है। गांधी ने कहा कि मंगलवार को सोने में तेजी आई क्योंकि अमेरिका में विनिर्माण क्षेत्र के निराशाजनक आंकड़ों से उम्मीद जगी है कि फेडरल रिजर्व के पास इस साल उधारी लागत कम करने की गुंजाइश होगी।

देश में नई सरकार के गठन और उनकी आर्थिक नीतियों से तय होगा शेयर बाजार का भविष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय बाजार के विशेषज्ञों ने जताई आशंका

आम चुनाव के नतीजों से सरकार के गठन को लेकर स्थिति स्पष्ट न होने के बीच बाजार के विशेषज्ञों ने मंगलवार को कहा कि शेयर बाजार का भविष्य नई सरकार की आर्थिक नीतियों पर निर्भर करता है जिसमें जीडीपी वृद्धि, मुद्रास्फीति और वैश्विक परिस्थितियां जैसे कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चुनावी नतीजों के रुझानों में बहुमत से आगे दिख रहा है। लेकिन गठबंधन के सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ने का असर सरकार की निर्णायक नीतियों पर पड़ने की संभावना को लेकर बाजार में चिंता नजर आने लगी है।

उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में भारी गिरावट ने इस आशंका पर मुहर भी लगाने का काम किया। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सूचकांक कारोबार के दौरान आठ प्रतिशत तक टूटने के बाद थोड़ा संभले लेकिन अंत में लगभग छह प्रतिशत के भारी नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 4,389.73 अंक गिरकर 72,079.05 पर और निफ्टी 1,379.40 अंक गिरकर 21,884.50 पर बंद हुआ। हालांकि शनिवार को अंतिम चरण का मतदान होने के बाद विभिन्न समाचार चैनलों पर आए एग्जिट पोल में भाजपा की अगुवाई वाले राजग को भारी बहुमत मिलने की संभावना जताई गई थी।

स्टॉक्सबॉक्स के शोध प्रमुख मनीष चौधरी ने कहा कि राजग सरकार के पिछले दो कार्यकालों की खासियत रहा सुधारवादी दृष्टिकोण इसके तीसरे कार्यकाल में पीछे रह सकता है। इसकी वजह यह है कि भाजपा अपने दम पर बहुमत पाने की स्थिति में नहीं है और उसे सरकार चलाने के लिए अपने सहयोगी दलों पर निर्भर रहना होगा। अबान्स होल्डिंग्स में वरिष्ठ प्रबंधक (शोध एवं विश्लेषण) यशोवर्धन खेमका ने कहा-गठबंधन सरकार होने से महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेने और मंत्रिमंडल में कुछ अहम पदों के लिए सहयोगियों पर निर्भरता बढ़ेगी, जिससे नीतिगत असमंजस और सरकार के कामकाज में अनिश्चितता पैदा होगी।

सर्राफा

कानपुर

चॉदी 999 (प्रति किलो)	92,050
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	95,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	100000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	74,100
गिन्नी (प्रति नग)	55,225–55,425

लखनऊ

सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	72,800
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	72,650
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	89,500
चांदी तैयार	89,600
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000

बरेली

सोना जेवरात पक्के	72,900
सोना जेवरात गिन्नी	71,900
चांदी पक्की	895 (अनुमानित)

मुरादाबाद

सोना 24 कैरेट	72,750
चांदी आभूषण	89,900।

रुपये पर पड़ी चुनावी नतीजों की मार

मुंबई। सत्तारूढ़ भाजपा को लोश चुनाव में अपने दम पर बहुमत मिलने की संभावना कम होने से शेयर बाजार में मचे हाहाकार के बीच रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 45 पैसे की भारी गिरावट के साथ 83.59 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर लुढ़क गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली और प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से निराशा और बढ़ गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 83.25 पर कमजोरी के साथ खुला और कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 83.23 के ऊपरी और 83.59 के निचले स्तर के बीच झूलता रहा।

सरकार ने गेहूं उत्पादन के अनुमान को संशोधित कर 11.29 करोड़ टन किया

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने अपने तीसरे अनुमान में फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) के लिए गेहूं उत्पादन अनुमान को संशोधित कर रिकॉर्ड 11 करोड़ 29.2 लाख टन कर दिया है।

कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उत्पादन, जिसे दूसरे अनुमान से 9.1 लाख टन ऊपर की ओर संशोधित किया गया है, वह फसल वर्ष 2022-23 में हासिल किए गए 11 करोड़ 5.5 लाख टन के पिछले रिकॉर्ड उच्च स्तर से भी अधिक है। मुख्य रबी (सर्दियों) की फसल गेहूं की कटाई हो चुकी है और केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 2.6 करोड़ टन से अधिक की खरीद पहले ही की जा चुकी है। अपने तीसरे अनुमान में, कृषि मंत्रालय ने फसल वर्ष 2023-24 के लिए चावल उत्पादन में पिछले फसल वर्ष के 13 करोड़ 57.5 लाख टन से बढ़कर 13 करोड़ 67 लाख टन होने का अनुमान लगाया है। हालांकि, कुल खाद्यान्न उत्पादन वर्ष 2022-23 में प्राप्त स्तर की तुलना में थोड़ा कम यानी 32 करोड़ 88.5 लाख टन होने का अनुमान है।

सीबीआईसी लाएगा व्यापक आबकारी कानून

नी दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने मंगलवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक, 2024 के मसौदे पर टिप्पणियां आमंत्रित कीं। यह दशकों पुराने केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की जगह लेगा।

वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि विधेयक का मकसद कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने और पुराने तथा निरर्थक प्रावधानों को निरस्त करने के साथ ही एक व्यापक आधुनिक केंद्रीय उत्पाद शुल्क कानून बनाना है। विधेयक में 12 अध्याय, 114 धाराएं और दो अनुसूचियां शामिल हैं।

समाशोधन निगम के स्वामित्व, आर्थिक ढांचे की समीक्षा के लिए समिति का गठन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने समाशोधन निगमों के स्वामित्व और आर्थिक संरचना की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया है।

इस पहल का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि समाशोधन निगम को मजबूत, स्वतंत्र और तटस्थ जोखिम प्रबंधकों के रूप में कार्य करें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पूर्व डिप्टी गवर्नर उषा थोराट तदर्थ समिति की अध्यक्ष होंगी। यह निर्णय हाल के वर्षों में भारतीय प्रतिभूति बाजारों में उल्लेखनीय वृद्धि और केंद्रीय जोखिम प्रबंधन संस्थानों के रूप में समाशोधन निगम के महत्व को देखते हुए लिया गया है। सेबी ने मंगलवार को बयान में कहा कि समिति को स्वामित्व संरचना के साथ-साथ समाशोधन निगमों के वित्त की समीक्षा करने का काम सौंपा गया है। समिति स्वामित्व संरचना के संबंध में व्यवहार्यता की जांच करेगी। साथ ही पात्र निवेशकों की सूची का विस्तार करेगी, जिन्हें एक समाशोधन निगम में हिस्सेदारी लेने की अनुमति है। इसके साथ उन निवेशकों की श्रेणियों का सुझाव देगी जो ऐसे निगमों में हिस्सेदारी हासिल कर सकते हैं।

राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार हुई : खरगे

लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन बोले-यह जनता और लोकतंत्र की जीत है

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव का परिणाम जनता और लोकतंत्र की जीत है तथा यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक एवं नैतिक हार है। खरगे ने संवाददाताओं से कहा-यह जनता का परिणाम है। यह जनता की जीत है, लोकतंत्र की जीत है। हम पहले से कह रहे थे कि यह लड़ाई मोदी बनाम जनता थी।

उनका कहना था कि 18वीं लोकसभा के इस चुनाव में हमने विनम्रता से जनमत को स्वीकार किया है। इस बार जनता ने किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नहीं दिया। खासकर सत्ताधारी भाजपा ने एक व्यक्ति और एक चेहरे के नाम पर वोट मांगा था। खरगे ने कहा-यह प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार है। यह उनकी बहुत बड़ी हार है।

चुनाव के नतीजे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जनता ने नरेंद्र मोदी को पूरी तरीके से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश मोदी के खिलाफ है। यह नरेंद्र मोदी की नैतिक हार है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी की दोनों यात्राएं यानी कि भारत जोड़ो यात्रा और भारत छोड़ो न्याय यात्रा पूरी तरीके से सफल हुआ। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान हमें परेशान किया गया लेकिन हम हमेशा सकारात्मक मुद्दों पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर भाजपा ने कब्जा करने की कोशिश की।

खरगे ने राहुल गांधी सोनिया गांधी प्रियंका गांधी जैसे तमाम पार्टी के नेताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इनकी वजह से हमें पूरे देश में प्रोत्साहन मिला और हम चुनाव जीतने में कामयाब रहे। उन्होंने कहा कि करोड़ो कार्यकर्ताओं ने हमारा साथ दिया। जिसकी वजह से हम इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब र हे उन्होंने दावा किया कि हमने यह चुनाव सिर्फ मुद्दों पर लड़ा है। हमारा कैंपेन पूरी तरीके से सकारात्मक रहा। इंडिया गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर चुनाव लड़ा सकारात्मक प्रचार किया।

ममता ने मोदी और अमित शाह के इस्तीफे की मांग की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने पर नैतिक आधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग की। सुश्री बनर्जी ने इंडिया समूह के सहयोगियों को धन्यवाद दिया और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर एक बार फिर से भरोसा जताने के लिए जनता को बधाई दी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि जैसा कि मैंने घोषणा की थी एग्जिट पोल को मोदी पोल बना दिया गया था और मेरी बात सच हो गई है, हालांकि राज्य में चुनाव में धांधली की कोशिशें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के अगली बैठक में इंडिया समूह का प्रतिनिधित्व करने की संभावना है। अभिषेक ने डायमंड हार्बर सीट रिकॉर्ड अंतर से जीती है। सुश्री बनर्जी ने कहा–मैं राज्य में व्यस्त रहूंगी, मैं राज्य को केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के हाथों में नहीं छोड़ सकती हूं।

कांग्रेस का धीमी मतगणना का आरोप, निर्वाचन आयोग से शिकायत की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव की मतगणना में गति धीमी होने का दावा करते हुए मंगलवार को निर्वाचन आयोग से शिकायत की। पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से आग्रह किया कि हर चरण की मतगणना के आंकड़े वेबसाइट पर समयबद्ध तरीके से सार्वजनिक किए जाएंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता अभिषेक सिंघवी और सलमान खुर्शीद शामिल थे। सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा-हमें अपनी राज्य इकाइयों और उम्मीदवारों से रिपोर्ट मिली है कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर दोपहर 2:30 बजे के बाद मतगणना अपडेट मिलने में देरी हो रही है। हमने यह भी बताया कि संसदीय क्षेत्र के आधार पर कोई अपडेट नहीं है। हमने कोई आरोप नहीं लगाया है, हमने सिर्फ अपडेट देने के लिए कहा है।

चुनाव परिणाम ने साबित किया कि स्थिति बदलाव के लिए अनुकूल है

मुंबई, एजेंसी

- शरद पवार बोले-रणनीति तय करने के लिए आज करेंगे बैठक

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव परिणामों ने दिखा दिया है कि देश में स्थिति राजनीतिक बदलाव के लिए अनुकूल है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि आगे की रणनीति तय करने के लिए बुधवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन के नेताओं के बैठक करने की संभावना है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन के केंद्र में सरकार बनाने की संभावना नहीं है। पवार ने कहा-मैंने (कांग्रेस अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे और (माकपा महासचिव) सीताराम येचुरी से बात की है। इंडिया गठबंधन की बैठक बुधवार को दिल्ली में होने की संभावना है। आज शाम तक अंतिम निर्णय लिये जाने की उम्मीद है। उसी के अनुसार, मैं दिल्ली जाऊंगा। यह पूछे जाने पर कि अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, पवार ने कहा-हमने इस पर विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा, '' इंडिया गठबंधन के सरकार बनाने को लेकर मैं आश्वत नहीं हूं। हम कल बैठक करेंगे और आगे की रणनीति पर निर्णय लेंगे। पवार ने कहा कि चुनाव में उनकी पार्टी और शिवसेना का स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा है।

एक नजर

केजरीवाल के खिलाफ अदालत नौ जुलाई को पारित करेगी आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत आबकारी नीति से जुड़े कथित धन शोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर नौ जुलाई को आदेश पारित कर सकती है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को मंगलवार को आदेश पारित करना था, लेकिन उन्होंने इसे नौ जुलाई तक के लिए टाल दिया है।

सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि वह इस मामले के गुण–दोष पर कुछ नहीं कह रही है।

सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त दो पायलट सुरक्षित बाहर निकले

नासिक, एजेंसी

- विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में हुआ दुर्घटनाग्रस्त
- दुर्घटना के बाद वायुसेना, सुरक्षा टीम ने किया निरीक्षण

भारतीय वायुसेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान मंगलवार को महाराष्ट्र के नासिक जिले में क्रैश हो गया। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डी आर कराले ने बताया कि सुखोई एसयू-30 एमकेआई विमान के पायलट और सह-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है।

आईपीएस अधिकारी ने बताया कि सुखोई विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। लड़ाकू विमान को विंग कमांडर बोकिल और उनके दूसरे कमांडर बिस्वास उड़ा रहे थे। करीब दोपहर 1.20 बजे यह निफाड तहसील के शिरसगांव गांव के एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए और उन्हें मामूली चोटें आई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि उन्हें एचएएल अस्पताल ले जाया गया है। दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि विमान के हिस्से अब 500 मीटर के दायरे में फैले हुए हैं। विमान दुर्घटना के बाद भारतीय वायुसेना, एचएएल सुरक्षा और एचएएल तकनीकी इकाई की टीमों ने घटनास्थल का दौरा किया।

जानिए सुखोई लड़ाकू विमान की खूबियां: रूसी सुखोई एसयु-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना में सबसे ताकतवर लड़ाकू विमान माना जाता है। भारतीय वायुसेना के पास 272 सक्रिय सुखोई एसयु-30 एमकेआई हैं, इस एयरक्राफ्ट में दो इंजन हैं और दो चालको के बैठने की जगह है। इनमें से कुछ लड़ाकू विमान को सुपरसोनिक मिसाइल ब्रह्मोस को लॉन्च करने के लिए भी अपग्रेड किया गया है।

भाजपा को दी कड़ी टक्कर, लोगों ने नफरत के खिलाफ दिया वोट

नई दिल्ली, एजेंसी

- आप सांसद संजय सिंह ने भाजपा पर साधा निशाना

आप सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इसके उम्मीदवारों ने दिल्ली में भाजपा को कड़ी टक्कर दी और साथ ही लोगों ने भाजपा की नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के खिलाफ मतदान किया।

आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा-मैं देश के मतदाताओं के सामने सिर झुकाना चाहता हूं। आज चुनाव परिणाम आ रहे हैं। तस्वीर साफ होती जा रही है। उन्होंने कहा-यह चुनाव जनता के लिए एक संदेश है कि वह भाजपा के 10 साल के शासन से थक गई है और उसे बाहर करना चाहती है। लोग महंगाई से परेशान हो गए हैं। यह भारत के लोकतंत्र की सुंदरता है कि लोगों ने भाजपा को वापस जाने के लिए कहा है। भाजपा के 400 के बहुमत के आंकड़े से दूर दिखाई देने पर सिंह ने कहा-नतीजे भाजपा और उसकी नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के लिए एक बड़ा सबक हैं। अगर पीएम मोदी में थोड़ी सी भी नैतिकता है, तो उन्हें ऐसी स्थिति में अपना पद छोड़ देना चाहिए।

इंदौर में नोटा ने 2.18 लाख वोटों के साथ बनाया नया रिकॉर्ड

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर में नोटा ने बिहार के गोपालगंज का पिछला कीर्तिमान ध्वस्त करते हुए 2,18,674 वोट हासिल किए और 14 में से 13 उम्मीदवारों को पटखनी देकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया। इंदौर, मतदाताओं की तादाद के लिहाज से सूबे में सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है जहां मुख्य चुनावी भिड़ंत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच होती रही है, लेकिन इस बार सियासी समीकरण एकदम बदले हुए थे। कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को अपना पर्चा वापस लेकर तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। नतीजतन इस सीट के 72 साल के इतिहास में कांग्रेस पहली बार चुनावी दौड़ से बाहर हो गई।

भाजपा मुख्यालय में जीत के शंखनाद की गूंज, कांग्रेस में जश्न

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में पार्टी कार्यालय में पार्टी की बढ़त का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। ●

मुंबई में कांग्रेस समर्थकों ने पार्टी की बढ़त का जश्न मनाया। ● एजेंसी

लोकसभा चुनाव के रुझान और नतीजे आने के बाद डीडीयू मार्ग स्थित भाजपा मुख्यालय में शंखनाद शुरू हो गया। भारत माता की जय और मोदी है तो मुमकिन है जैसे नारों गूंज सुनने को मिली। रुझानों में बढ़त देख भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ता गया। कार्यकर्ता ढोल नगाड़ों की थाप पर झूमते-थिरकते दिखे। दोपहर 12 बजे के करीब जब जीत स्पष्ट होने लगी तो वैसे ही कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर एक-दूसरे का मुंह मीठा किया। वहीं देश के महाराष्ट्र, बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व राजस्थान आदि में दोनों पार्टियों के समर्थकों ने अपनी-अपनी जीता का जश्न अपने अंदाज में मनाया।

जश्न को लेकर सुबह से ही कार्यकर्ता अलग-अलग अंदाज में यहां पहुंचते नजर आए। कोई साइकिल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कटआउट, तो कोई मोदी की ड्रेस में व कुछ विजय शंख लेकर पहुंचे। जैसे-जैसे चुनावी नतीजे आ रहे थे, वैसे-वैसे कार्यकर्ताओं व समर्थकों में उत्साह बढ़ता जा रहा था। मुख्यालय के आस-पास का इलाका पूरा भगवा नजर आ रहा था। वहीं अकबर रोड स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मुख्यालय में हर्ष का माहौल दिखा। कांग्रेस कार्यकर्ता ढोल की ताल पर झूमते नजर आए। यहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह प्यार-मोहब्बत की जीत है।

खेल डायरी

बोपन्ना ने बालाजी को अपना जोड़ीदार चुना

नयी दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने फ्रेंच ओपन में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले एन श्रीराम बालाजी को पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना है और अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के इस अनुभवी खिलाड़ी की पसंद पर आपत्ति जताने की संभावना नहीं है। बोपन्ना ने एआईटीए को ईमेल लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। इस ईमेल को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) को भी भेजा गया है। एआईटीए ने भी इसकी पुष्टि की है। बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार एमए रेयेस-वारेला मार्टिनेज को सोमवार को फ्रेंच ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को कड़ी चुनौती देने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा।

आशुतोष के चार गोल ईमी ने विक्ट्री को हराया

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्लेयर ऑफ द मैच आशुतोष थपलियाल के चार शानदार गोलों की मदद से डीएसए ए डिवीजन लीग में ईमी हीरोज ने विक्ट्री एफसी को 6-0 से रौंद दिया। ऐन गंबोई और राहुल ने एक-एक गोल किये। वहीं एक अन्य मुकाबले में मोहम्मद अयमान बिन के दो दर्शनीय गोलों की मदद से गुड विल एफसी ने हॉप्स एफसी को 2-1 से हराकर संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। पिछले कुछ मुकाबलों में कड़ा संघर्ष करने वाली विक्ट्री को पहली जीत की तलाश है। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में मजबूत प्रतिद्वंद्वी के विरुद्ध विक्ट्री की रक्षा पंक्ति दूसरे हाफ में टूट गई। जिसका फायदा उठाकर थपलियाल ने तिकड़ी सहित चार गोल दाग दिए।

म्यूनिख विश्व कप में ईशा छठे स्थान पर

म्यूनिख, एजेंसी। निशानेबाज ईशा सिंह म्यूनिख में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप की महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में छठे स्थान पर रहीं। जिससे प्रतियोगिता में भारत का पहले पदक का इंतजार जारी रहा। ईशा ने फाइनल में 20 अंक जुटाए। फ्रांस की कैमिली जेद्रेवस्की ने स्वर्ण पदक जीता। कैमिली ने खिताब की दौड़ में जर्मनी की डोरीन वेनेकैंप को पछाड़ा। विजेता का फैसला करने के लिए दो शूट ऑफ का सहारा लेना पड़ा। दोनों निशानेबाज 10 सीरीज के बाद 40 अंक के साथ बराबर थीं। फाइनल्स की मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक कोरिया की किम येजी 35 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। लगातार दूसरी स्पर्धा के फाइनल में निशानेबाज छठे स्थान पर रहीं।

एआईएफएफ ने कामत के निधन पर शोक जताया

नयी दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सहायक महासचिव और प्रतियोगिता निदेशक अनिल कामत का मंगलवार को निधन हो गया। वह कुछ दिनों से बीमार थे। एआईएफएफ ने उनके निधन की जानकारी दी। गोवा के चिनचिनिम गांव के रहने वाले कामत लगभग 25 वर्षों से एआईएफएफ से जुड़े हुए थे। वह सीआरसी चिनचिनिम और सेलकेट फुटबॉल क्लब से अधिकारी के रूप में जुड़े हुए थे। वह गोवा फुटबॉल संघ में कार्यकारी समिति के सदस्य और संयुक्त सचिव भी रहे। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा, ''अनिल कामत के निधन से मैं बेहद दुखी हूं। अनिल के निधन से भारतीय फुटबॉल की संरचना ने एक ऐसा स्तंभ खो दिया है जिसकी भरपाई करना मुश्किल होगा।'' उन्होंने कहा, ''फुटबॉल और इसके प्रबंधन के बारे में उनका गहरा ज्ञान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फुटबॉल के लिए एक संपत्ति थी। दुख की इस घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। ओम शांति।''

मिशन विश्व कप का आगाज करेगी टीम इंडिया

आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच आज, बरसों से आईसीसी ट्रॉफी का सूखा दूर करने उतरेंगे खिलाड़ी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

आलोचक भले ही उन्हें 'नयी बोतल में पुरानी शराब' कहें लेकिन भारत के सुपरस्टार क्रिकेटर बरसों से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने का मलाल मिटाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहेंगे और अपने इस मिशन की शुरूआत टी20 विश्व कप में बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच के जरिये करेंगे।

भारतीय टीम में अभी भी कई अनसुलझे सवाल हैं मसलन यहां 'ड्रॉप इन' पिच पर टीम संयोजन क्या रहेगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली तो विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रह चुके हैं लेकिन जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा जैसे 'दशकों में एक' माने जाने वाले क्रिकेटरों ने अभी तक खिताब नहीं जीता है। भारतीय क्रिकेट टीम 1982 और 1986 की ब्राजील फुटबॉल टीम की तरह नहीं बनना चाहती जब सुकरात, जिको, कारेका, फाल्काओ और अलेमाओ जैसे सितारे भी फीफा विश्व कप नहीं जीत सके थे। पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम की सीढियां चढते हुए कप्तान रोहित शर्मा अपने आंसू नहीं छिपा सके थे। वहीं 765 रन बनाने वाले कोहली के चेहरे पर भी उदासी साफ देखी जा सकती थी। कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिलकर सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं बना पाते। भारत ने अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिये कि यही टीम कई बार आखिरी दो तिलिस्म नहीं तोड़ सकी है। सैतीस बरस के रोहित का यह आखिरी विश्व कप है और यह लगभग तय है कि वह भारत में होने वाले अगले टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप तक नहीं खेलेंगे। दूसरी ओर आयरलैंड की टीम में पॉल स्टर्लिंग, जोश लिटिल, हैरी टेक्टर, एंडी बालबर्नी जैसे अच्छे टी20 क्रिकेटर हैं। नासाउ काउंटी मैदान की धीमी और औसत विकेट पर भारतीय टीम आयरलैंड के बायें हाथ के स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल को कैसे खेलती है, यह देखना रोचक होगा। भारत को फायदा इस बात का है कि उसके पास आयरलैंड से बेहतर स्पिनर हैं हालांकि बुमराह के अलावा तेज गेंदबाजी आक्रमण थोड़ा कमजोर लग रहा है। कई बार बहुत ज्यादा विकल्प होना भी अच्छी स्थिति नहीं होती है और शीर्षक्रम पर भारत के साथ ऐसा ही हो रहा है। कप्तान रोहित और कोहली के लिये यशस्वी जायसवाल को बाहर रहना पड़ सकता है। ऋषभ पंत ने अभ्यास मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और हार्दिक पंड्या ने अच्छी गेंदबाजी की। पंड्या ने अभ्यास सत्र में कोहली, सूर्यकुमार यादव और रोहित को अच्छी खासी गेंदबाजी की।

भारत
रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

आयरलैंड
पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

मैच का समय : रात आठ बजे से।

अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रनों से रौंदा

फजलहक फारूकी

प्रोविडेंस (गुयाना), एजेंसी

- **फारूकी के पांच विकेट, गुरबाज और जदरान की बल्लेबाजी से विश्व कप का पहला मैच जीता**

तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के पांच विकेट और रहमानुल्लाह गुरबाज तथा इब्राहिम जदरान के बीच पहले विकेट की शतकीय साझेदारी की मदद से अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में युगांडा को 125 रन से हराया। कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज गुरबाज ने 45 गेंद में 76 रन बनाये जबकि जदरान ने 46 गेंद में 70 रन की पारी खेली। दोनों ने पुरूषों के टी20 विश्व कप में पहले विकेट के लिये सर्वोच्च 154 रन की साझेदारी की जिसकी मदद से अफगानिस्तान ने पांच विकेट पर 183 रन बनाये। बायें हाथ के तेज गेंदबाज फारूकी ने चार ओवर में नौ रन देकर पांच विकेट लिये।

विश्व कप में पहली बार उतरी युगांडा की टीम 16 ओवर में 58 रन पर आउट हो गई। फारूकी दो बार हैट्रिक लेने के करीब पहुंचे थे। पहली गेंद पर चौका पड़ने के बाद उन्होंने बेहतरीन इनस्विंगर पर रौनक पटेल को आउट किया। इसके बाद रोजर मुकासा पगबाधा आउट हो गए। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिये खेल चुके फारूकी ने 13वें ओवर में तीन और विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने रियाजत अली शाह को बोल्ड किया और युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा को गुरबाज के हाथों लपकवाया। वह हैट्रिक से चूक गए लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर एक और विकेट लिया। इससे पहले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने आक्रामक शुरूआत की। गुरबाज ने पारी की दूसरी ही गेंद पर छक्का जड़ा। जदरान ने दिनेश नकरानी के छठे ओवर में लगातार चार चौके लगाये। पावरप्ले के आखिर में अफगानस्तान ने 11 रन प्रति ओवर की दर से रन बना डाले थे। गुरबाज ने चार चौके और चार छक्के लगाये और अपना अर्धशतक सिर्फ 28 गेंद में पूरा किया। जदरान ने नौ चौके और एक छक्का जड़ा। ऐसा लग रहा था कि दोनों पूरे 20 ओवर खेल जायेंगे लेकिन युगांडा के गेंदबाजों ने वापसी की और उन्हें 200 रन के भीतर रोक दिया। अफगानिस्तान का सामना अब न्यूजीलैंड से होगा।

अफगानिस्तान : 183/5, ओवर : 20

गुरबाज का रियाजत बो रामजनी	76
इब्राहिम जदरान बो मसाबा	70
जदरान का नकरानी बो मसाबा	02
मोहम्मद नबी नाबाद	14
नईब का मसाबा बो क्येवूता	04
उमरजई का रामजनी बो क्येवूता	05
राशिद खान नाबाद	02

गेंदबाजी : अल्पेश 4-0-33-1, कॉसमास क्येवूता 4-0-25-2, दिनेश नकरानी 3-0-37-0, बिलाल हसन 2-0-34-0, हेनरी सेनयोंडो 2-0-19-0, रियाजत अली शाह 1-0-11-0, मसाबा 4-0-21-2

युगांडा : 58/10, ओवर : 16

रौनक बो फजलहक 04

साइमन का फजलहक बो मुजीब	04
मुकासा पगबाधा फजलहक	00
रियाजत बो फजलहक	11
दिनेश बो नवीन उल हक	06
अल्पेश का नईब बो नवीन उल हक	00
रॉबिंसन का गुरबाज बो फजलहक	14
मसाबा का गुरबाज बो फजलहक	00
बिलाल हसन पगबाधा राशिद	08
कॉसमास क्येवूता नाबाद	02
हेनरी सेनयोंडो बोल्ड राशिद	00

गेंदबाजी : फजलहक फारूकी 4-0-9-5, मुजीब उर रहमान 3-0-16-1, नवीन उल हक 2-0-4-2, अजमतउल्लाह उमरजई 2-0-7-0, राशिद खान 4-0-12-2, मोहम्मद नबी 1-0-8-0

स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के मैच में बारिश ने डाला खलल

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), एजेंसी

गत चैंपियन इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच टी20 विश्व कप मैच मंगलवार को बारिश और मैदान गीला होने के कारण देर से शुरू हुआ। केंसिंग्टन ओवल में टॉस के तुरंत बाद बारिश आ गई, जिसे स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बेरिंगटन ने जीता। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बारिश के कारण मैच को 10-10 ओवरों का कर दिया गया। स्कॉटलैंड ने इंग्लैंड को जीत के लिए 91 रनों का लक्ष्य दिया है।

बारिश के कारण खेल की शुरूआत में लगभग 20 मिनट का विलंब हुआ। मैच के 7वें ओवर में दोबारा बारिश शुरू होने के कारण मैच को रोकना पड़ा। स्कॉटलैंड के खिलाड़ी जॉर्ज मोन्से 31 गेंदों पर 41 और माइकल जोंस 30 गेंदों पर 45 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड और स्कॉटलैंड ऑस्ट्रेलिया, ओमान और नामीबिया के साथ ग्रुप बी में है।

जेब्युर की हार, कोको सेमीफाइनल में

पेरिस, एजेंसी। अमेरिका की कोको गॉफ ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में ओन्स जेब्युर को हराकर लगातार तीसरी बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पिछले साल सितंबर में अमेरिकी ओपन के रूप में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली गॉफ ने आठवीं वरीय जेब्युर को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया। अमेरिकी ओपन के बाद गॉफ ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के भी अंतिम चार में जगह बनाई थी। गॉफ की सेमीफाइनल में भिड़ंत शीर्ष वरीय ईगा स्वियातेक से हो सकती है, जिन्होंने पेरिस में पिछले चार में से तीन खिताब जीते हैं।

नोवाक जोकोविच घुटने में चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

पेरिस, एजेंसी

नोवाक जोकोविच दाहिने घुटने में चोट के कारण मंगलवार को फ्रेंच ओपन से हट गए, जिससे खिताब के बचाव के मौके के साथ रैंकिंग में शीर्ष स्थान को भी गंवा देंगे। फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने बताया कि 'जोकोविच के दाहिने घुटने के 'मीडियल मेनिस्कस' में चोट है। इस चोट की गंभीरता का पता एमआरआई जांच के दौरान चला।

जोकोविच को यह चोट विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान के खिलाड़ी फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के खिलाफ चौथे दौर में साढ़े चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच के दौरान लगी थी। चौबीस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को बुधवार को क्वार्टर फाइनल में दो बार के फ्रेंच ओपन उपविजेता कैस्पर रुड से मुकाबला करना था। रूड को अब वॉकओवर मिल गया है और सेमीफाइनल में उनका सामना रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज अलेक्जेंडर ज्वेरेव या 11वें स्थान के खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर से होगा।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टरफाइनल में

पेरिस, एजेंसी। जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने डेनमार्क के होल्गर रूण को हराकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। मंगलवार को हुये मुकाबले में ज्वेरेव ने लगातार तीन सेट जीतकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में लगातार चौथी बार जगह बनाई है। उन्होंने चार घंटे और 11 मिनट में तक चले मुकाबले में रुण पर 4-6, 6-1, 5-7, 7-6(2), 6-2 से जीत दर्ज की। ज्वेरेव का अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एलेक्स डी मिनौर से होगा। डी मिनौर ने डेनियल मेदवेदेव को 4-6, 6-2, 6-1, 6-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे हैं।

राहुल द्रविड़ को लेकर भावुक हुए रोहित शर्मा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को पिछले ढाई वर्षों में टीम में उनके व्यापक योगदान को स्वीकार करने के साथ इस जिम्मेदारी को जारी रखने के लिए मनाने की कोशिश की थी। द्रविड़ ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया था कि टी20 विश्व कप भारतीय टीम के साथ उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। रोहित इसके एक दिन बाद राष्ट्रीय टीम में अपने पहले कप्तान के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए।

गौतम गंभीर को द्रविड़ के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने इस पद के लिए आवेदन किया है या नहीं। रोहित ने टी20 विश्व कप में आयरलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''मैंने उन्हें रोकने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन जाहिर तौर पर ऐसी कई चीजें हैं जिनका उन्हें ध्यान रखना होगा। मैंने व्यक्तिगत रूप से उसके साथ अपने समय का आनंद लिया।'' रोहित ने इस मौके पर अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राहुल की कप्तानी में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू किया था। उन्होंने कहा, '' जब मैंने आयरलैंड में पदार्पण किया था तो वह मेरे पहले अंतरराष्ट्रीय कप्तान थे। जब मैं टेस्ट मैचों के लिए टीम में आया था तब मैंने उन्हें करीब से खेलते हुए देखा था। वह हम सभी के लिए इतने बड़े आदर्श रहे है।'' उन्होंने कहा, '' बड़े होते हुए, हमने उन्हें खेलते हुए देखा है और हम जानते हैं कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से एक खिलाड़ी के रूप में क्या हासिल किया है। हम पिछले कुछ वर्षों में टीम के लिए उनके योगदान की सराहना करते है।''

नीदरलैंड ने नेपाल को 106 रनों पर समेटा

डलास, एजेंसी। नीदरलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में मंगलवार को नेपाल की पारी को 19.2 ओवर में 106 रन पर समेट दिया। नेपाल की ओर से कप्तान रोहित पौडेल ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाये। नीदरलैंड के लिए टिम प्रिंगल और लोगन वैन बीक ने तीन-तीन विकेट चटकाये।

ग्रांड प्रेरी स्टेडियम में मंगलवार को नेपाल और नीदरलैंड के बीच विश्वकप के खेले गए मैच में कप्तान रोहित पौडेल की जुझारू पारी की बदौलत नेपाल 100 रनों का आंकड़ा पार कर सकी। रोहित के अलावा नेपाल का कोई भी खिलाड़ी नीदरलैंड के गेंदबाजों के सामने ज्यादा समय तक नहीं टिक सका। नीदरलैंड के गेंदबाजों की सधी हुई गेंदबाजी के कारण नेपाल की टीम निर्धारित 20 ओवर भी नहीं खेल सकी।

शतरंज : प्रज्ञानानंदा ने डिंग लिरेन को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन के खिलाफ आर्मोगेडोन पर मिली हार का बदला चुकता करते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में जीत दर्ज की हालांकि इससे पहले चीनी खिलाड़ी ने मजबूत स्थिति में पहुंचकर खुद गलतियां की थी जो उन पर भारी पड़ी। पहला मुकाबला ड्रॉ रहा और प्रज्ञानानंदा ने आर्मागेडोन में बाजी मारी। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नकामूरा के खिलाफ धीमी शुरूआत की और आर्मागेडोन में हार गए। वहीं फ्रांस के फिरोजा अलीरजा ने अमेरिका के फेबियानो कारूआना को हराया। कार्लसन 13 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। नकामूरा उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञानानंदा 11 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि अलीरजा उनसे डेढ अंक पीछे हैं। कारूआना पांचवें स्थान पर हैं और लिरेन सबसे नीचे हैं। महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक ने चीन की विश्व चैम्पियन वेंजुन जू को हराकर एकल बढ़त हासिल की। जू उनसे आधा अंक ही पीछे हैं। कोनेरू हम्पी ने हमवतन आर वैशाली को हराया जो तीसरे स्थान पर हैं। चीन की तिंगजि लेइ ने स्वीडन की पिया क्रामलिंग को हराया।

ग्रैंडमास्टर अर्जुन विश्व में शीर्ष पांच में

नयी दिल्ली, एजेंसी। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने फ्रेंच टीम शतरंज चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके फिडे रेटिंग में पांचवां स्थान हासिल कर लिया और लाइव रेटिंग में वह सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय हैं। अर्जुन के ईएलओ रेटिंग अंक 2769.7 हैं और उन्होंने इसमें 8.7 अंक का इजाफा किया है। उनसे आगे नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन, अमेरिका के हिकारू नकामूरा और फेबियानो कारूआना और रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि हैं। वह इस सप्ताह लाइव रेटिंग में 2771.2 अंक तक पहुंचे और विश्वनाथन आनंद के बाद यहां तक पहुंचने वाले दूसरे भारतीय हैं।

लक्ष्य सेन दूसरे राउंड में पहुंचे

जकार्ता, एजेंसी

- **इंडोनेशिया ओपन में प्रियांशु ने एचएस प्रणॉय को हराया**

लक्ष्य सेन और प्रियांशु रजावत मंगलवार को इंडोनेशिया ओपन 2024 बैडमिंटन बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए दूसरे राउंड में पहुंच गये है। मंगलवार को पुरुष एकल मुकाबले में लक्ष्य सेन ने जापान के कांता त्सुनेयामा को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 21-12, 21-17 से हराया। राउंड ऑफ 16 में लक्ष्य का सामना जापान के केंटा निशिमोटो से होगा, जिन्होंने पहले राउंड में सातवीं वरीयता प्राप्त एंथोनी गिंटिंग को हराया है।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में ही मजबूत शुरुआत करते हुए 10-4 से बड़ी बढ़त बनाई और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़ कर नहीं देखा और वह लगातार अंक अपने नाम करते रहे और आखिर में इस गेम को बड़ी आसानी से 21-12 से जीत लिया। कांता त्सुनेयामा को इस गेम में काफी संघर्ष करना पड़ा। दूसरे गेम में लक्ष्य शुरू से ही जापान के खिलाड़ी पर हावी रहे और 2-2 से स्कोर बराबर होने के बाद भारतीय शटलर ने 5-3 की बढ़त बनाई और शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाये रखा। जापानी खिलाड़ी ने गेम को आखिर तक ले जाने का प्रयास किया और स्कोर 17-14 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने जापानी खिलाड़ी की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए 21-17 से जीत दर्ज की। इसके अलावा दिन का एक और रोमांचक मुकाबले में एचएस प्रणॉय को पहले राउंड में हमवतन दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु रजावत से 17-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणॉय की अपने जूनियर खिलाड़ी के खिलाफ चार मैचों में यह पहली हार थी। रजावत अगले राउंड में मौजूदा विश्व चैंपियन थाईलैंड के कुणालवुट विटिदसर्न से मुकाबला करेंगे। मिश्रित युगल जोड़ी बी सुमित रेड्डी और सिक्की रेड्डी ने भारतीय अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। भारतीय जोड़ी ने यूएसए के विसन चिउ-जेनी गाई को 18-21, 21-16, 21-17 से हारकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com. **आर.एन.आई नं0**-UPHIN/2022/85730 (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

बाढ़ बनी आफत

रेमल चक्रवात के बाद से गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया। इससे लोगों को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। लगातार हो रही बारिश और बाढ़ की वजह से कई लोग जान गवां चुके हैं।

चांद के अंधेरे हिस्से से निकाली दो किलो मिट्टी

बीजिंग, एजेंसी

- चीन का मून लैंडर चांग ई-6 धरती पर लौट रहा है, चीन अपने इस मिशन में कामयाब हुआ तो ऐसा करने वाला पहला देश होगा

चीन ने पिछले महीने 3 मई को चांग ई-6 मून लैंडर लॉन्च किया था। अब इस मून लैंडर ने चांद के अंधेरे हिस्से से मिट्टी निकालने में कामयाबी हासिल कर ली है। ये जानकारी चीनी स्पेस मिशन ने दी है। न्यूज वेबसाइट अलजजीरा के मुताबिक चीन ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से से मिट्टी का सैंपल लेने के लिए मून लैंडर में ड्रिल कर खोदने और फिर मलबे को उठाने की मैकेनिकल आर्म लगाई गई थी।

चीन की अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि इस सैंपल के विश्लेषण से अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को चंद्रमा, पृथ्वी और सौर मंडल के बनने और उनका विकास होने से जुड़े सुराग मिल पाएंगे। इस डेटा का इस्तेमाल चीन के आने वाले मून मिशन्स में भी होगा।

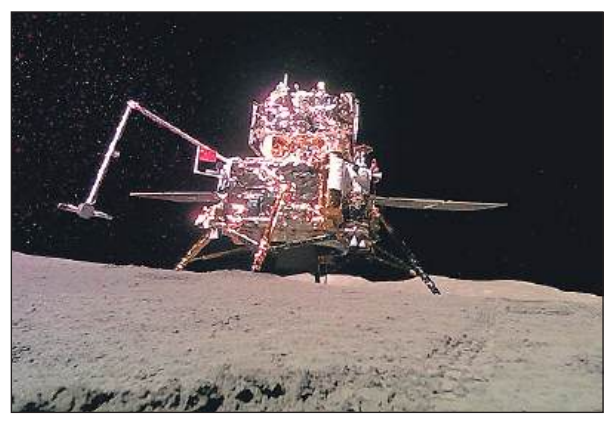

पहली बार चांद के दक्षिणी हिस्से में फहराया चीनी झंडा : चांद से मिट्टी इकट्ठा करने के बाद चांग''ई-6 ने पहली बार चांद के दक्षिणी हिस्से में चीन का झंडा फहराया। चीनी स्टेट मीडिया के मुताबिक अब अपने मिशन को अंजाम देने के बाद मून लैंडर चांग''ई-6 वापस लौट रहा है।

25 जून को वापस लौटेगा चांग ई-6

चीनी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने चीनी स्पेस एजेंसी का हवाला देते हुए बताया कि चांग''ई-6 ने मंगलवार सुबह 7:38 बजे चांद से उड़ान भरी। चांग''ई-6 फिलहाल चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर चुका है। योजना के मुताबिक चांग''ई-6 चीन के इनर मंगोलिया इलाके के रेगिस्तान में करीब 25 जून के आसपास लैंड करेगा। इसे चीन का अब तक का सबसे मुश्किल मून मिशन बताया जा रहा है। अगर 25 जून को चीनी मून लैंडर वापस धरती पर सफलतापूर्वक उतरने में सफल होता है तो चीन के साथ-साथ ये पूरे मानवजाति के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। इससे पहले बीते रविवार की सुबह चांग''ई-6 ने चांद के अंधेरे वाले हिस्से ऐटकेन बेसिन पर सफल लैंडिंग की थी।

चांद के सुदूर हिस्से तक पहुंचना क्यों मुश्किल?

चांद के इस हिस्से पर लैंडिंग दूसरे हिस्सों के मुकाबले ज्यादा मुश्किल है। इसकी वजह ये है कि चांद के इस हिस्से में अंधेरा होता है, ये उबड़-खाबड़ है। इसके चलते यहां संपर्क मुश्किल होता है और लैंडिंग में परेशानी आती हैं। चीन को 2030 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजना है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर चीन एक रिसर्च बेस बनाना चाहता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक चांग''ई-6 लैंडर जो सैंपल लेकर आएगा उनसे चंद्रमा, पृथ्वी और सौर मंडल के बनने और उनका विकास होने से जुड़े सुराग मिल पाएंगे। इस डेटा का इस्तेमाल चीन के आने वाले मून मिशन्स में होगा।

एक नजर

पाकिस्तान में कोयला खदान में गैस रिसाव से 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के क्वेटा के पास एक कोयला खदान में गैस रिसाव के कारण नौ खनिकों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने सोमवार को बलूचिस्तान के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल गनी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कोयला खदान क्वेटा से 40 किलोमीटर दूर स्थित है। इस घटना के बाद खदान बंद कर दी गई थी। अखबार ने कहा कि नौ खनिकों के अलावा, एक ठेकेदार और एक खदान प्रबंधक भी मृतकों में शामिल हैं।

300 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार घर लौटे

काबुल। पिछले कुछ दिनों में 300 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार पाकिस्तान और ईरान से स्वदेश लौट आए हैं। सरकारी बख्तर समाचार एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि कुल 303 परिवार जो दोनों पड़ोसी देशों में वर्षों तक शरणार्थी के रूप में रहते थे, कुछ दिन पहले अपने वतन लौट आए। कथित तौर पर पिछले नवंबर से दोनों देशों से 10 लाख से अधिक अफगान शरणार्थी, जिनमें से अधिकांश बिना दस्तावेज वाले प्रवासी हैं, घर लौट आए हैं। अफगान की कार्यवाहक सरकार अफगान शरणार्थियों से विदेश में शरणार्थी के रूप में रहना बंद करने और युद्धग्रस्त मातृभूमि की पुनर्निर्माण प्रक्रिया में योगदान देने के लिए घर लौटने का आह्वान करती रही है।

कॉर्निल ने ग्रहण किया प्रधानमंत्री का पदभार

पोर्ट-ओ-प्रिंस। हैती के अंतरिम प्रधानमंत्री गैरी कॉर्निल ने आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण कर लिया है। संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद ने मई के अंत में अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) के स्थानीय विभाग के निदेशक गैरी कॉर्निल को चुना। श्री कॉर्निल पहले ही 2011-2012 में प्रधानमंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर कहा, सोमवार को एक समारोह के दौरान प्रधानमंत्री डॉक्टर गैरी कॉर्निल को संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद के अध्यक्ष एडगार्ड लेब्लांक फिल्स से संक्रमणकालीन सरकार के प्रमुख के रूप में उनकी नियुक्ति पर एक विस्तारित निर्णय प्राप्त हुआ। कार्यालय ने जारी बयान में कहा कि समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने प्रस्ताव दिया कि सभी इच्छुक पक्ष अपने विवादों को छोड़ दें।

भारत में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों पर वर्ल्ड मीडिया की रहीं नजरें

वॉशिंगटन पोस्ट ने कहा- मोदी पहली बार पूर्ण बहुमत से चूके

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में 2024 के लोकसभा चुनाव में वोटों की गिनती जारी है। बीजेपी की अगुआई वाले एनडीए गठबंधन को उम्मीद के मुताबिक सीटें मिलती नहीं दिख रहीं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नतीजों को न सिर्फ देश के लोग बल्कि पूरी दुनिया टकटकी लगाकर देख रही है। वॉशिंगटन पोस्ट ने कहा- मोदी पहली बार पूर्ण बहुमत से चूक गए। न्यूयॉर्क टाइम्स से लेकर ब्रिटेन का बीबीसी ने लाइव कवरेज किया। शुरुआती नतीजों को वर्ल्ड मीडिया अपने नजरिये से परख रहा है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने नतीजों को प्रधानमंत्री मोदी के 10 साल के कार्यकाल पर रेफरेंडम बताया है। टाइम्स के मुताबिक, काफी हद तक नरेंद्र मोदी को तीसरा टर्म मिलेगा। भारत में नए बने विपक्षी गठबंधन ने मोदी की बंटवारे की राजनीति के खिलाफ वोट मांगा था। विपक्ष ने लोगों के मन में ये डर भरा था कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो संविधान बदल देगी।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

- अलजजीरा ने लिखा- जीते तो भी पीठ नहीं थपथपा पाएंगे

बांगलादेशी अखबार द डेली स्टार ने लिखा- ऐसा लगता है कि इस बार कमजोर भाजपा की सरकार बनेगी। भारतीय शेयर बाजार को पीएम मोदी की भारी जीत की उम्मीद थी लेकिन शुरुआती परिणामों ने उसे डरा दिया है। यही वजह है कि शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। इसके साथ ही बांग्लादेशी अखबार ने सीएम ममता बनर्जी की तारीफों के पुल भी बांधे हैं।

अखबार लिखता है कि एग्जिट पोल्स में तृणमूल कांग्रेस को काफी कम सीटें दिखाई गई थीं, लेकिन असल परिणाम कुछ और बता रहे हैं। ममता बनर्जी ने बीजेपी को एक बार फिर से मात दी है। रॉयटर्स ने लिखा है कि शुरुआती रुझानों में पीएम मोदी की पार्टी और उनका गठबंधन आगे दिखाई दे रहा है। उम्मीद के उलट नतीजों की वजह से बाजार परेशान होकर लगातार गिरता जा रहा है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने लिखा विपक्ष ने दिया झटका

भारत के नरेंद्र मोदी बहुमत हासिल करने के लिए जूझ रहे हैं। शुरुआती रुझानों में उन्हें उम्मीद मुताबिक नतीजे नहीं मिल रहे। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने लिखा कि मोदी और उनकी हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी को विपक्ष ने कड़ा झटका दिया है।

फ्रांस 24 ने लिखा-

भारत के चुनाव में विपक्ष उम्मीद से कड़ी टक्कर दे रहा है। 10 साल की सत्ता में नरेंद्र मोदी ने भारत की राजनीति के परिदृश्य को ही बदल दिया था। उनकी पॉपुलैरिटी ने उनकी पार्टी को पीछे छोड़ दिया। मोदी ने संसदीय चुनाव को राष्ट्रपति चुनाव जैसा बना दिया। नतीजा ये रहा कि बीजेपी चुनाव जीतने के लिए मोदी ब्रांड पर निर्भर रहती है।

उ. कोरिया के साथ सैन्य समझौता स्थगित करेगा द. कोरिया

सियोल। दक्षिण कोरिया की सरकार ने उत्तर कोरिया के साथ एक विवादास्पद सैन्य समझौते को निलंबित करने को मंजूरी दे दी है। यह एक ऐसा कदम है जिससे वह उत्तर कोरिया के उकसावे पर सख्त प्रतिक्रिया दे सकेगा।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब हाल ही में दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच दुश्मनी तेजी से बढ़ी है। इससे पहले दक्षिण कोरिया द्वारा कुछ पर्चे भेजे जाने के जवाब में उत्तर कोरिया ने सीमा पार कचरा ले जाने वाले गुब्बारे उड़ाए थे। मंगलवार को दक्षिण कोरिया की कैबिनेट काउंसिल ने सीमा पर सैन्य तनाव को कम करने के लिए 2018 के अंतर-कोरियाई समझौते को निलंबित करने के उद्देश्य से एक प्रस्ताव पारित किया।

- कचरे के गुब्बारे उड़ाने के मामले पर दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच दुश्मनी तेजी से बढ़ी

सरकारी अधिकारियों के अनुसार यह प्रस्ताव राष्ट्रपति यूं सूक येओल द्वारा हस्ताक्षर किए जाने के बाद औपचारिक रूप से प्रभावी होगा। वे संभवतः मंगलवार देर शाम तक इस पर हस्ताक्षर करेंगे।

टोक्यो में कार्गो विमान की कराई इमरजेंसी लैंडिंग

आपात लैंडिंग के बाद सुरक्षा कर्मियों ने विमान को घेर लिया।

टोक्यो, एजेंसी

- विमान में आग लगने के बाद करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

जापान में टोक्यो के नारिता हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही एक मालवाहक विमान में आग लगने की वजह से आपात स्थिति में उतारा गया।

राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। एनएचके द्वारा प्रसारित लाइव फुटेज में दिखाया गया कि विमान के दाहिने ओर की इंजन में आग लग गई। इसके बाद विमान ने आपातस्थिति में उतारने के लिए घोषणा की। हवाई अड्डे के अनुसार विमान को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:20 बजे उतरना था। आपातकालीन लैंडिंग के बाद रनवे को बंद करने की कोई योजना नहीं है।

तुर्की में विमान दुर्घटना में दो सैनिकों की मौत

अंकारा। तुर्की के मध्य प्रांत काइसेरी में मंगलवार को सैन्य प्रशिक्षण के दौरान विमान दुर्घटना में दो सैनिकों की मौत हो गई। तुर्की रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा, हमारे वायु सेना कमान का एक एसएफ-260डी प्रकार का प्रशिक्षण विमान, जो प्रशिक्षण के लिए काइसेरी में 12वीं वायु परिवहन मुख्य बेस कमान से उड़ान भर रहा था, अज्ञात कारणों से दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान काइसेरी प्रांत के कोकासिनान जिले के हसन अर्पा इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

थ्यानमेन नरसंहार की वर्षगांठ पर चीन-हांगकांग में भारी सुरक्षा

बीजिंग, एजेंसी

- लोकतंत्र समर्थकों पर कार्रवाई का गवाह है थ्यानमेन चौक

थ्यानमेन नरसंहार की 35वीं बरसी पर चीन और हांगकांग में सुरक्षा के भारी बंदोबस्त किए गए। इस दौरान लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर खूनी कार्रवाई के गवाह रहे थ्यानमेन चौक को जाने वाली सड़कों पर पुलिस चौकियां और बख्तरबंद वाहनों की कतारें देखी गईं।

हांगकांग पुलिस ने भारी चौकसी बरतते हुए बरसी संबंधी किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम को रोकने के लिए सड़क से कम से कम दो लोगों को हटा दिया। चीन काफी समय पहले ही नरसंहार की उन सभी निशानियों को कुचल चुका है जब चीनी सरकार ने कम्युनिस्ट शासन को बनाए रखने और महीनों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों को समाप्त करने के लिए सेना को कार्रवाई का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद अनुमान है कि 180,000 सैनिक और सशस्त्र पुलिस बल टैंकों के साथ पहुंचे और थ्यानमेन चौक पर प्रदर्शनकारी छात्रों पर गोलियां बरसाईं। आज तक मरने वालों की संख्या का पता नहीं चल पाया है। ये माना जाता है कि हजारों नहीं तो सैकड़ों लोग इस अभियान में मारे गए थे जो कि एक रात पहले शुरू होकर 4 जून, 1989 की सुबह समाप्त हुआ था। यह नरसंहार आधुनिक चीनी इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। कम्युनिस्ट पार्टी के कट्टरपंथियों के पक्ष में संकट समाप्त हो गया जो राजनीतिक सुधारों की बजाय नियंत्रण का समर्थन करते थे।

सैन फ्रांसिस्को में इजराइली मिशन की इमारत से फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को में इजराइली वाणिज्य दूतावास की इमारत की लॉबी में घुसे फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों को सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन एसोसिएट प्रेस के संवाददातओं ने पुलिस को लगभग 50 लोगों को अपने साथ ले जाते हुए देखा। अधिकारी उन्हें पुलिस वैन में बैठाकर वहां से ले गए।

सोमवार को फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों का एक समूह इमारत में घुस गया और कई घंटों तक वहां रहा। प्रदर्शनकारियों ने इमारत के मुख्य द्वार पर इजराइल-हमास युद्ध को रोकने का आह्वान करते हुए पोस्टर लगाए। सैन फ्रांसिस्को पुलिस विभाग ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को कई बार चेतावनी दी और उन्हें वहां से चले जाने को कहा, लेकिन इसके बाद वे आगे बढ़ते रहे, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इजराइल के महावाणिज्यदूत मार्को सेरमोनेटा ने कहा कि प्रदर्शनकारी सुबह करीब नौ बजे फाइनेंशियल डिस्ट्रिक की इमारत के पास एकजुट हुए, लेकिन वाणिज्य दूतावास के कार्यालयों में प्रवेश नहीं कर सके।

प्रदर्शनकारियों को ले जाती पुलिस।

- सोमवार को दूतावास की इमारत में घुस गए थे प्रदर्शनकारी

द. कोरिया ने की अफ्रीकी देशों संग पहले शिखर सम्मेलन की मेजबानी

सोल, एजेंसी

- 4 से 8 जून तक चीन की यात्रा पर हुए रवाना

दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को अफ्रीकी देशों के साथ अपना पहला शिखर सम्मेलन आयोजित किया।

शिखर सम्मेलन सोमवार रात को शुरू हुआ और बुधवार को एक व्यापार शिखर सम्मेलन के साथ समाप्त होने वाला है, जिसमें राज्य और सरकार के प्रमुख और 48 अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुखों के साथ-साथ अफ्रीकी संघ और उसके संस्थानों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। संयुक्त घोषणा के तहत दोनों पक्षों ने यह विचार साझा किया कि द. कोरिया और अफ्रीका के बीच आपसी विश्वास, एकजुटता और समान ऐतिहासिक अनुभवों के आधार पर नए रणनीतिक सहयोग बनाने की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य संकट, ऊर्जा संकट और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान सहित जटिल चुनौतियों के उद्भव के बीच, दोनों पक्ष तीन स्तंभों के आसपास संरचित मजबूत और पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी बनाने के लिए दृढ़ हैं। द. कोरिया और अफ्रीकी देशों ने 40 से अधिक व्यापार और निवेश संवर्धन ढांचे और आर्थिक विकास सहयोग निधि पर बुनियादी समझौते, साथ ही प्रमुख खनिज, बुनियादी ढांचे, गतिशीलता, कृषि, मत्स्य पालन पर समझौता ज्ञापन, चिकित्सा और स्वास्थ्य सहयोग जैसेएमओयू पर हस्ताक्षर किए।

बॉलीवुड हलचल

मिस्टर एंड मिसेज माही के गाना का वीडियो रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाल फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का गाना तू ही तो का वीडियो रिलीज कर दिया गया है। राजकुमार राव और जान्हवी कपूर अभिनीत रोमांटिक ड्रामा मिस्टर एंड मिसेज माही लगातार लोगों का दिल जीत रही है। अपनी शानदार सिनेमाई रिलीज के बाद, फिल्म के निर्माताओं ने अब तू है तो नामक रोमांटिक गीत का आधिकारिक वीडियो जारी किया है। हनी एंड बनी द्वारा रचित, बनी और सागर द्वारा गाया गया, सागर के बोलों के साथ, तू है तो एक सूफी प्रेम गीत है। गाने के बारे में बात करते हुए, संगीतकार और गीतकार जानी ने साझा किया, तू है तो एक भावपूर्ण धुन है जो श्रोताओं को सूफी प्रेम गीतों के युग में वापस ले जाती है। यह व्यक्तिगत रूप से फिल्म के मेरे पसंदीदा गीतों में से एक है और मुझे लगता है कि हनी और बनी ने इसे अविश्वसनीय रूप से बेहतरीन तरीके से पेश किया है। मुझे खुशी है कि गाना आखिरकार अब रिलीज़ हो गया है।

पिता बने वरुण धवन पत्नी नताशा ने दिया बेटी को जन्म

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और नताशा दलाल के घर बेटी का जन्म हुआ है। वरुण धवन के पिता और निर्देशक डेविड धवन ने सभी फैंस को बेबी गर्ल के जन्म की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नताशा ने बेटी को जन्म दिया है और वरुण बेटी के पिता बन गए हैं। यह खबर सुनकर फैंस काफी खुश हो रहे हैं। हर कोई वरुण को बधाई दे रहा है और साथ ही ढेर सारी शुभकामनाएं भी फैंस द्वारा दी जा रही है।

भारत के दो हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रहे मालदीव के रक्षा कर्मी

माले। भारत के मालदीव से अपने सैनिकों को वापस बुलाने के बाद भी, भारत की ओर से मालदीव को दिए गए दो हेलीकॉप्टरों का नियमित रूप से संचालन किया जा रहा है।

अजाजू डॉट कॉम ने एक हवाईअड्डा अधिकारी के हवाले से कहा कि हेलीकॉप्टर उड़ाए जाने पर मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) का एक सैनिक उनपर मौजूद रहता है। चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में सत्ता में आने पर अपने देश से सभी भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजने का वादा किया था। 10 मई की तय समयसीमा तक 88 में से अंतिम भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेज दिया गया था। भारत की तरफ से उपहार में दिए गए दो हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान का उपयोग मालदीव में सैकड़ों निकासी और मानवीय मिशनों के लिए किया गया है।

खगोल विज्ञान | चीनी विज्ञान अकादमी युन्नान वेधशाला के वैज्ञानिकों की खोज

बौनी आकाशगंगाओं में तारा निर्माण व विलय का खुलासा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : बौनी आकाशगंगाओं में तारों का निर्माण व उनके विलय का खुलासा वैज्ञानिकों ने किया है। बौनी आकाशगंगाओं में होने वाली भौतिक प्रक्रिया की यह पहली खोज है। जिस कारण इस खोज को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चीनी विज्ञान अकादमी युन्नान वेधशाला के वैज्ञानिकों ने यह खोज की है। दरअसल बौनी आकाशगंगाओं के बारे में हमारी जानकारी अभी भी प्रयाप्त नही है। माना जाता था कि बौनी आकाशगंगाओं का ब्रह्मांड में सीमित स्थान है और उनमें बहुत कम प्रक्रिया होती होगी। मगर वास्तव में ऐसा नही है, बल्कि ब्रह्मांड में अपना खासा वर्चस्व रखती है।

बौनी आकाशगंगा की तस्वीर।

चीनी विज्ञान अकादमी के वैज्ञानिकों ने बौनी आकाशगंगाओं में विलय और ज्वारीय अंतःक्रियाओं सहित आकाशगंगाओं के बीच अंतःक्रियाओं का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया गया है। शोध में बताया है कि विशाल आकाशगंगाओं के बीच विलय से आकाशगंगाओं की आकृतियाँ बदल सकती हैं, तारों का निर्माण बढ़ सकता है और यहाँ तक कि तारों का विस्फोट भी हो सकता है। मगर बौनी आकाशगंगाओं के कमजोर गुरुत्वाकर्षण के कारण तारा निर्माण वितरण और घनत्व विलय और तारकीय नकारात्मक प्रतिक्रिया से अधिक आसानी से प्रभावित होते हैं। वैज्ञानिकों ने बौनी आकाशगंगा वीसीसी 322 का विश्लेषण किया। यह शोध द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने आकाशगंगा का रंग और एकल तारकीय जनसंख्या मॉडल फिटिंग के आधार पर ज्वारीय धात्विकता और तारकीय आयु का अध्ययन किया। तब जाकर बौनी आकाशगंगा की भीतरी जानकारी सामने आ पाई।

बौनी आकाशगंगाओं पर अधिक शोध की जरूरत

बौनी आकाशगंगाओं को लेकर अधिक शोध की जरूरत है। भले ही यह पूर्णरूप से विकसित नही हो पाई हों, लेकिन ब्रह्मांड में इनके अस्तित्व को कम करके नही आंका जा सकता है। संभव है कि यह ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर करने में महत्वपूर्ण कड़ी की भूमिका निभा सके।